## 1.3.2 Average percentage of courses that include experiential learning through project work/fieldwork/ internship during last five years

## Link to Sample Project



- 1. Link to Sample Project Bengali
- 2. Link to Sample Project English
- 3. Link to Sample Project Geography
- 4. Link to Sample Project **<u>BBA</u>**
- 5. Link to Sample Project <u>BCA</u>
- 6. Link to Sample Project Economics
- 7. Link to Sample Project Environmental Studies
- 8. Link to Sample Project Political Science
- 9. Link to Sample Project Physics

## Bengali



## KAZI NAZRUL UNIVERSITY, ASANSOL

SDHAN CHANDRA COLLER

NAME :- AMIT DUTTA

DISICIPLINE :- BENGALI (SEC)

COURSE NAME :- PRAKALPA PATRA ROCHONA O UPOSTHAPONA

COURSE CODE :- BAPBNGSE602

KNU REGISTRATION NO :- 103211110048

SESSION :- 2021-2022 SEMESTERO-6th.

TEACHER'S SIGNATURE



# সূচিপত্র

বিষয়	পাতা নম্বর
রবীন্দ্রনাথের ছোট গল্পে প্রকৃতি চেতনা	P-1-4
কৃতজ্ঞতা শ্বীকার	P-5





वुरुहीत्रारण् ताहेराद्व मर्गा हिएतावू

21021? गराव गामा आहिए हिउन विदावी दिवर ए उद्गि मार्तिष (68 ८ - 60 - 60 - 5 किर जार हारिष कार हारे रेणात्मारक दाए होत्रे हेग्रीत ए हाहरू जाएह कि गर हरान हिंह नासूल हीयून ण करणातार लगाठ हरीनुनार 

द्वीर्गाणक निर्तार जाव जन्म कर काम का जागान - प्रही रही करने किएस तय. गर्दानन इन्हिन ज्याह तामा जात्नाक वर्ष हीन किय ह काम्या खण्य खाल , उत्ता हत हाहता ह हार हार हार जन्म जर्मी, जार्र्ट तार्ग्डल में द्रीड - द्रि, तरीट्याण प्र (मार दीत दीतिए जादन प्राण क दिन्ह कार कार कार कार देखा,

व्हीर्ताण कुरुछि? तिनम् तत्र जीर्ण उ उम्हितीए महिंग नका महाह का कि का दाकी मा हु का हिंदूर तरह रहे लातर् म्हि आत्न,

अत्यर्भार्शिः क्रीय मारण द्वार्थ्यार्शः जत्य हरित्र हरि अपने केंद्री , स्त्रीय महिद हे छी कु हू महिद , आण का के दिकार का -राज जाह नीत क्राय जाइ कर . कर जार जारनेषु भहिए मिहे कहिए। उत्तर प्रवाह देवे हेन हेन ही हरिए हर्डिंग जान परिगा नाहिल?



P-1

निरावक्र कर त्या बीरुष्ट्र त्रुव गावसीत स्वाह रत्यार होकद 225 राग्ड स्टेल्य ज्ञाम राहिर जातिन -- पाल उड्र गणा पार्टगार ठमार ट्या ह राहा ह राहा हरिएए, जाय व्यक्तिय कत् नडी कुत्न कु मामस दडघा चार्टरणा ?

मार्कार दर्गते हाठ गार जारह करे महिर द्र हरे हे दे ह मक्ति यह मुण्ड मान जिलादन । जाड़ ट्राईमान्द्र विषय निर्मन - हारेड जा पहिली कारी किंटे किंग के मान कि जान fer II,

♦ उद्गाः प्रा', रहा पर क्राम्ट क्राम् क्रार 'रहा पर, उद्गा क्रार - ३ जाराउ जाम, जुद्धि प्रजा गाई मारती हू 9 राज्य हा मार मार कर रहर राज कार्डिए दिएस, जान करताए नही कर हैने, LELEDU 100 100 100 1010 10100 20 - 251 - 10 0012 हिनेहेरे पतार कालीव हरण कराइट एउटे यह जानेत कर टाइए छेन्द्रान् जिन जिलिए गरा, इट्रिट मरे निन्द्री मर् 201. fotes , 16, 2213 1017 5101?

1 रकार खेर रतीर के दास दास दास दे की जारक मन कार्याते राज्य हे प्रहार कार्या गरणा दी कर मारे देहनाहार ज्वर रहा रा म्युट्ट स् एए नहार , गर गर त्यकि न्हीहिन रहार करिन कुही ने र्हात कर?! टेर सीए, जा हीग्रह प्रकृत्ने, हाहह वाहह प्राण्ते व्याह



रहाल कहराया हरू राष्ट्राष्ट्रार के में के के का महाद का रहा कर fz,

क्री उत्तर एक क्लेकुह तेले, त्लाका चार क्लेकुह जान्ह छिठ र राषा भयते हिफिल्टे कृइत्त हाठ मिर उत्त र तिहा र नहामाहू, तारद -तारार ण होत्र क्या होसास था गाठकी ही रहाना का ला हराका ह राषा ला हा हा हा हा ह

करिष्ट्र दिनर्नि हाम राज्य दाप्त हो होते राज कर के दिन हु के दिन न्त्रेणतीत्व हर वन्त्र देषु वर्ट्य केंट्र प्रत्न उत्त जामिलि हित्र त्यापन विण् हिंग दिन्न जागान जाग टाङा जरावहिल, छात राह् दू मेर जार स्वा स्वान, ये कार कर दू हार मार जार जारा दाना दन जेप्रार्ट्रा जय. जार तार हिए तक करात रात्र गणा हो होते का हरि प्राण का कि कि कि कि The alle one

-1270 वद्ध विगठ त्रीकर (गान), हिंहीत्र इस्लाम्डी हत्याक शीलाप्रत यहा हरा हो कि जर्मा की उत्तर की हुन्त जेन ही ह सामा हा तहा , तारील एम्हेल वहीरद्दा वा गाद 



P-3

र्डपर जगम उतिम जानाइला इफ्लाज राकिज?,

व्वीर्ग द्वितीन जार द्वानीन जागरह क्रिय इसेकुद्द हरते हरी हरी एस पार हरी कु हर द्राई मुद्दि द्राग्रे जलाम हागा द्वीकुट् तेने पर पर ग्रेड्रि जायत्वर राज्य SAT,

 र मुकि वामासo...(मुकि वामात' नत् पान्ना त्या २२ कानी ? राष्ट्र कार्दाष पार जनीरुट सामाक कार्या हाम्ए दाक्ट द्वा काहील तीडायार लहुए पान्हुरते यदीक , गढ़ात तहत्व प्रात्म व्यच्चित्र वहारकीय दागार - 5 गार गरु: , र्यार इग्र हार गार हो हो हो .... , बार रहेगारहे स्टाइ या यादहर्हा, स्प्राइह जेड्स् रहार, मेह जासूच जेता क्लोकुह जाइफ्लेस क्राहरू काल मामक करेकुद , नग्रहारे कार राहा दान एतको जेहाद हर व्यान्मई जानिए दिरागर, जज्यू मेंगार उन्द्र मेंग डात लगर पणह उत्तेवे कोव्हाक जाग्य हकानाय ए जेकुह , जागा न्तीकृत् कह देखीर जात्हाह , देखार हा हिर के मह fogros Mai





Kazi Nazoul University Bidhan Chandra College Topic: तपर उन्हल्य वर्णवे जाय आह्यायारी टम्प्ल Discipline : SEC Bengali Name: Purba Sankaro Semesters: VI, Subject: Prakalpa patra Rachana O upasthapana Subject Code: BAPBNGISE602 Registration NO.: 103211110032 Roll Number : 1032106111003125 year of Examination: 2024 Academic Jean: 2021-22



 में राष्ट्री प्राप्त के राष्ट्र के रा प्रा प्र राष्ट्र के राष् राष्ट्र के र प्र राष् र्मिस छार्छातु खण्डात, आत्यसंद झाझात्माछहा भुःश्व कण्डत्वर्ण छात्र २१ सि खार्मात्र संभागण कृति हार्छ, शा आहात्रात्वर्ण्वत्र लिखर नाह कहात्वर अहरण्य छात्वत्रात्वत त्रज्यूण नाग्रे, हत्वडा लिखर नाह कहात्वर अहरण्य छात्वत्रात्वत त्रज्यूण नाग्रे, हत्वडा Matur? 22505 Matur, ora असिंध राज्य 1619 प्रितिष्ट्रिति उनआण्य का लाहाता द्राराय रार्ट्य केन लाग्र केन्द्र अर्जन रहत होल रहत भार हराने महान भार भार मार्ट होता है। निर्धालय प्राह्म अन्य अखी जाडाहर्ग के का सामित्र का मार्ग के का निर्मा के का न के का निर्मा के का न मिलि भाए उत्त ता भूरत्या ७ ७१८२० भाषा नगरा २८७ भन्म अर्झत राह्य तार्झा, रात्तीझा दक्षि लण ३० लिय ते जारा २८७ भन्म द्वांग्य नार्ह्य प्रकार्शन विश्व वर्ण ३० लिय ते क्रिस्ट्राह्य रिकलाप्रातना झुखान्याया गर्द्य के बिला, नण ३०ल घटनाह्य झाल्हान दिर्माणतन के जित यहा गरा दिस्टा द्वांग्य तार्थना ते क्रिस्टा विर्माणतन के ति जित यहा हो दे ते जाराज्य जाराह्य रिक्लायातन के जित यहा हो दे ते जाराज्य जाराह्य दिर्माणतन के जित यहा जित यहा जिन यहा जाराह्य स्थाय के जाराह्य दिर्माणतन के जाराज्य त्या के जाराह्य स्थाय के जाराह्य के जाराह्य स्थाय के जाराह्य के जाराह्य स्थाय के जाराह्य के जाराह्य के जाराह्य स्थाय के जाराह्य के जाराह्य के जाराह्य स्थाय के जाराह्य के जाराह्य के जाराह्य के जाराह्य के जाराह्य स्थाय के जाराह्य के जारा के जाराह्य के जाराह्य के जाराह्य के जारा के जारा के जारां के जारा के जाराह्य के जारात्य यगरंतर्वे नण्ड्राह्म दुग्ह्य द्वाह्य द्वाह्य नग्रह्माह्म भाषाह्मीग्राह्य रिष्ठता रहारण यहार्थि। अत्रविर्धि कर्मित्र कार्याद्य साम्याद्य राज्य सम्प्र तहारण ग्रहार्थि रहार्थि राह्याद्वर हिर्मित्र रहार्थि राह्यात्वर रहार्थि राह्यात्वर भगनेत् भारते यात्र होते स्थिति स्थिति कार्ये कार्य लाग जिंदर गार, टफान सारे जार आटितड, जगर तहाली and soch in Car aroutend. , ग्राह्मभार मुख्य महाहाय के हार्य होहत हो भारत

भूमें में मार्ग्य कार्य कार्य कार्य कार्य के मार्ग्य दिला के

 $(\Pi)$ 



A CONTROL

in all

उल्ले आखाद आता,' ' द्वात्याती' रुषे वर्णद्वर्ग्त २७२१ द्वाल रहा ग्रेयद्वर खाउत्पीयीएत् आलुफ्लाउंक द्वाद्वर्ग्त के लग्द्वत्नाकातात' द्वात्वद्वय्त्र योग यहत्वत् द्वाताद्व यहत्वत्व के या द्वाद्वय्त्वात्व योग यहत्वत् द्वाताद्व यहत्वत् द्वाद्वय्त्वाद्व द्वाद्वय्त्वात्व योग यहत्वत् द्वाताद्व यहत्वत् द्वाद्वय्त्वय्त्वय् र्भाली हैं गेराल रहे हाखाद है कि है रहा रहा है राजीर है रही आहेला मेल्ट्रां महारा राज्या महारा होता हो महार गेरिशहिलित 'अनुद्व लाकाताल द्वाह्वींण '

nisth: - 646 Carl

उगारी आखार हात, टाखारन जगाउंग्रा भारत दे दे दे कार्य या नाम कार्यन टार्थात को खार हो मे- खो म- हाझां जे आ- सी स्वात,

(अत्राद्व- भ्रेड्रेग्ट) आलित- ३० रिसिस्टार्ड द्रुग्ि आहल 'आहल' अण्ठिय, - "गर्द्र अत्राद्ध आर्थात आर्थाल श्राद्धात्रक आर्थ्य अण्ठिय, - "गर्द्र अत्राद्ध आर्थ्य व्यात्री पत्रेर्व्य व्याय्य व्यात्र्य अण्ठिय, - "गर्द्र अत्राद्ध आर्थ्य व्यात्र प्रात्रात्रक आर्थ्य 225, ' MIST'- 227 - 2285 312 21702 9 91030 (2) ! अग्न कार्यार्ट हार हार हार

भेर यहाक मार राज्य नाम होता मार्ग्य नाम होत्य के मार्ग मार्ग्य के मार्ग मार्ग्य के मार्ग्य के मार्ग्य के मार्ग्य ट्रांग्य यहाक के विद्या साम्य गाया मार्ग्य के टिंग रलि रेखि त्या भार्य, लाम्भेद्रा ठार्य अधाय अयगा का जा भेरे त्राही हैं हैं के कार होते को हैं का मार्ग्र कार्य की हैं का हो है के देख 013 ZURIZUL LEOUNS 2524 216121 UNZION DINE (1815 200) कार्त्रिणहि ' य श्रमीय क्राइजिस्टाह आहिए) ' होगिए हो कि हार्गाही हैं के कार्य हैं के कार्य है के कार्य है है रागहार है रागहार रागहार है रागहार है रागहार रागहार है रागहार रागहार है रागहार रागहार है रागहार रागह राही हैं हैं। है कि महार रहे के महार हो है महार है महार उठाणाहेंद्र अक्षेत्रव्येत यव्यित

ara 3 आह्यायागी त्र यहांत्र अत्रवर्शियगत्म निर्धते त्राखहू अत्र- , भ्रत्रह साख्य, 'खांह्य द्वाद द्वादा', 'जाल काकाकाद द्वादा', ' दीव द्वर हाल' र्घणाने आसमीती ७४९ टकार आतुट्धर टकासी ट७७७२३ जात, आर्ये हाथने टिफ्यार हाथने हाथने हाथने टिफ्यार हातन אינטבוסב צינסבריסב -בווצואיט ' זיגוט בוסב' זבוציבוב' ט אותר נוצויב , भारतक द्राह्याद्व हास्तुमार हास्तुमार द्राह्याने प्राह्याने प्राह्याने उगाउँग्री राहे - हाही कार्य - हाही कि - हाही आहे आत्रस्य आत्रस्य त्रागाखा द्रीत्पर भावति, पुगरं त्राहि त्राला шे का मार महात्व आप सामसंख्य कार्य आवेस आहेर्टरा. निर्णाते द्रियाति कार्य लिनि कार्य जात्व आहेर्टरा. े उन्द्राल राहे देखे देखे होते हार्य हार्यम लाहिर ુબેબુરુંબર બાલવર વગવુંબર રાજ્ય) રાજ્ય) રાજ્ય પ્રેકાવ્ય પ્રેકાર્ય રાત્ય રાયજ, ગર રાજ્ય બનાહર્શ વગરાજ્ય પ્રેકાવ્ય પ્રેકાર્ય રાજ્ય, સન્ટ્યાસ્ટ્રાસ, વિદ્ધાર્થી, વગરાયારે ટ્રે અરાર, સ્વાસ્ટ્રાસ, રાજ્ય, સન્ટ્રાસ્ટ્રા, વિદ્ધાર્થી, વગરાયારે ટ્રે અરાર, સ્વર્શવા, રાજ્ય - અબર, રાજ્ય) રુ સાત, આત્મ, બાપલમુક્રાયર, અપ્રકાર્શન, રુપે છે સ્વિટ્સ્ટ્ર સાત, શ્રા, આત્મ, બાપલમુક્રાયર, બાજાકારી, પ્રેપાર્થન વ્રહ્યાં બાપર, સાત્ર, શ્રા, ગાત્ય ગાંધ સાંઘ, આંધાર, બાપાર્થન વ્રહ્યાં તે વ્યુટ્યન્સ્ટ્ર સાત્ર, શ્રા, આવ્ય ગાંધ સાંઘ, આંધાર, બાપાર્થન વ્રહ્યાં તે વ્યુટ્યન્સ્ટ્ર સાત્ર, શ્રા, આદ્ર, સાયર, તે પ્રા, બાપાર્થી, બાજાકારી, બાપાર્થન વ્રહ્યાં તે વ્યુટ્યાં સાંઘ સાથરા સાથે વ્યુદ્ધ સાથરા સાંઘ સાંઘ સાંઘ સાંઘ સાયર, ગાંધ - त्रिश्वर कि किट्राहर ट्यासता राज्यता, आफेराणी शरा & हल्पत अन्य आगे गरें ट्रास्य लायें वित्राय देहारी प राष्ट्र , तहार का जान जाने का स्थान का स , होडी होटी होट गहेली, (alse 242 ality of 102 11 ्रे त्रिल्य खालन अट्र काल- त्यालाधी के संप अपत्रिक्तित्र अस्मास्नागार्थिक एम्छतर स्वत्न अहम प्राटप् आएष्ट्र स्वतन्त्र पेवाद्व आद्वेभ झाछा जाधार्य पेवाद्व नार्थ, भे अर्थवात्वी निर्वत्ति क्रिक्त कर्वे क्रिस्न द्वाक्त, ह्यास्निकाल द्वाक्त, त्वाक्त र्थावर, जिस्त्रकाल रहाक, निवासिए जातवणार्व्र भ्रव्हेल्स्न स्वर्भ्न, र्थावर, जिस्त्रकाल रहाक, निवासिए जातवणार्व्र भ्रव्हेल्स्न लास्न्रेस, 1 K PURE OFFUE OFURD LEUR LEUR

12 month



SHIS L LUBR भारे कार्य प्राच्या देखा है। देखा है के दिल है के दिल है आवर्य भन्न क्या द्वाराष्ट्र मेर्गा हार्ट्य क्या हार्ट्य कार्य राज्या भाषाने कार्युक्त साह्य) याती ७, क्रियठाव फाले हा सहारा राज्य भाषाने कार्युक्त साह्य) याती ७, क्रियठाव फाले हा सहारा राज्य भाषाने कार्युक्त साह्य) याती ७, क्रियठाव फाले हा सहारा टिनास्वत्क, विश्वाखत्क झाइगझाइ ट्रास्ट्रा ७ माडूल (म्ट्रा ट्राश्चात) राग्रहार आवं हिंगल जिंगला मार्गति मेंग्रह हार हार्ड रा ल्गार उठटले दिवाइत उठदिन - टारेडिर दिमंगित खिला, र्योल यहन कर यात्र आय जास रहेला ग्ला निर्धायहन! ( LIST 721076 200 War, भेत्रानि कार हाह महामेत्री हाहीत उट्टा होत्र हाह मेंद्र ! आत्रयार्याती लण्ड्रका रहित्लन अगडनहात्राग्रां रेये हालयण्डली िलिश्च हेम्द्रे, छिति जन्मख्य उठखत झालत्रदेखंक, आत्मसंख, हारवेत्रीय राज्य के महा हम हो कार राह्य स्वर्धन म्ह्रा हरहे हरहे, द्राधीय अभ्यति हर्णहोदि, राखा-WNG - ZIEVE, 131 (20- AW/2000) ZIEVAJ (21) 24(2) (12) (12) रख्राखा हो किर्म्य करा, आएए, हिर्दा हार्य हार्य हिर्म्य क्रार्ट्स क्रार्ट्स रक्षिरक्षता एम्हेलिर एम्हिक तिर्भ कार्य पहांकेए देहार्यता · ७ म्हाइर कार्य कार्डर के प्राइग, जाल का इतिंचल, रणकारी ! जगज टगांद्रेय रकेंग्राय आएड्र डिंग्लान ! " हिंदी ना छरा हुर्आलेडा ?" के पिछेरहा खगत एत ? राजायी। उल द्विट् आत्रेस, हासात खात्र कार्य,' अगरत्रवर्ष्ट ७ ठाइत्राह १७हेरहाः

माह हायुगर होगह

an Name

stiller

सिहादि जगासिंशा ज्या रहा हारि स्वाय नार्या - यार्यात, (2) श्रादत (अट्रि) - प्राय - (याय - अग्रिकार मार्गकात,' יזיאב רוצרך בודבוינט

सान्ध्वक ग्रिंगे झार्याष्ट्र आझाल आर्द्री किए म्हार कत, रे के -अआंलेस- (यांग्र- (भ्रिकेस बगह्ता, आसल आंब्रेटेस २८७ आहेला, आस्त भांद्र भग रुता आस्ता स्वाह आत्रस

्रहारार हणाय' नग्द जेमाद्रेज राहारह, 'जाएड हाइर उगराय', 'रेखेरे, यगरायां आरतर हार / आर राखे रेखेरे आखेरलर राभाष रत्तित, रात्- भारताल, नरंष हेएगरा रेखरं अध्यस्तर दिगाला अर्गगण्त त्वरे। देखेरे आत्य आत्वरे जामी केण, जगरे आणे लादमसल वर दित्र अणिड अमेरल लंडी अन्न इत्र उलात' में खेर आतरधर अखेर विश्वाधि, जाक राष्ट्र ता झेंएन

त्राधारम् स्राधारम् स्थान्त्र प्रांत्त्राय प्रान्तात क्रान्त्रात प्राय्त्र संपर्ग, स्वर्गवाद्व स्वाद्व क्रान्त्र स्वाद्व राक्ष प्राप्त्र राख्य क्रान्त्र स्वाद्व क्रान्त्र स्वाद्व राज्य राज्य राज्य राज्य स्वाद क्रान्त्र स्वान्त्र स्वाद्व न्याय्त्र स्वान् न्याय्त्र स्वाद्व न्याय्त्र राज्य राज्य राज्य स्वाद न्याया न्यायाः ्रे भ्रात उत्तर्वत्रहा तत्रे , ्रधात हाला ७ त्रालाला हिन); ज्याला राग्रहा में होणेर राग्रही रह रमस हाहर राग्रही या आएम्द्र तथा तथे, त्वरे खानमाद्वाल, त्वन्धात जाभी वारेण, जासा भारत जात जात जात जात गर राखे भी, 3,000 anon at ar

उगाछ) या या ला द्रमाहे हि तहत दिवाला हि तही हाहाह गहाहा राष्ट्रामाह रहा हालाह क्रक्ट्राम निर्माण हिल्हा अस्ति द्रागार्थत , कार्यात्रहे क्या भाषत हे भारत मार्ग मार्ग मार्ग के मार्ग के मार्ग के मार्ग के मार्ग के मार्ग उगाउँग्रे राही र हराह महत हाम्ले हाम्ले हेम्ले हे हराही



6

## English



TITLE PAGE COURSE NAME - TERM PAPER I COURSE CODE - MAENGLC304

TERM PAPER ENTITLED THE CONCEPT OF POST HUMANISM IN SELECT

5

13

0

0

0

0

0

0

0

0

2

2

2000

TALES OF Paychatantra

SUBMITTED BY ANTARA PARUI

ROLL NUMBER - 1032203331015018 REG NUMBER - KNU103223310017

3RD SEMESTER DEPARTMENT OF ENGLISH (UG AND PG) BIDHAN CHANDRA COLLEGE KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL 2024



## TITLE PAGE

COURSE NAME-TERM PAPER-I COURSE CODE-MAENGLC304

TERM PAPER ENTITLED A DETAILED STUDY OF MAIR NAIR'S THE NAMESAKE

## SUBMITTED BY POULAMI DASGUPTA

ROLL NUMBER-1032203331015026 REG NUMBER- KNU103223310025

3RD SEMESTER DEPARTMENT OF ENGLISH {UG AND PG} BIDHAN CHANDRA COLLEGE KAZI NAZRUL UNIVERSITY ASANSOL 2024

rich celebration of family values. The Namesake is near perfect



## Geography



## NOTICE

It is hereby informed to all the students of 6th semester 2021-22 that Field Survey at Kunustoria Colliery area and Residential area will be held on 18.03.2024. All the students are asked to present at the spot by 8.00 A.M.

Dated- 14/03/2024

Coordinator of the Department Geography Department Bidhan Chandra College

"ghed, Students of Department of Geography, to hereby declared me 2023 g to the departmental excussion at Ranchi on 24-03-2023 to 28-09-2023 that we will obey the xules and sugulations of the college. we the under sig are willingly going we also declared

## INDIA NON JUDICIAL

#### প্রকিমরজা पश्चिम बंगाल WEST BENGAL

## Stame of the Student

ANISH GHOSH MD SAQUIB EQBAL ANSARI MRINMOY KUNDU PRADIP KUMAR KARMAKAR SWARNADEEP SAHA ARNAB SARKHEL

SABVASACHI MONDAL ANIRBAN DAS KIRASY CHAND SOUMENT GHOSH HEMANTA MURMU AMARJEETSHAW KRISHNENDU: SENGUPTA Knishminder Survite. MONDAL ARTIT DAS PAPIYA Protikhya Banenjee Baric k Sangilla RANT MAJI SANA NAZIBA

13

34

16

19

## Signature o.

RED

RIDEES

as.

Anish Ghosh not saquits saybal Ansort. Mimey Hineln Phadip Kumar Karmakar 9735179482 Swarnadeep Saha Aunab Sonkhel Soloyosaeh: mondal Anisban Das Kiroon chand Soumen Ghosh Hemana murnu Amarbeet show Arijit Mondal topizer Das Pratikhya Baniyu Sangi Un Barick Rani Maji Sana Naziba

## 84AB 276410

11:5

06/2024

20/

619123 চামক না -1554 yours Ven-A Day 112 Esta of Purchase om Associ Treasu Barn. 3 1 AUG 2023 Norne P te 1000 L.No. 1 of 2000-01 संगतित् आकामाम्आत Guardian's Phone No Jour phone No. Name of the student 9932885882 OEISHI NEOGI SNIGDHA BHATTACHANA 9734287478 2732162718 Mounta Baneryee 842076857 PUJA PAUL 9635320952 Mouseen' Meepner Mausumi Musmu 9564509481 Shanmila sonapoiste 8436774148 Khushi Good 20/06/2024 11:57



## Bidhan Chandra College

NAAC Accredited, [ Govt. Sponsored], ESTD: 1961 Recognized by U.G.C (Govt. of India) and affiliated to Kazi Nazrul University Asansol – 713304, Dist – Paschim Bardhaman , West Bengal , Ph : 0341-2283020 Visit us: www.hccollegeasansol.ac.in; E. Mail: bccollege.office@gmail.com

#### CERTIFICATE FROM THE SUPERVISER

This is to certify that Miss Sana Naziba, Reg No-103211220040 has completed this project on "Mining as Human induced Disaster: A case study of Kunustoria Colliery" under my supervision for her 6<sup>th</sup> semester in Geography from Bidhan Chandra College, Asansol Under the Kazi Nazrul University.

It is also certified that the said Project has incorporated the result of the investigation made by Miss Sana. This work is based on both secondary and primary data.

Sougata Maji

Sougata Maji Geography Department Bidhan Chandra College

Varin Mpidmy

Principal, Bidhan Chandra College, Asansol, West Bengal,

Principal Bidhan Chandra College Asansol



21/08/2024 13:40



## TOPIC:- MINING AS A HUMAN INDUCED DISASTER : A CASE STUDYOFKUNUSTURIACOLLERY

COURSE NAME:- DISASTER MANAGEMENT PROJECT

WORKCOURSECODE:-BSCHGEOC602

DISCIPLINE:- B.SC IN GEOGRAPHY HONS.

REGISTRATION NO - 103211220040

ROLL NO- 1032106122018030

SEMESTER:- VI

SESSION : - 2023-2024

## A CASE STUDY

## <u>OF</u>

## KUNUSTORIA COLLIERY SURVEY



## DEPARTMENT OF GEOGRAPHY BIDHAN CHANDRA COLLEGE (ASANSOL)

## ACKNOWLEDGEMENT

I would like to express my special thanks of gratitude to my professor Mr. Sougata Maji who gave me the golden opportunity to do this assignment on "MINING AS A HUMANINDUCED DISASTER : A CASE STUDY OF KUNUSTURIA COLLERY".

Secondly I would like to express my special thanks to our principle Dr. Falguni Mukhopadhyay for providing me all the necessities.



## **CONTENT**

S.LNO	TOPIC	PAGENO
1.	ABSTRACT	1
2.	INTRODUCTION	1
3.	STUDY AREA	2
4.	LOCATION MAP (KUNUSTORIA COLLIERY)	3
5.	OBEJECTIVES OF STUDYIN MINING AS A HUMAN- INDUCED DISATER	4
6.	METHODOLOGY	5
7.	TYPES OF HAZARDS ASSOCIATED WITH MINING	6
8.	RESULT AND DISCUSSION	7-9
9.	CONCLUSION	10



## MINING AS A HUMAN INDUCED DISASTER : A CASE STUDY OF KUNUSTURIA COLLERY

### > ABSTRACT:

There are generally hazards associated with working in many industries. Mining industry has been always ranked among the ones that have the most dangerous working environments. Underground mining is a highly dangerous and hostile environment and there are several factors regarding this issue. It is, therefore, important to create a safe workplace that reduces these challenges so that mining can sustain. In this paper, the safety issues related to mining industry is discussed. Then, a risk matrix is developed to define the importance of these factors and their impact on the industry. Finally, the most important elements are explained and somesolutions to solve them are presented.

### > INTRODUCTION :

Mining is a hazardous operation and consists of considerable environmental, health and safety risk to mine. Unsafe conditions in mines lead to a number of accidents are cause loss and injury to human lives, damage to property, interruption in production etc. But the hazards cannot be completely obliterated and thus there is a need to define and reckon with an accident risk le possible to be presented in either quantitative or qualitative way. Safety is paramount in the mining environment. The mining industry has for many years focused on injury prevention at the workplace through procedures and training, and has achieved considerable success. However, the statis on major accident events such as fatalities and reportable incidents has not shown the corresponding level improvement, In the area of major hazards control, the mining industry approach has emphasized mainly on p experiences and lessons learnt, while other high hazard industries such as the chemical process industry and o gas industry have taken system safety techniques to new highs.

## > STUDY AREA :

The Raniganj coalfield lies in the easternmost part of the Damodar Valley Coalfield and is bounded by 23°25'N to 23°50'N latitude and 86°38'E to 87°20'E longitude. It covers about 1,530 km<sup>2</sup> geographical area, spreading over the Burdwan, Birbhum, Bankura, and Purulia districts in West Bengal and Dhanbad district in Jharkhand. A network of roads and railway branches link the area with other part of the country (Fig. 1). The topography of the Raniganj coalfield is gently undulating and the elevation generally ranges from 65 to 75 m above sea level. The highest elevations are the Panchet (643 m) and Biharinath hills (451 m). The drainage pattern is mainly dendritic to sub-dentritic in nature (Srivastava and Mitra 1995) and most mines of this coalfield lies between two rivers, the Damodar and Ajay which flows almost parallel to each other. The area is a tropical region with fairly temperature variation.

The Raniganj coalfield is a part of the Gondwana Supergroup, which extends here over a rectangular area greater than 1,000 km<sup>2</sup>. A full succession of lower Gondwana and younger rocks occurs, attaining a maximum thickness of more than 3,200 m. A large part of the coal- field is occupied by coal-bearing horizons of the Barakar and Raniganj Formations. A fluvio-lacustrine coal barren sequence known as the Iron Stone Shale separates these two coal-bearing horizons. The Panchet Formation (also barren of coal) overlies the Raniganj Formation, and comprises feldspathic sandstone and red clays.

The Raniganj coalfield is surrounded by Archaean rocks on all sides except in the east, where its boundary is not clear, as it is covered by alluvium. The dip of the strata is generally southerly; the oldest rocks are exposed along the northern margin, and successively younger strata outcrop towards the south. The northern margin represents the normal depositional boundary between the basal Gondwana and the basement Archaeans while the western and southern boundaries are faulted.

## KUNUSTORIA COLLIERY







PAGE:-3

## Objectives of Studying Mining as a Human-Induced Disaster:

- 1. Understanding Environmental Impacts.
- 2.Assessing Health and Safety Risks.
- 3. Evaluating Socio-Economic Consequences.
- 4. Promoting Sustainable Practices.
- 6.Policy and Governance.
- 7.Sustainable Solutions.

## METHODOLOGY :

The method used in this research to evaluate and analyse the risk of a coal mine was quantitative method. Quantitative risk matrix is increasingly applied in the mining and minerals industry due to business requirements to support financial decisions, evenly compare financial risks with environmental and social risks, and to demonstrate transparency, consistency and logic of approach. However quantitative risk matrix approaches often are not intuitive and require some upfront learning investment by decision makers.

In his article 'What's Wrong with Risk Matrices? Tony Cox argues that risk matrices experience several problematic mathematical features making it harder to assess risks. These are:-

a. <u>Poor Resolution</u>: Typical risk matrices can correctly and unambiguously compare only a small fraction (e.g., less than 10%) of randomly selected pairs of hazards. They can assign identical ratings to quantitatively very different risks ("range compression").

b. <u>Errors</u>: Risk matrices can mistakenly assign higher qualitative ratings to quantitatively smaller risks. For

risks with negatively correlated frequencies and severities, they can be "worse than useless," leading to worse-than-random decisions.

c. <u>Suboptimal Resource Allocation</u>: Effective allocation of resources to riskreducing counter measures cannot be based on the categories provided by risk matrices.

d. <u>Ambiguous Inputs and Outputs</u>: Categorizations of severity cannot be made objectively for uncertain consequences. Inputs to risk matrices (e.g., frequency and severity categorizations) and resulting outputs (i.e., risk ratings) require subjective interpretation, and different users may obtain opposite ratings of the same quantitative risks. These limitations suggest that risk matrices should be used with caution, and only with careful explanations of embedded judgments. (Mutekede, 2014).

#### > TYPES OF HAZARDS ASSOCIATED WITH MINING :

On the basis of different hazard associated with mining these can be differentiated into two major categories, which are as follows:-

#### \* PHYSICAL PROBLEMS:-

Coal mining is associated with a range of physical problems that impact both miners and the surrounding environment. Here are some of the primary issues: Health Risks for Miners

#### 1. Respiratory Diseases:

- Coal Workers' Pneumoconiosis (CWP)\*: Also known as black lung disease, this condition is caused by long-term inhalation of coal dust, leading to lung damage.
- Silicosis\*: This occurs due to inhaling silica dust, which can be present in mining environments.
- Chronic Obstructive Pulmonary Disease (COPD)\*: Long-term exposure to dust can lead to chronic bronchitis and emphysema.

2. <u>Hearing Loss</u>: Prolonged exposure to the high noise levels from mining equipment can cause hearing damage.

3. <u>Musculoskeletal Disorders</u>: The physical demands of mining, such as lifting, carrying, and operating heavy machinery, can lead to back injuries, joint problems, and other musculoskeletal issues.

4. <u>Traumatic Injuries</u>: Miners face risks from cave-ins, explosions, machinery accidents, and falls, leading to severe injuries or fatalities.

#### ENVIRONMENTAL AND COMMUNITY HEALTH PROBLEMS:

1. <u>Water Contamination</u>: Mining activities can lead to the contamination of water sources with heavy metals, acid mine drainage, and other pollutants, impacting drinking water and aquatic ecosystems.

2. <u>Air Pollution</u>: The release of coal dust and other particulates into the air can affect the respiratory health of communities near mining sites.

3. Land Subsidence: The collapse of land over mined areas can damage infrastructure, homes, and natural landscapes.

#### Environmental Impacts:

1. <u>Habitat Destruction</u>: The removal of large areas of land for mining disrupts habitats and can lead to the loss of biodiversity.

2. <u>Greenhouse Gas Emissions</u>: Coal mining and combustion are major sources of carbon dioxide (CO2) and methane (CH4), contributing significantly to global warming and climate change.

3. <u>Waste Management</u>: The extraction process generates large amounts of waste rock and tailings, which need to be managed to avoid environmental contamination.

Addressing these problems requires stringent safety regulations, environmental protections, and ongoing health monitoring for workers. Efforts to reduce coal dependency and transition to cleaner energy sources are also critical in mitigating these issues.

#### > RESULTS AND DISCUSSION:

From the data collected from the direct survey at Kunustoria Mining Area office the followed Graphical representation of the primary data has been represented along with the discussion. That will help us to know about the problems faced by the local residents of that area that how coal mining effects their daily life.





From the above graphical representation it can be esiliy observed that the maximum residents and employee of the Kunustoria mining area is belongs to the age group of 51-60 yrs including the under -ground miners. Whereas the lowest age group belongs to that area is 20-30yrs who the mainly the family members of the employed persons.

From the survey it has also been observed that the population male and female is fairly distributed in that area but most of the mining activities are done by the male population ,whereas the females are mostly engaged in normal office errands. The working sex ratio of male and females are represented in (fig.2). most of the working persons are engaged in underground mining activates which quite dangerous work even there is safety measures provided by the coal mining authority like shoes, helmets, and lights, hospital facilities, but even though there is chance of being stuck in underground due to blasting and land slides.there are also some surface and other works which are conducted in above the ground surface. But even the surface workers have to suffer from the hazardous impacts of mining activites .(fig.3).



The hazardous effect of coal mining can be best observed by the long term residents of that area.as per result of the kunustoria survey the most of the surveyed person residing for 31-40yrs (fig.4) of and served ECL for around 21-30yrs (fig.5) whom many persons weather it could be themselves or their family member suffering from many coal mining induced diseases like heart issues, dust allergy, cough, headache, asthma, high Bp (due to blasting), whereas the underground miners also have to go through several disease due to they have to face some toxic gases in the underground mining gas chambers.



#### (Fig.4)

(Fig.5)

Coal mining not onlyimpacts the humans daily life but also the environment which again impacts human life directly, coal mining effects nature in various by degrading the of air weather it is underground or opencast mining by releasing many toxic gases, land and soil degradation by blasting in the mines, mining activities also impacts the surrounding water bodies by polluting them and in many other ways this mining activities impacts the surround nature and as well as the ecosystem of that area in and hazardous way. Regarding this bad impacts of mining a graphical representation of



that surveyed data collected from Kunustoria can has been represented in fig.6.

Fig.6

## **♦**Mitigation and Management Strategies:

To address the adverse impacts of mining at Kunustoria, several strategies can be implemented.

1. Environmental Management: Implementing stringent environmental regulations to control pollution, managing waste, and reclaiming mined land can mitigate environmental impacts. Regular monitoring and enforcement of standards are crucial.

## 2. Health and Safety

Measures: Improving working conditions, providing proper safety equipment, and conducting regular health check-ups can reduce health risks. Training programs for workers on safety practices and emergency response are essential.

3. **Community Engagement:** Involving local communities in decision- making processes and ensuring fair compensation and rehabilitation for displaced families can help alleviate socioeconomic tensions. Transparent communication and corporate social responsibility initiatives can build trust and cooperation between mining companies and local residents.
# > CONCLUSION:-

The study of mining in Kunustoria highlights the dual nature of coal mining as both an economic driver and a source of significant human-induced disaster. Addressing the environmental, health, and socio-economic impacts requires a balanced approach that includes sustainable mining practices, robust regulatory frameworks, and active community engagement. By implementing these strategies, it is possible to mitigate the negative effects of mining and promote a more sustainable and equitable development path for the region. The insights gained from Kunustoria can serve as a valuable reference for other mining regions facing similar challenges, emphasizing the importance of holistic and integrated approaches to managing natural resources responsibly.





# **Government Accounting & Financial System of**

# **Indian Railways**

## PROJECT REPORT

Submitted by

# SYED AMAN KABIR

Registration Number: - 103211280056

Under the guidance of

# PROF. SANTANU MAZUMDAR

&

# PROF. KAJAL GOSWAMI

*in partial fulfilment of the requirements for the award of the Degree of* 

# **BACHALOR OF BUSINESS ADMINISTRATION**

of



KAZI NAZRUL UNIVERSITY

# **Department: - Bachelor Of Business Administration**

# **College: - Bidhan Chandra College**

Submitted on: - May,2024

# **ACKNOWLEDGEMENT**

I am overwhelmed in all humbleness and gratefulness to acknowledge all those who have helped me to put the ideas, well above the level of simplicity and into something concrete. I owe a great debt to my guide <u>Prof. Santanu Majumdar</u> <u>and Prof. Kajal Goswami</u> who provided wholesome direction and support to me at every stage of this work. There wisdom, knowledge and commitment to the highest standards inspired and motivated me.

Syed Aman Kabir

# DECLARATION

I hereby declare that the project titled <u>"Government Accounting</u> & Financial System of Indian Railways" is an original piece of research work carried out by me under the guidance of <u>Prof.</u> <u>Santanu Majumdar and Prof. Kajal Goswami</u> the information has been collected form genuine and authentic sources. The work has been submitted in practical fulfilment of the requirement of degree of Bachelor of Business Administration to university of Asansol.

Date: 03/05/2024 Place: Asansol Syed Amn Kabir



Eastern Railway Accounts Department/Asansol

#### (CERTIFICATE)

It is certified that Syed Aman Kabir (Roll No : 103211280056), student of BBA of Bidhan Chandra College, Asansol has been imparted internship at the Office of the Sr.Divisional Finance Manager, Eastern Railway, Asansol (W.B) from 19/06/23 to 14/07/23.

During the session the student has undergone training in Government Accounting and financial System of Indian Railways especially IT based working system of Railways.

I wish her all success in life.

Place : Asansol Date : 03/08/2023



Asstt. Divisional Finance Manager/)) Eastern Railway, Asansol Asstt. Divisional Finance Manager (II) Eastern Railway (Asansol सहा मंडलवित्त प्रबंधक (II) पू रे आसनसोल

# Table of Contents

	Acknowledgements	2
	Declaration	3
	Certificate	4
	Index	5
Chapter 1	Introduction	8
Chapter 2	Advantages of IPAS	9

Chapter 3	IPAS Modules & Architecture	12
	Functional Modules	13
Chapter 4	IPAS Implementation	14
	Strategy	14
	Schedule	16
	Checklist	18
Chapter 5	Data Migration	20

	Challenges during Data Preparation	22
	Standardization of Master Codes	23
	Master Code Verification	26
	Data Porting	28
	Data Validation	30
	Configuration	33
Chapter 6	User Management	34
Chapter 7	Roles and Permissions	37
Chapter 8	Administration of IPAS	44
Chapter 9	Pre-Requisite for other Modules	46
	Cheque Reconciliation	46
	RIB Reconciliation	46
	Cash & Pay	46
	Pre-requisite	47
	e-Suspense	48

Chapter 10	Conclusion	49
Bibliography	Web Site	50

## **Chapter 1: Introduction**



IPAS application software (the software for AIMS) has been developed by CRIS on web based 3-tier centralized architecture using Java and Oracle. It will bring a common application to all Railways on a centralized platform so that similar processes are followed across Railways in terms of accounting practices. A key benefit of such centralization would be faster change management and integration of effort along with automation of processes. IPAS application is undergoing a continuous up-gradation exercise to achieve better efficiency, security and safety. IPAS will provide real time access to financial transaction data across IR and will also bring financial and fiscal discipline. Although core design of IPAS application is same as design of PRIME/AFRES, following improvements have been done by CRIS:-

- A. Technology Level:
  - i) Centralized Architecture ii) Web based Application. It doesn't require any client software on end-users' PCs.
  - iii) Designed and developed using state of the art open Java technology. As the programs are developed in Java, it can run on any Operating System, any Application Server (i.e. of any company product) and any hardware.
  - iv) Java is futuristic technology specially designed for web based application as compared to existing Oracle Forms based technology of PRIME/AFRES which has become obsolete.
  - v) High Availability (24\*7) as all the servers have been clustered to run in fail-over mode. Thus, if there is failure of any server, the load will be shifted to cluster server immediately and under no circumstances work will be interrupted. The users would not know the breakdown.
  - vi) Load Balancing through Hardware Load Balancers to balance the loads on HTTP Servers.
  - vii) Centralized maintenance and management of Infrastructure (Application Software, Hardware & Systems Software).
  - viii) Disaster Recovery of critical applications such as IPAS/AIMS is essential. Being Centralized Architecture, it is easy to replicate data as well as switching of sites from Data Centre (DC) to Disaster Recovery (DR) and vice versa.
- B. Security Level:
  - i) Secured Socket Layer (SSL) software has been enabled to encrypt the data so that any transaction of IPAS including passwords of users can not be hacked by hackers.
  - ii) Role based access to the end users which can be administered by Administrators nominated at each unit. Provision for security of each screen/report is available in IPAS.
  - iii) Audit trails to monitor the changes made by any user including Administrators.
  - iv) Credentials of users are stored in encrypted way, which can not be decrypted by any algorithm.
  - v) No access of database has been given to anyone for security reasons. For running adhoc queries, a utility has been provided by CRIS to extract the data, as per requirement, by writing Oracle SQL queries.
- C. Trust Level:
  - i) IPAS has been developed entirely In-house by CRIS using its own team of software professionals. Similar to other IR Application such as PRS, FOIS, UTS, CMS, COA etc, the complete knowledge base of the application is with CRIS and in any case, Railways need not be dependent upon outside IT companies for the Software Maintenance.
    With the involvement of Railways' own EDP centre staff, IPAS can be rolled over rapidly
    - in all the Zonal Railways.
  - ii) Source code of IPAS is the property of Railways and therefore in long run, there is no issue of Intellectual Property Right (IPR).

- D. Database level:
  - PRIME And AFRES databases have been merged into single database and all the redundant tables have been dropped. ii)Few tables have been merged for storing similar data (e.g. Tables for Current & continuous Allowances/Recoveries)
  - iii) Processes written in Pro\*C (e.g. Salary Processing, Income Tax etc.) have been converted into Oracle Stored Procedure for performance enhancement.
- E. Application Level:
  - i) Inter-related data capturing screens have been merged into single screen to reduce navigations. (eg. GIS/PF/Gratuity have been given through single screen; change card entries have been merged into single screen). This makes the work easier for the bill clerks.
  - No Pay Rates form for entry of Basic Pay, DA, HRA and Transport Allow. While processing of salary, data for Basic Pay, HRA, and Transport Allowance are fetched from Employees' Bio-data.
  - iii) Steps for salary processing have been merged to reduce the work of end-users.
  - iv) The salary and income tax processing to be done by respective bill clerks.
  - v) Salary Bill passing screen has enriched functionality now. The screen compares allowances/recoveries/allocations with that of previous month for individual employee to check. In addition, variations are shown in red colour. Moreover, the user has been provided all the information required for passing the salary bill.
  - vi) Format of Numbers like CO6, CO7, PPO have been changed to maintain uniqueness at Zone/IR level.
  - vii) All the interrelated modules are integrated.
    - PF deductions/Loan recoveries through regular/ supplementary salary are credited in the employees' respective ledger as soon as Abstract is prepared. PF withdrawals are also automatically debited along with automatic start of recovery from next month.

Deposit of PF through MCR is linked with PF module.

Cash authorisation under Budget Module is linked with Internal Check. Bill passing has been linked with Agreement

- viii) Where-ever possible, data during entry has been validated as per extant rules e.g. Nursing Allowances can be given to Nursing category only. ix)No duplication of PF data between Personnel and Accounts department. PF application can be processed on-line by Personnel department.
- x) Posting of Transfer inwards and outwards (Divisional): As the records of PF ledger accounts are maintained in a single database for entire Zonal Railway, maintenance of transfer inwards and outwards (divisional) does not require any separate transaction. The issuing division changes Bill unit only as and when any employee transferred and the receiving units get the data automatically and they need to confirm the data by entering JV number. This is secure data with in-built checks and least manual intervention

- F. Interface with Other Applications:
- Traffic Account Module can be linked with PRS/FOIS/UTS for earnings.
  Apportionment of earnings may be made part of Traffic Accounts.
- ii) IPAS has integration with Material Management Information System (MMIS). As both the systems are interfaced, Stores bills are passed through MMIS and the cheques are issued through IPAS.
- iii) Design of Works Register is compatible with IRPSM (Indian Railways Projects Sanctions and Management). Once implemented on Centralized architecture, expenditure as available in Works Register of IPAS against each work will be reflected in IRPSM. Similarly, Budget Outlay allotted through IRPSM will be linked to Works Register.
- iv) Design of Budget Module is compatible with RBCS (Rail Budget Compilation System) of Budget Directorate. IPAS once implemented in Centralized architecture, RBCS can be linked with Budget Module of IPAS for August Review, RE/BE & FM. Similarly, Budget allotted under Revenue Demands through RBCS will be linked to Budget Module.
- v) IPAS is being integrated with Crew Management System (CMS) for allowances of running staff.

All the above applications have been designed, developed and implemented on centralized architecture by CRIS and are hosted in CRIS Data Centre.

- G. Other:
  - As application is based on Centralised Architecture, Real Time Information of IR level can be provided to Board. ii)Being a uniform application similar to any other IR applications (eg PRS, FOIS etc.), all the business rules and report formats are uniform over IR. Compliance of any rules/circular of Board (such as DA Arrear, Bonus etc.) can be made speedily.
  - iii) Easy monitoring and control by Board in line with PRS/FOIS.
  - iv) LPC may be redundant. Transfer of employees from one unit to another would not require physical movement of his service data (service card, LPC, leave etc) and financial data (PF, loans etc) in order to enable the new Unit to access his data. Mere change of Bill Unit of the employee would enable the new Unit to access his entire data viz. PF, Loans, leave, service details etc. before the physical communication is made. There is no need for fresh entry of data by the new unit for previous months.

### Chapter 3: IPAS Modules & Architecture

#### **AIMS Portal**

AIMS Portal is accessible through Internet using URL:-

https://aims.indianrailways.gov.in

#### It consists of 2 Applications

Integrated Payroll & Accounting System (IPAS)

Employee Self Service (ESS); where every employee can view details of his/her Salary,

#### Income Tax, PF Ledger etc.

#### Architecture



Application Server: IBM WebSphere Application Server (Network Deployment) Database Server: Oracle 11g Enterprise Edition with Real Application Cluster (RAC) Development Language: Java

# **Functional Modules**

## Payroll

- $\rightarrow$  Employee Profile
- $\rightarrow$  Payroll
  - Salary, Allowances & Recoveries
  - > Annual Increments
  - Income Tax
  - Bonus, Cash Compensation
  - > DA Arrear
  - > Supplementary Bills, Traveling Allowance
- $\rightarrow$  Leave
- $\rightarrow$  Settlement
  - Leave Salary
  - > GIS
  - > DCRG
- $\rightarrow$  Quarters
- $\rightarrow$  Electricity
- $\rightarrow\,$  Cadre (Book of Sanction)
  - $\rightarrow$  Workshop Incentive
  - $\rightarrow\,$  Loans & Advances

### Accounts

- Internal Check
- Books
- ≻ PF
- > NPS
- > Pension
- > Cash & Pay
- > Suspense
- Budget

## **Chapter 4: IPAS Implementation**

#### Strategy

#### A. Nominations:

- 1. One Nodal Coordinator who will act as interface between CRIS and Railway.
- 2. A core team to be formed at each unit. This core team will be trained by CRIS who will act as interface with CRIS technical team and end-users to resolve day to day issues during implementation.
- 3. Administrators in each accounting unit to manage IPAS including user management and their permissions.

#### B. Operations:-

1. Payments of Salary should be made in Single Pay Cycle. IPAS prepares salary for the full month i.e. from 1<sup>st</sup> Day of month to Last day of Month. However abstract/payment may be made on any date.

#### C. Site Preparation

Railway will ensure availability of following Infrastructure at each Accounting Unit:-

- 1. Desktop PCs with Internet Explorer (7.0 or higher)
- 2. Internet Connectivity as IPAS is based on Internet. Bandwidth requirement has to be calculated @200 Kbps per concurrent user. Number of concurrent users is to be estimated by Railways.
- 3. i) Line Printer for printing of Salary Reports ii) Cheque Printer to print Cheques iii)Passbook printer for printing of PF passbook iv)Inkjet/Laser/Dot Matrix Printer as required by unit for printing of various reports v)Requisite Stationary (80 Col/132 col./A4 Size Paper) for Reports

#### D. Data Preparation

Zonal Railway has to migrate legacy data of Nov 2015 salary from their existing systems to IPAS Tables for all its accounting Unit. For this, IPAS blank Tables have been provided in the form of Oracle dump which has been generated through "export" utility of Oracle. This dump (IPAS\_Blank.dmp) can be downloaded from "Documents" section of AIMS portal and imported into a separate schema (Oracle user say IPAS) of any local level Oracle installation. To make the version compatibility, dump has been created using lower version of Oracle i.e. 8i, so that it can be imported in any higher version of Oracle also. Care has to be taken while data porting into IPAS tables as Master Codes (e.g. Department Code, Designation Code, Earning/Deduction Code etc.) referred in IPAS are different than used in legacy systems. The mapping of such codes (IPAS vis-à-vis PRIME) will be useful before data migration. The following steps may be taken for data preparation activity:-

- 1. Standardisation of Bill Units :- All the Bill units to be standardized. Bill units are 7 digit numeric. Initial 4 digits are the same as Accounting Unit codes allotted to the unit.
- 2. Duplicate Employee No to be set right in the perspective of entire Indian Railway. It has been observed that Employee Numbers are unique within an Accounting Unit but it is not unique at Zonal/IR level. To make Employee Numbers Unique for IR, predefined 3 digits are to be prefixed to existing Employee Numbers. This will make Employee Number of 11 digits, which will be unique at IR Level.
- 3. Standardisation of Master Codes (Designation, Earning/Deduction, Suspense Allocation, Bank, Station, Department) and its mapping with IPAS Codes. Codes for Designation and Earning/Deduction have been Standardised. Suspense Allocations have been standardized as per Board's letter No 2008/ACI/6/2/Meeting dated 29/04/2011 issued during implementation of e-Recon. List of Standard Banks has been taken from RBI website. IFSC code of the bank has been used as Bank Code. As Non Railway Body Recoveries are local to each Railway, codes for these should be allotted by Zonal Railways for all its Accounting Units.

- 4. Migration of current Data (Employee Data, Allowances/Recovery/Loan, Leave balances etc.) into Blank tables of Oracle database to initiate Salary Bill Preparation and Passing.
- 5. Verification of Migrated Data to ensure that data prepared is as per IPAS requirement.

This verified is to be mailed to CRIS for porting to Production database of IPAS. In case the size of dump (.dmp) file is too large to be mailed, it can be shared through cloud storage (such as Google Drive or Dropbox). The .dmp file is an export version of schema (Oracle user say IPAS) which was created for importing Blank dump file.

E. Data Porting

Data as sent by Zonal Railway for all its Accounting Unit will be verified by CRIS. It will be ported to Production Environment if it as per requirement. In case of any deficiency, Railway will be asked to correct and resend it.

- F. Define Users
  - 1. CRIS will create UserIds for Administrators of Zonal Railway as well as for each Accounting Unit. UserId for Zonal Administrator will be activated by CRIS. Remaining IDs can be activated by him/her.
  - 2. Administrators in each Accounting unit will create User-Ids for end-users. They will also assign Permissions for Module/Bill Units/Sections to the end-users.
- G. Training
  - 1. Training will be provided by CRIS to trainers/core team of the unit. Training to end users will be imparted by respective core team.
- H. Parallel Runs
  - 1. Parallel runs will be made by end-users with the help of core team at each unit. Core team at unit will interact with CRIS technical team (through e-Mail/ Telephone) to resolve day to day issues observed during trial runs. Parallel runs will help users to learn IPAS and test the rules for allowances/ recoveries. It will also help to ensure correctness of data.
- I. Live Run
  - 1. Payroll to be made live for March 2016 salary (Paid in April 2016). It will cover :
    - i) Salary Bill preparation ii) Salary Bill Passing
    - iii) Abstract Preparation and Cheque Printing for Salary iv) Cash Book preparation
  - 2. Internal Check, PF, Settlement, JV, MCR, Books including Account Current, Works Register, Cash & Pay, Suspense, Budget etc. will be made live subsequent to Payroll.

## Schedule

Sr.	Activity	Target Date	Respo	nsibility
No.			CRIS	Railway
1	Nomination of IPAS implementation team and Nodal Co-ordinator			
2	Training of IPAS (including Data Preparation and Administration) to IPAS Implementation team			
3	Verification of Accounting Unit List and provide Information as per Questionnaire sent by CRIS	30 <sup>th</sup> Nov 23		
Mon	th 1 & Month 2(e.g. 1/11/2023 to 31/12/2023):			
1	Finalisation of Master Data:-	5 <sup>th</sup> Dec 23		
	i) Non-Railway Body (NRB) Recoveries ii)			
	Designation			
2	Data Preparation for 11 Tables (Bill unit, Station, NRB Recovery,	10 <sup>th</sup> Dec 23		
	Employee, Rule based allowances, Monthly/Continuous Allowances,			
	Absentee Details) as per Latest available Salary Data e.g. Nov 2015			
	Salary.			
	Data to be ported in Tables (PRMAGRP, PRMASHOP, PRMASTN,			
	PRMAEED_NRB, PRMAEMP, PRMAPRA, PRMAMED, PRMALOAN &			
	PRMAEMPALC, PRIRLVD) of blank dump provided for the purpose.			
	compliance of check-list.			
3	Data porting in Production Environment and processing of Salary	14 <sup>th</sup> Dec 23		
	through IPAS			
4	Creation for Administrative User-Ids and Activation of User-Id of	14 <sup>th</sup> Dec 23		
4	Zonal Administrator (Nodal Officer) & Zonal Administrator (11 team).			
4				
5	Extraction of salary data generated through IPAS Salary process and			
	Its comparison with the salary data generated through PRIME.			
	extant rules			
6	Generation of Salary Bill Reports and distribution of printed Salary			
	Reports for verification by Bill Clerks			
7	Training to end users on Salary Bill Preparation and Passing			
8	Trial/Parallel run of respective Salary Bills by end users, Correction of			
	data in IPAS, cross checking of Salary Bill (PRIME & IPAS) and Passing			
٩	Dy Accounts officials			
5	Party Master, Works, Estimates, PO, Agreement etc.)			
10	User Creation and Granting of Roles for Internal Check, PF, Pension, Settlement, Loan , Abstract Preparation and Cheque Printing			
Mon	th 3 (e.g. Jan 2024)			
1	Parallel run of Payroll by end-users for Dec 2023 & Jan 2024 Salary			
2	Training of Internal Check, PF, Pension, Settlement, Loan, Abstract			
Man	Preparation and Cheque Printing .			
IVION	ui 4 (e.g. red 2024)			

1	Parallel run of Payroll by end-users					
2	Trial/Parallel run of Internal Check, PF, Pension, Settlement, Loan,					
	Abstract Preparation and Cheque Printing by end-users					
Mon	th 5 (e.g. March 2024)					
1	Live run of Salary Bill Preparation and Passing					
2	Parallel run of Internal Check, PF, Pension, Settlement, Loan , Abstract Preparation and Cheque Printing by end users					
Mon	th 6 (e.g. 1 <sup>st</sup> April 2024)					
1	Live run of Internal Check, Abstract Preparation/Cheque Printing, PF, Pension, Settlement, Loan					
2	Preparation of data for 4 entities viz. taxable salary data for Income Tax , Savings for Income Tax Rebate, Leave (LAP/LHAP) Balances, Financial Transaction Data for Account Current*					
3	Porting of Income Tax, Savings and Financial Transaction Data*					
Mon	th 7 (e.g. 1/5/2024):					
1	Live run of Cash Book, JV					
2	Preparation of Treasuries in each station for Cash (Shroff) Module					
3	User Creation and Granting of Roles for Suspense, Cheque Reconciliation, RIB Reconciliation, Cash & Pay, Quarters & Electricity					
5	Training on Books (e-Recon, Trial Balance, Account Current etc.)					
6	Training on Suspense (Establishment & General both) Modules					
7	Porting of data related to Treasuries in each station for Cash (Shroff) Module					
8	Training on Cash (Station Earnings & MCR)& Pay Modules					
9	Training on Cheque Reconciliation & RIB Reconciliation					
10	Training on Quarters & Electricity Module Reconciliation					
Mon	th 8 (e.g. 1/6/2024):					
1	Preparation of Historical Data for E-Suspense, General Suspense, Outstanding Cheques, Salary, Works, Estimates Quarters, Meters Data, Formula & Rates for calculating Electricity Charges					
2	Porting of above data					
3	Trial run of Suspense, Cash & Pay, Cheque Reconciliation, RIB Reconciliation, Quarters, Electricity, Budget					
Mon	th 9 (e.g. 1/7/2024):					
1	Live run of Suspense, Cash & Pay, Cheque Reconciliation, RIB Reconciliation, Quarters, Electricity and Budget Modules of IPAS					

\* Month 6 (Activity 2 &3) i.e. Data Porting for Income Tax will not be required if Payroll is implemented for March paid in April. Similarly, Data Porting for Financial Transactions will not be required if all other payments are implemented from 1st April.

## Checklist

## Preparatory

Sr. No.	Item	Remarks	Comments by Unit
1	The unit has adopted single batch payment.		
2	Nomination of Nodal Officer along with implementation team has been identified.	Format 3	

#### Infrastructure

Sr. No.	Description	Yes/No	Comments by Unit
1	All the users have Desktop PCs to work on IPAS		
2	The PCs have Internet Explorer (IE) 7.0 or higher installed. Internet Explorer is free and if old version of IE is running, the same can be upgraded through Internet or System Integrator.		
3	PCs have Internet Connectivity and IPAS is accessible through it. URL of IPAS is <u>https://aims.indianrailways.gov.in/IPAS</u> Internet Bandwidth requirement has to be calculated @200 Kbps per concurrent user.		
4	The unit where IPAS is being planned have sufficient Line printers for printing of salary Bills.		
5	The unit has Cheque Printer to print Cheques		
6	The unit has Passbook printer for printing of PF passbook		
7	The unit has Inkjet/Laser Printer as required by unit for printing of various reports		
8	The unit has sufficient stationary for salary report printing. The stationary should NOT be pre-printed as salary bills are printed on 132 column Normal stationary.		

#### Data Migration

Sr. No.	Item	Remarks	Comments by Unit
1	Uniqueness of PF Numbers has been verified for entire Zone.		
2	Master Code has been verified and found to be OK/variations have been apprised to CRIS	Annexure 1 & 2	
3	Mapping for selected Tables has been completed and no code is left unmatched.	<u>Under Para -</u> MasterCode	

		Mapping	
4	Data has been provided in IPAS structure and has been validated for its accuracy before sending it to CRIS.	Under para - <u>DataPorting</u> and <u>Data</u> <u>Validation</u>	

#### Implementation

Sr. No.	Item	Remarks	Comments by Unit
1	Data has been validated and found to be OK by CRIS		
2	End-Users are trained and core team is ready for implementation		
3	Cheque printing has been tested and report/data for sending to Bank for payment is OK.		
4	Formats of all the reports (Account Current, Ledger, Journal, Schedules, RAR ) have been verified		

## Chapter 5: Data Migration

Uniqueness of Employee No:- Railways are being advised to ensure uniqueness of Employee Number in their Railways before initiating implementation of IPAS. Currently PF numbers for employees under PF scheme and a system generated no for employees under NPS scheme are being used as Employee No. However, Employee number may be non-unique in entire IR in-spite of being unique in individual Railways. Railway Board has already allotted RUID to each employee. Employee Self Service Portal is currently accessible through RUID. Employees can view details of their Salary, PF, Income Tax etc. themselves through this portal. IPAS has provision to store both Aadhar and RUID for each employee.

To ensure uniqueness of Employee Numbers at IR level, each Accounting unit has been allotted a 3 digit code (Refer Accounting Units list at Annexure-1). These are to be prefixed with existing 8 digit employee number. It will make employee number of 11 digits, which will be unique at IR level.

Mandatory Employee Attributes: - The following Mandatory Fields must be set in the employee data.

- i.Employee No
- ii.Employee Name
- iii.Date of Birth
- iv.Sex
- v. Saving Scheme
- vi. PRAN No. (12 digit number for NPS Cases)
- vii. Designation
- viii. Grade Pay
- ix. Pay band
- x. Pay Rate (Basic + Grade Pay)
- xi. Increment Date
- xii. Pay Category (Gazetted/Non-Gazetted)
- xiii. Department xiv. Bill unit no
- xv. Station
- xvi. Payment mode (Cash,NEFT,RTGS.....)
- xvii. Bank code (mandatory for payment other than Cash)

- xviii. Account no (mandatory for payment other than Cash)
- xix. PAN
- xx. Date of Appointment
- xxi. Service Status (Serving, retired etc....)
- xxii. Mode of Transport Allowance
- xxiii. Mode of Accommodation
- xxiv. If physically Handicapped......Y/N (As transport Allowance varies)
- xxv. Employee Status (Apprentice, permanent etc...)

#### **Challenges during Data Preparation**

- 1. Uniqueness of Employee Numbers:- prefixing 3 digit allotted code with existing 8 digit employee number will ensure uniqueness of Employee Number at IR level.
- 2. Missing Date of Birth:- In case DOB is not available,'29-02-1976' may be used to avoid delay in data preparation. However, the same MUST be corrected by Accounting Units using "Data Correction" option in IPAS before system is made LIVE.
- 3. Missing Appointment Date:- In case Appointment Date/Railway Joining Date is not available, '15-08-2000' (PF scheme) or '15-08-2004' (NPS scheme) may be used to avoid delay in data preparation. However, the same MUST be corrected by Accounting Units using "Data Correction" option in IPAS before system is made LIVE.
- 4. Saving Scheme:- use '1', if employee is under PF contribution scheme. Use '2', if employee is under NPS scheme. Use '3' if employee is neither in PF nor NPS (such as Apprentice).
- Handicap :- Transport Allowance is dependent upon "HANDICAPFLAG" and "HANDICAPCODE". It has been observed that in PRIME, 'E0060' code has been used for Transport Allowance (Handicapped).
  In IPAS, Code for Transport Allowance for both (General and Handicapped) are same, but based on value in "HANDICAPFLAG" and "HANDICAPCODE" system decides whether employee is handicapped and TPA is calculated double.

For TPA to Handicapped, value in "HANDICAPFLAG" should be "Y" and "HANDICAPCODE" should be one of following:-

- 1-Blind,
- 2- Orthopedic with disability of lower extremist
- 4- Deaf and Dump
- 3- Other

Railways should ensure to provide correct values for these attributes ("HANDICAPFLAG" and "HANDICAPCODE") in PRMAEMP table so that handicapped employees are paid correct TPA.

- 6. Mode of Transport Allowance:- Transport Allowances are given in IPAS as per record set in Payrate table as well as value of Transport Mode set in PRMAEMP. Possible values in "TRANSPORTMODE" attribute of PRMAEMP table are as below:-
  - 1- None of the below
  - 2- Declaration from Employee
  - 3- RC Pass
  - 4-Office Transport
  - 5-Office Transport Not Availing

In case of value '1','3' and '4', employee is not given TPA. In case of value '5' and employee is in Gazetted category, he/she is given fixed Rs. 7000/- towards TPA.

- 7. Mode of Accommodation:- HRA is given to employee based on record set in Payrate table as well as value of Accommodation Mode set in PRMAEMP. Possible values in "ACCMOMODE" attribute of PRMAEMP table are as below:-
  - 1-Railway Quarter
  - 2-Lease
  - 3-HRA
  - 4-Quarter and HRA

HRA is given to employee only if value is set as '3' or '4'.

- 8. Designation:- Only those designations are to be mapped with IPAS designation code, which are being used in Employee Data (PRMAEMP). Please refer to Standardisation of Master Codes.
- 9. Station:- Please refer to Standardisation of Master Codes.

#### 10. Bank Code:- Please refer to Standardisation of Master Codes.

#### Standardization of Master Codes

Earning/Deduction :- The list of Earning/Deductions available in IPAS is available at Annexure. All the codes currently used in Payroll of the respective unit must be mapped with the codes of IPAS. Allocation Code against each Earning/Deduction Code must be verified. Any wrong Allocation (including Transfer Division/Rly) will lead to problems during implementation of Books module.

The Codes for Non-Railway Bodies are to be created at Zonal Railway level for all of its accounting units before submitting data to CRIS. Following policy/guidelines should be used for allotment of NRB Recovery code by each Railway:-

- i) NRB code will be of 6 characters. First 2 characters will be used as
  - RC for Clubs/Association RI for Institutes RY for Societies/Cooperative Banks RK for Postal RH for other NRB recoveries
- Each Railway has been allotted a single character code as CR(1), ER(2), NR(3), NER(4),
  NFR(5),SR(6),SER(7),WR(8), SCR(9),ECR(A),ECoR(B),NCR(C),NWR(D), SECR(E),SWR(F),WCR(G). [Refer

Annexure 1: Railway Master]. This character will be used as 3<sup>rd</sup> character in NRB code. iii) Remaining 3 characters will be used as Serial number against each Series of 'RC', 'RI', 'RK', 'RH'.

- iv) For recoveries towards Societies/Cooperative Banks (RY series), only 2 characters will be used as serial number. Last character will be used as below:-
  - 'C' for Monthly Contribution/CMTD/Subscription
  - 'S' for Additional/Extra/Voluntary Recovery
  - 'L' for Recovery towards Major Loan
  - 'E' for recovery towards Minor/Emergent Loan

This will enable system to generate Consolidated Society Statement covering above. Railway may assign any other character to denote any other type of Loan from Society.

Railways are using different Nomenclature of Loans/Subscriptions towards Societies. The above 4 types have been standardized which are part of Society Statement generated through "Salary Reports". Any other characters can be used if there are any other types of recoveries towards Societies. However, the same will not be part of Society Statement. Rather, separate vouchers will be created for such Recoveries.

v)Same club/Institute should not be allotted multiple codes even if these are shared by multiple Accounting units. Organisation like "Railway Officers Association" is a single entity although being used by all AUs. In such case, Recovery Code will be same but its payment details may be different for each AU. vi)In case of Society, 5 digits will be common for same society. Codes will vary due to 6<sup>th</sup> digit depending upon type of recovery (subscription,Loan etc.) vii)Single Code i.e. RL000 Should be preferred for LIC. Multiple codes under LIC to be avoided as payments are now a days given through NEFT. Party name and Account Number may be common to all. A separate list with Policy Number may be given to LIC office for crediting the premium. In case, LIC office does not accept payment through single cheque/branch, then only multiple codes may be allotted as under: 'RL' as starting 2 characters

1 digit Railway code as 3<sup>rd</sup>charcter

Remaining 3 characters as serial number starting from '001'

viii) Single code MUST be used for Festival Advance (RAF00) and Court (RJ000).

Codes for Quarter related recoveries have been allotted as RQ%, No separate code for outside quarters. If such cases exist then the accounting unit is to be entered against the recovery so that correct booking is ensured.

Codes for Arrears, Overpayments and Refunds have been defined in a pattern such as E001A & R0010 for Arrear and Recovery of Basic Pay (E0010) respectively. Few exceptions exist such as RP01A for arrear of NPS recovery (RP001), RF01A for Arrear of PF Recovery (RF001) etc.

Codes not available in IPAS should be apprised to CRIS by Zonal Headquarter so that Codes are allotted by CRIS and apprised to Railway in the format MDM-2 of Appendix. This is needed to maintain uniformity at IR level.

Department:- Unit can verify the departments provided in IPAS. Codes for each department are as:-

Accounts (01), Audit (02), General Admin (03), Commercial (04), Engineering (05), Electrical (06), Mechanical (07), Medical (08), Operating (09), Personnel (10), S&T (11), Stores (12), Security(13), RCT (14)

Designation :- 7 Alphanumeric characters have been used for Designations. Starting 2 character represent Departments (AC for Accounts, CM for Commercial etc.). Designation Codes available in multiple department have been put under GC% (General) and TT %(Technical) . Next 3 digits are Serial Number. Last 2 digits denote Working Designation. e.g. In code, AC39000, AC denotes Accounts Department; AC390 denotes FA&CAO-SAG but AC39001 denotes FA&CAO (F&G) . Last 2 digits are made '00' if Working and Standard Designations are same.

The list of Designations available in IPAS is available at Annexure II. All the codes currently used in PRIME (Distinct Desigcode in PRMAEMP Table) of the respective unit must be mapped with the codes of IPAS. Designation codes describe Minimum and Maximum Grade Pay, Employee Group , Staff Category (Doctor, Running – Mobile, Running – Stationary , General).

NPA is being provided to Doctors based on Designations. Similarly Running allowance is provided to running staff based on the category of Designation. Where-ever possible, IPAS validates permissibility of Allowances based on designations.

In case code for any designation is missing, please mail me list of all such designations in the following format:-

Department	Normal or	Short Name	Long	Minimum	Maximum	Employee	Staff	Pay	Parent
	Working	of	Name	Grade	Grade	Group	Category	Band	Designation (if
	Designation Designation	Рау	Pay				Working designation)		

Codes will be allotted by CRIS to maintain uniformity at IR level.

Bill Unit :- The standardization of Bill Units is to be done by the concerned unit. The guidelines for standardization of Bill Units are as under:-

i) Bill units are 7 digit unique numbers. Initial 4 digits of Bill unit represent Accounting Unit.

- ii) Last 3 digits of Bill Units (000,998,999) are reserved. Please assign some other Bill Unit Number for such Bill units.
- iii) Bill Unit list should contain attributes as per structure provided in "Table 1" of Appendix.

Station :- The standardisation of Station is to be done by the unit. Station is an attribute of Employee based on which he/she is entitled for HRA & Transport Allowance. Each Railway has to be provide such list with correct information of classification to avoid any wrong payment towards HRA/TPA. Format of Station Master is available at "Table 3" of Appendix.

Bank :- An standard list of Banks with IFSC Code is available in Annexure III. The list has been taken from RBI website. In case a Bank is not available in the list, it may be apprised in the Format provided under MDM-3 of Appendix.

In case of core banking (STEP) for SBI, IFSC for each branch is optional. As in case of core banking, payments are credited in employees' accounts based on only Account Number, Railways are free to provide either IFSC of banks against each employee in Bio-data or provide common IFSC of its Main Treasury.

In case payment Mode is ECS (as in case of RBI) and getting IFSC code for each branch is time taking, Railways may create their Bank Code of 11 digits as 2 digits Railway Code concatenated with 9 digits of MICR. 2 digit Railway Code has been allotted to each Railway as CR(01), ER(02), NR(03), NER(04), NFR(05),SR(06),SER(07),WR(08), SCR(09),ECR(30), ECoR(31), NCR(32),NWR(33), SECR(34),SWR(35),WCR(36). Refer Railway Master provided in Annexure 1.

In case a bank neither has IFSC nor MICR (may be Co-operative Bank), its code can be allotted by Railway as 2 digit Railway Code concatenated by 9 digit Serial number starting from '000000001'.

Details of banks , where Bank code is not the same as IFSC , must be ported in PRMABKC table so that it can be extracted and ported to Production environment by CRIS while porting data from other tables.

Suspense Allocation :- Standardisation of Suspense Allocation to be ensured. In IPAS, suspense allocation as defined by e-Recon has been adopted. List of suspense allocation used in IPAS/e-Recon is available in Annexure II.

#### Master Code Verification

Sr. No.	Master	Table	Annexure/Format	Remarks
1	Accounting Unit	PRMAAU	Annexure 2	
2	Department	PRMADEPT		
3	Section	ACMASECTION		
4	Bill Type & sub type	ACBILLTYPE & ACBILLSUBTYPE	Annexure 2	
5	Receipt Type (MCR)	ACCPMCRRT		May be deferred till implementation of Cash & pay office commences
6	Receipt Type (CRN)	ACMARCPTTYPE		May be deferred till implementation of Cash & pay office commences
7	Bank	PRMABKC	Annexure 3	Taken from RBI website

#### Master Code Mapping

Sr. No.	Master	Table	Remarks
1	Department	PRMADEPT	
2	Designation	PRMADESG	
3	Earning/Deduction	PRMAEED	
4	Suspense Allocation	ACSUSALC	
5	Fund Source	ACMAFUND	

Department :- Department used in the unit should be mapped in following format. Complete list of Department in IPAS is as Accounts (01), Audit (02), General Admin (03), Commercial (04), Engineering (05), Electrical (06), Mechanical (07), Medical (08), Operating (09), Personnel (10), S&T (11), Stores (12), Security(13), RCT (14).

Department used in PRIME	Code	Department Code in IPAS

This will be useful while preparing data for Bill Unit (PRMAGRP), Employee (PRMAEMP), Spending Unit (ACSPU) etc. by the unit.

Designation :- Designations used in the unit should be mapped in following format. Complete list of Departmentwise Designations in IPAS is available in Annexure-2.1 & 2.2. However, only those Designations need to be mapped which have been used in Employee (PRMAEMP) table.

Designation Code	Designation Code in
used in PRIME	IPAS

Earning/Deduction :- Earning/Deduction (ED) Code used in the unit should be mapped in following format. Complete list of Earnings/Deductions in IPAS is available in Annexure-2B. A document on Allowances/Recovery is available. Units are advised to verify various attributes such as Allocation, Taxable, Rule based, Monthly, Continuous, Installment based etc.

Users are advised to map only those EarningDeduction codes which are used in Payroll Transactions. This may be taken as Union of Distinct Earningdeduction from PRMAPRA, PRMAMED, PRMARED, PRMALOAN tables of PRIME.

ED Code used in PRIME	ED Code in IPAS

Suspense Allocation :- Suspense Allocation used in IPAS are as per e-Recon Application developed by Western Railway in consultation with Railway Board. However some Railways are still using old allocations. Units are advised to verify suspense allocations (available in Annexure 2 C) and prepare a mapping table in following format:-

Suspense Allocation used in AFRES	Suspense Allocation in IPAS

Fund Source :- For Works Register Data, existing Fund source code used by unit must be mapped with the Fund source used in IPAS.

Fund Source used in AFRES	Fund Source in IPAS
	DF1
	DF2
	DF3
	DF4
	САР
	DRF
	OLWR

## Data Porting

Mandatory:-

	-				
Sr. No.	Master	Table as in PRIME/AFRES	Table as in IPAS	Remarks	
1	Bill Unit*	PRMAGRP	PRMAGRP	Bill Unit Master (PRMAGRP) contains all the bill units or Accounting unit.	
2	Station*	PRMASTN	PRMASTN	Station Master containing information on classification for HRA/Transport Allowance.	
3	NRB Recovery*	PRMAEED	PRMAEED_NRB	NRB codes are to be allotted by Zonal Railway for all its Accounting unit.	
4	Employee*	PRMAEMP	PRMAAPPT & PRMAEMP	EmployeeMaster(PRMAEMP)containsalltheemployeerelated details. For ex. EmployeeName, Dateof Birth etc.AppointmentMaster(PRMAAPPT)containAppointmentrelated details.The data of Serving Employees to be given. Data ofRetired employees may be given optionally for futureuse during Revision of Retirement benefits.	
5	Pay Rate*	PRMAPRA	PRMAPRA	This table contains all the rule based allowances (HRA, Transport Allowance, News/Magazine Allowance etc.) of the employees. Only Valid and current data to be given	
6	Allowance/ Recovery*	PRMAMED & PRMARED	PRMAMED	This table contains all the current and continuous monthly earning and deduction of employees. Only Valid and current data to be given.	
7	Loan*	PRMALOAN	PRMALOAN	This table contains all the Loan Transactions of the employees . Only Valid and current data to be given for employees whose loan is still pending to be recovered from Salary.	
8	Party Master for Courts/ Beneficiaries*		ACMAJUDPRT	Party Master for Beneficiaries due to court's order for recovery from Employee's salary.	
9	Recovery against court cases*		PRMACRTPARTY	Employee wise Recoveries against Court Cases.	
10	Employee-wise Allocation*	PRMAEMPALC	PRMAEMPALC	This Table contains allocation of Employees if it is different than the allocation defined for his/her bill unit. Only Valid and current data to be given.	
11	Leave Balance	PRTRLVH	PRTRLVH	This Table contains Leave Balances for LAP & LHAP of employees	
12	Leave Transactions*	PRTRLVD	PRTRLVD	This Table contains Leave Transactions of employees required to be ported for those which affects pay deduction such as LHAP, Absent, LWP etc. Only Valid data to be given for the month for which trial will be made to cross check salary.	
13	Shop*		PRMASHOP	Shop Master for Workshops	

14	Workshop			
	Supervisor			
15	Service Shop			
16	Income Tax	PMAITCUM	PMAITCUM	Income Tax Transactions for current financial year starting from April and up-to the previous month when IPAS made live. Transport Allowance to have relevant
				amount of Transport Allowance (after reduction of permitted income tax free amount)
17	Salary	PRMACUM	PRTRNPDALC_AR CH PRTRNPH_ARCH	Salary Transactions for current financial year starting from April and up-to the previous month when IPAS made live in PRTRNPDALC_ARCH. Summary of salary details (month wise, employee wise) to be created in PRTRNPH_ARCH. This will be useful during preparation of DA Arrear and Bonus.
18	Party	AFPRTMST	ACPRTMST	This table contains all the inside and outside party of Railways. Party Code is basically of 12 characters and its code configuration depends on the type of party.
19	Spending Unit	AFSPU	ACSPU	Spending Unit of the units. SPU is of 8 digits. Starting 4 digits represent Accounting Unit; Next 2 digits are for Department and last 2 digits for serial number.
20	Contract Agreement	AFAGTMST	ACAGTMST	Valid Contract Agreements where payment is to be made to contractors against a contract agreement.
21	Purchase Order	AFPOMST	ACPOMST	Valid Purchase Orders where payment is to be made to vendors against supplier bills
22	Provident Fund	AFPFHDR & AFPFTRAN	ACPFTRAN	This contains PF ledger of the employees. It may be ported as per requirement of unit whether complete or for only current Financial year. The data needs to be reconciled. Data structure :-Employee No, Transaction Type, Amount, Transaction Date, Bill Unit). Transaction Type (PSR-Subscription, PVR-VDPF, PLR- Loan Recovery, PIR-Interest, PRL-Relaxation, PFTTemporary Withdrawal, PFF- Final Withdrawal, PFS- Settlement)
23	Financial Transactions	AFINTTRN	ACFINTRN	Financial Transactions for current financial year starting from April and up-to the previous month when IPAS made live. This is required for generating Account Current. Data is required for following columns: Book Date, Allocation, Dr/Cr, Amount, Voted/Charged, Voucher Type(CO7, MCR, Revenue JV, Capital JV)
24	Works		ACWORKSHDR & ACWORKSDTL	Works being executed by the unit
25	Estimate		ACESTMTHDR &	Department wise sub estimate for the works

		ACESTMTDTL	
26	Station-wise	ACSTNBKC	Required for Cash (Shroff) Module. Stations remit their
	Treasury		cash earnings into specified bank (Treasury). Treasury
			Remittance (TR) note is sent by stations to shroff Office.
			The list of treasury in each such station is required
			before Cash (Shroff) module is implemented.

Note: Tables marked with (\*) are the minimum tables (11) for data porting to start training and trial run of Payroll. Data porting for other tables may be done subsequently by Railways before initiating implementation of other modules. Optional:-

Sr. No.	Master	Table	Remarks
1	Family Details	PRMAFAM	
2	Nomination Details	PRMANOM	
3	Qualification Details	PRMAQUAL	

#### **Data Validations**

Sr. No.	Item	Description	Remarks	
1.	Employees with Duplicate Number	Duplicate Employee Number should not exist in entire Railway.	Prefixing with 3 digit code will make Employee Number Unique.	
2.	Employees with null or dummy field against Mandatory fields.	All the mandatory fields should be available and should not have dummy value. Mandatory fields are mentioned in this document.		
3.	Invalid DOB	DOB should be valid	If DOB is not known, it may be taken as 29-02-1976. However the same MUST be corrected before IPAS implementation.	
4.	Invalid Appointment date	Appointment Date should be valid	If Appointment date is not known, it may be taken as 15- 08-2000 (for PF optee) and 15-08-2004 (for NPS). However the same MUST be corrected before IPAS implementation.	
5.	NPS employees having invalid PPAN Number	NPS Employees should have valid 16 digit PPAN Number (if allotted by the concerned Railway)		

6.	NPS employees having invalid PRAN Number	NPS Employees should have valid 12 digit PRAN Number (if allotted by NSDL)		
7.	NPS Employees with PF deduction	NPS Employees should not have PF deduction	Based on SavingScheme attribute of PRMAEMP, it will work.	
8.	Non NPS employee with NPS deduction	Employees under PF should not have NPS deduction	Based on SavingScheme attribute of PRMAEMP, it will work.	
9.	No recovery of NPS	Employees under NPS should have NPS deduction		
10	. No recovery of PF	Employees under PF should have PF deduction.		
11	. Wrong Joining date or scheme	NPS Employees should have joined on or after 1/1/2004		
12	. Duplicate PRAN	Duplicacy in PRAN Number		
13	. Duplicate PPAN	Duplicacy in PPAN Number		
14	. Duplicate PAN	Duplicacy in PAN Number		
15	. Duplicate Account Number	Duplicacy in Account Number		
16	. Invalid Grade Pay	Invalid Grade Pay or grade pay does not belong to Payband		
17	. Gazetted bill unit but employees payband<3	Gazetted bill unit having non gazette employees		
18	. Non Gazetted bill unit but employees payband>=3	Non Gazetted bill unit having gazetted employees		
19	. Employees having null or Invalid Bill Unit	All Employee should have a valid bill unit		
20	. Invalid Designation Code	Invalid Designation Code		
21	. Invalid Payment Details	All employees should have valid Payment Mode, Bank Code (IFSC), Account No. Bank Code/Account No. may be kept blank only in case of Cash Payment. Account Number must be verified for its correctness as left side zeros should not be ignored as it is a character string and not a number. No of digits may also be checked for specific banks (IFSC).		
22	. Invalid Payment Mode	Payment Mode should be correct and compatible to Bank Code (e.g. STEP for core banks)		
23	. Designation not sync with Grade Pay	Grade Pay of employees are as per grade pay against Designation in Designation Master. (exception MACP)		

24	. EDCODE in PRMAMED for which nvl(PRMAEED. MEDEDIT,'N')<>'Y'	All the allowances/recovery under current/continuous should have "MEDEDIT" flag="Y" in ED Master.	
25	. EDCODE in PRMAPRA for which nvl(PRMAEED. PRAEDIT,'N')<>'Y'	All the allowances/recovery under Payrate should have "PRAEDIT" flag="Y" in ED Master.	
26	. EDCODE in PRMALOAN for which nvl(PRMAEED. LOANEDIT,'N')<>'Y'	All the recoveries under LOAN should have "LOANEDIT" flag="Y" in ED Master.	
27	. Referential Integrity and Check Constraints	All the concerned Foreign keys must be enabled to avoid loss of data integrity	
28	. Correctness of Transport Allowance	Income Tax Data ported should have relevant amount of Transport Allowance	
29	. Employees without Option "Declaration" getting HRA	Employees with Lease/Quarter should not be given HRA.	

Recoveries against Non-Railway Body must have corresponding details (Payment Mode, Name to be printed on Cheque/ Bank IFSC Code, Account No) for making payments to the respective organization/societies. This is to be kept ready as per format 2(B) of Appendix so that it can be entered into IPAS before starting implementation.

# Configuration

The following configurations are to be done by CRIS before implementation of IPAS in the unit:-

Sr. No.	Module	Item	Table	Remarks
1	IC	Serial Number Generation	ACDOCCON	
	IC	Master of Treasuries of IR	АСМАВКС	format
2	IC	Treasuries applicable to the concerned accounting unit	ACAUBKC	format
3	Cheques	Cheque Starting Serial No	ACCHQBLK	format
4	IC	Valid Payment Modes in the concerned accounting unit	ACMAAUPM	format
5	IC	Debit Account No. and related parameters for payment to Bank	PRMAAURTGS, PRMAAUECS & PRMAAUEFT	format
6	IC	Bill type applicable in each section of concerned accounting unit	ACSECTIONBILL	format
7	Cash (CRN)	Cash Book Closing day of the month	ACCPCSHBKDAYS	format
8	Payroll	Stage of Salary Preparation for each Bill unit	PRMASYS	
9	Books	Unit Master for Books Module	ACMABKUNITS	
10	PF	PF Header Table to be generated from Transaction Tables for ported data	ACPFHDR	
11	Payroll	PRTRNPD_ARCH to be generated from PRTRNPDALC_ARCH for ported data	PRTRNPD_ARCH	
#### Chapter 6: User Management

#### **User Credentials**

i. Login requirements:- Each Login ID shall uniquely identify only one post. Shared or group Login-IDs are not permitted. The existing pattern for LoginID (User-Id) is

<Rly><au><Section/Department><Gazetted/Non-Gazetted><running sr. no>

e.g. er01exp1001, er02pen2001 where 'er' stands for Eastern Railway, '01' stands for Accounting unit of Headquarter (last 2 digit of 4 digit AU code), exp & pen stands for expenditure section and Pension section respectively and last 3 digits are running serial number. 4<sup>th</sup> digit from the last indicates whether the user-id is against Gazetted Post or Non-Gazetted post. Here 1 indicates for Gazetted, 2 for Non Gazetted and 0 for Not Applicable.

 User Profile :- There will be one to one mapping between Login Ids and Employee Number. Each Login Id is assigned a valid Employee Number. Same employee number cannot be assigned to multiple Login Ids. Login Ids without a valid employee number will not be permitted to access IPAS.

In case of retirement of user or transfer to another accounting unit, system will remove employee number against his login id and therefore, he/she will not be able to access IPAS. He/she will be allowed to access IPAS again when his/her employee number is assigned to new Login Ids. Users are responsible for all activities performed with their Login-Ids.

A user can perform following activities through "My Account" option:-

- Change Password
- View Audit Trails
- View Permissions granted to him/her
- Set Quick links
- Enable OTP Alerts
- Upload his/her Photograph
- Update Personal e-mail ID and personal mobile numbers
- iii. Password:
  - a. Password length should be minimum 6 characters for the user account.
  - b. Password should be combination of Upper and lower case character, digits and permitted special character.
  - c. Password should not be based on any of the following:-
    - Dictionary Words and its Reverse.
    - Combination of dictionary words.
    - Names, reference of User ID, User Name, Organization Name, Date of Birth, Telephone Number, Personal Details etc.
  - d. All passwords shall be promptly changed if they are suspected of being compromised, or disclosed to vendors for maintenance and support.

- e. Passwords shall not be shared or divulged unless necessary (e.g., helpdesk assistance, shared PC and shared files). Any shared passwords should be changed promptly when the need no longer exists and should be changed frequently if sharing is required on a regular basis.
- f. Users shall disable "Remember Password" or "Auto Form Fill"
- g. Users shall avoid accessing Application from untrusted systems or cyber cafes to avoid stealing of passwords and information.
- h. If an account or password is suspected to have been compromised or disclosed to untrusted party like Vendor, the user should immediately change the password.

The above are recommendatory in nature. IPAS stores the passwords in hash (encrypted) form and passwords are never logged by the system. Passwords are encrypted through SSL when transmitted over network.

- iv. Authentication
  - All successful/unsuccessful Login will be captured by IPAS. Failure of 10 unsuccessful Login will send an alert to the users on his registered mobile numbers. It will lead to account locking after 20 consecutive unsuccessful logins. Re-activation of the Login will be done by Administrator of the accounting unit using their local procedure.

The criterion of number of unsuccessful attempts will be reduced after successful implementation of IPAS in the units and users are comfortable with IPAS and its security mechanism.

- b. Trapping of Details :- System will capture IP, Session, Login & Logout date/time while accessing IPAS.
- c. System will have two way authentication by sending a code (OTP) on user's mobile. The validity of such code is 15 days. The OTP is being sent on mobiles who have registered their mobile numbers with IPAS. System will be open for 24\*7. Use of Digital Signatures may be introduced for working on IPAS Application. This will enhance the Security of IPAS and will bind users legally for the transactions made by him/her.
- d. Inactivity Timeouts :- Default time for session out has been kept as 30 minutes. If the user is inactive for more than this defined time out, his/her session will become inactive and user has to re-login.

#### User Accounts

Users Accounts will be managed by Administrators who can perform following activities:-

i)Creation of Users ii)Disabling an user iii)Enabling an user iv)Granting/Revoking of roles

- v) Resetting of Password in case a user has forgotten password. New system generated password will be sent on the user's registered mobile. For unregistered mobile users, it will be displayed on screen and administrator will communicate such password to the user.
- vi) Re-activation of the Login in case of locked account due to consecutive 6 unsuccessful Login attempt.

in both the cases vi. & vii. , user will be asked to change the password during first login. All the activities password change/reactivation will be logged by IPAS and it can be viewed by

the concerned users under Account History. Reports to view such activities are also available to Zonal Administrator.

- vii)Permission of Bill Units:- Administrator will change the permission of Bill Units and verify that one and only one Paybill Clerk is authorised for a bill unit for Payroll Preparation. Similarly one and only one Bill Passing official is authorised for one bill unit in case of salary bill passing. viii)Permission of Sections:- Administrator will change the permission of Sections. ix)Monitoring Audit Logs
- x) Monitoring of Invalid Data

#### Chapter 7 : Roles and Permissions

- 1. Every Page of IPAS has been assigned a Page ID by CRIS.
- 2. Set of Pages have been clubbed to form a Page Groups. Being one time exercise, Creation of new Page Groups/modification of existing Page Groups will be done by CRIS.
- 3. Roles have been created by CRIS which have been mapped to one or more Page Groups.
- 4. User Groups (Stakeholders or Actors) have been identified and created by CRIS.
- 5. A "User Group" has been granted permissions for one or more Roles. Default mapping has been done by CRIS. However, the same can be changed by Zonal Railways as per their practice.
- 6. An individual user (Login-Id) will belong to one and only one "User group".

Relation between User (Login Id), User Group, Role, Page Groups and Pages is depicted below:-

Sr. No.	Code	Description	Purpose
1	CDR	Cadre	Maintenance of Employee Data, Leave Posting etc.
2	PBL	Paybill	Preparation of Establishment Bills such as Salary, Supplementary, Bonus etc.
3	LNP	Loan (P)	Preparation of Loan Bill against Civil Grants such as Scooter/Car/House Loan
4	SLN	Society Loan	Starting and closing of Society Loans (such as NZRE in Northern Railway)
5	CUG	CUG Recovery Entry/ Porting	Recovery against CUG mobile phone Bills
6	SUB	Supplementary Bill	Preparation of Supplementary Bills
7	STLP	Settlement (P)	Preparation of Settlement Bills
8	QTR	Quarter	Maintenance of Quarter Data and recovery against its rent
9	ELE	Electricity	Recovery of Electricity Bills
10	EST	Establishment Bills	Passing of Establishment Bills
11	NPS	NPS (National Pension Scheme) Bills	Passing of NPS Bills and Uploading of NPS data on NSDL Website
12	SET	Settlement Bills	Passing of Settlement Bills such as Leave Salary/GIS
13	LNA	Loan Bill Passing	Passing of Loan Bills
14	EXP	Other Bill (Expenditure)	Passing of Expenditure Bills
15	STR	Other Bill (Stores)	Passing of Stores Bills
16	RCT	Other Bill (RCT)	Passing of RCT Bills

The following User Groups have been identified along with their function roles:-

17	PF	PF Bills	Maintenance of PF Ledger of employees, Passing of PF Advances/Settlement Bills, Interest Calculation and closure of Accounts
18	PEN	Pension Bills	PPO Generation, Preparation and Passing of
			Pension Bills such as DCRG & Commutation.
19	CHQ	Cheque Writer	Preparation of Abstract and Printing of Cheques
20	BKS	Books	Confirmation of Journal Voucher (JV), preparation of Trial Balance, Ledger and Account Current (Approximate & Actual) along with its schedules.
21	RIB	Remittance into Bank	Responsible for RIB Reconciliation by reconciling TR received from Cash Office and Scrolls received from Banks
22	CHQR	Cheque Reconciliation	Responsible for Cheque Reconciliation by reconciling Cheque (issued by Railway) and Scrolls (received from Banks)
23	ESUS	E-Suspense	Maintenance of Establishment Suspense
24	GSUS	G-Suspense	Maintenance of General Suspense
25	SHRF	Shroff	Collection of Cash & instruments received from stations through CR Note and its Remittance into Bank.
26	CSMR	Cashier (MCR)	Issuing of Miscellaneous Cash Receipt (MCR) against received Cash/Cheque/Draft
27	CCR	Chief Cashier	Freezing of Cash Book
28	ССРҮ	Chief Cashier (Pay)	PMR Registration and Distribution of PMR to Cashiers for further payments as per advice of Books.
29	CSPY	Cashier (Pay)	Dispatching/Handing over Cheques, Cash payment and preparation of Paid & Unpaid vouchers
30	RBGT	Revenue Budget	Preparation of Revenue Budget
31	CBGT	Capital Budget	Preparation of Capital Budget
33	WRK	Works Budget	Maintenance of Works Register
32	EXCH	Exchequer Controller	Cash Authorisation
33	ТА	Traffic Accounts (CRN Auditing)	Auditing of Cash Remittance (CR) Note
34	MGMT	Management	Viewing Concerned reports to help in making Managerial decisions
35	ADMIN	Administrator	Administration and Monitoring activities of IPAS

Detailed functional role of each User Group is given below:-

 Cadre:- Employees of this User Group are responsible to maintain the Employee Service Records. The functional role of Cadre is as under:- i.Maintenance of employee data ii.Maintenance of Leave Balances
Maintenance of service record of employees

iii.Maintenance of service record of employees

- 2. Pay Bill:- Pay Bill officials are designated employees who are responsible for preparation of payments of the employees. The bill clerk prepares the payments for the employees of only those Bill Units for which he/she is authorised. Such authorisation is granted by Administrator of the respective Accounting Unit. Payments of few departments (such as Accounts & RPF) is prepared by bill clerks of their departments and for other departments (Personnel, Mechanical, Electrical, S&T etc.), it is prepared by Bill Clerks of Personnel department. The functional role of bill clerks are as under:
  - i. Entry of change data, Salary preparation and forwarding the salary details to Accounts for passing.
  - ii. Preparation of DA Arrear
  - iii. Preparation of Travelling Allowance/Contingency payments and its inclusion in Regular Salary Bill iv.Preparation of other establishment bills viz. Bonus, Cash Compensation, Child

Education and forwarding it to Accounts for payments through Supplementary Bill

- v.Deduction of Income Tax from Salary as per Income Tax rules and distribution of Form 16 to the employees.
- i. Inclusion of Non-Interest Bearing Advances (e.g. Festival Advance) in the salary and subsequently its recovery from monthly salary.
- j. Preparation of PF withdrawal (Temporary & Final both) and forwarding it to Accounts for Passing
- k. Calculation of Average Pay and forwarding it along with other details to Accounts Department.
- I. Calculation of Incentive in case of for workshop employees.
- 3. Loan Bill :- An official responsible for preparation of Interest Bearing Loans and Advances Bills such as House Building, Car, Motor cycle/Scooter, Computer etc.
- 4. Society Loan: A person responsible for ensuring proper recovery of Society Loans of employees in the Accounting Unit. They can start recovery, stop recovery, port recovery data of society loan.
- 5. CUG :- An S&T official responsible for recovery of CUG call charges beyond ceiling of each employee. The official can make entry through screen or can port the data in the system through user friendly screens. He is also responsible for maintaining CUG numbers allotment so that recovery is made from the concerned employees.

- 6. Supplementary:- Normally Supplementary bills are prepared by Pay Bill Officials. However, in some cases these are also prepared by other officials to reimburse the Medical Expenses, Staff Benefit Fund etc.
- 7. Settlement:- An official responsible for preparation of Settlement Bills (viz. GIS, Leave Salary Bill) of retiring employees.
- 8. Quarter:- An official of Engineering department to maintain records of Quarters of Railways. He is responsible for recovery of various monthly charges(rent, Geyser, Lawn, Fan, Cooler etc.) from the salary of the persons occupying Railway quarter.
- 9. Electricity:- An official of Electrical Department who is responsible for recovery of Electricity Charges (Fixed Cost & Electricity Consumption charges) based on the rates fixed by respective Electricity Boards time to time.
- 10. Bill Registering Official :-

In units following system of Centralised Bill Registration, a separate official is assigned for this work. All Bills submitted by Personnel department online or deposited directly by contractors/suppliers are registered centralized in each Accounting Unit by assigning CO6 Number.

11. Bill Preparing Official:-

In units following system of Decentralized Bill Registration, staff of AA level registers the bill by assigning CO6 Number. After Registration, Internal Check of the bill is performed at 3 levels. At level 1, it is done by AA, at 2<sup>nd</sup> level it is verified by Supervisor (SO/Sr. SO) and at 3<sup>rd</sup> level, it is passed by concerned Gazetted Officer (AFA/Sr. AFA). Similarly, CO7 of bills is also performed at 3 levels. At level 1, CO7 is prepared by AA, at 2<sup>nd</sup> level it is verified by Supervisor (SO/Sr. SO) and at 3<sup>rd</sup> level, it is at 3<sup>rd</sup> level, it is confirmed and forwarded to Books Section by concerned Gazetted Officer (AFA/Sr. AFA) for preparation of Cheques.

- 12. Bill Verification Official: As described above, Bill Passing officials perform Verification of Bills during Internal Check (Level 2) of the bill. They also perform verification of CO7. Each Bill Verification official is authorised for performing the aforesaid activities for the sections for which he is authorised. Authorisation of Sections is granted/revoked/changed by Administrator of the Accounts department in concerned Accounting Unit.
- 13. Bill Passing Official :- Bill Passing officials are responsible for Passing of Bills (Level 3). He is also responsible for confirmation of CO7 to forward the bills to Cheque Section for Printing of Cheques. Each Bill Passing Official is authorised for performing the aforesaid activities for the sections for which he is authorised. Authorisation of Sections is granted/revoked/changed by Administrator of the Accounts department in concerned Accounting Unit.
- 14. Cheque Writer :- Cheque writer is a designated employee of Accounts department who prepares Abstract and print cheques for entire accounting unit.

15. Books User :- AFA/Books or his nominated officials are responsible for following functional activities:-

i.JV preparation ii.Confirmation of Journal Voucher (JV) prepared by all sections iii. Interfacing (Uploading of JV) with e-Recon iv.Preparation of various reports such as Trial Balance, Ledger, Journal etc.
v.Account Current (Approximate and Actual) and associated schedule reports

- PF User:- Accounts official of PF Section for Passing of Provident Fund withdrawal (Temporary & Final both) Bills, Posting of CO7 and its confirmation. He is also responsible for interest calculation and maintenance of Ledger.
- 17. Pension User: Accounts official of Pension Section for verification/correction of Employee Details and Pension calculation. He allots PPO number and generates PPO for sending it to Bank. He is also responsible for passing of Settlement Bills, Posting of CO7 number for such passed bills and confirmation of CO7.
- 18. Cheque Reconciliation Official :- An official responsible for Cheque Reconciliation. The cheques as issued through IPAS are stored in Database. The scroll data as received from Banks is either entered or imported in the system to generate exception reports.
- 19. RIB Reconciliation Official:- An official responsible for RIB Reconciliation. The instruments (Cash/Cheque/Draft) as deposited in the banks through Treasury Remittance (TR) Notes are stored in Database. The scroll data as received from Banks is either entered or imported in the system to generate exception reports.
- 20. Cashier (MCR):- An official responsible for Issuing of Miscellaneous Cash Receipt (MCR) against received Cash/Cheque/Draft. In case of Cheques, he issues Transit Number only. MCR is issued only after realization of cheques.
- 21. Chief Cashier (Pay):- Chief Cashier is responsible for the payments through Cashiers under him. He receives abstract for Payments from Books Section, Assigns PMR No and Distributes PMRs among Cashiers for further payments as per advice of Books.
- 22. Cashier: Cashiers of Cash & Pay office are responsible for distributing payments to the employees and outside parties. Cash payment is done directly to the employees/parties whereas Cheques are given in person or may be sent through dispatch.
- 23. Shroff:- Shroff is an official in Cash Office who manages the Earning received from Stations. Instruments (Cash, Cheques, Drafts), Vouchers (e.g. Military Warrants etc.) and TR (Treasury Remittance) Note along with Cash Remittance Note (CRN) is received by Shroff in bags from stations. Shroff matches the instruments received with the details given in CRN. Shroff is also responsible for remitting these instruments and cash in Specified Banks.

- 24. CR Note Auditor :- An official of Traffic Accounts department who is responsible for auditing of Cash Remittance Note (CRN). This is verified against Balance Sheets of the stations as received in Traffic Accounts department.
- 25. PHOD:-Principal Head of Departments (PHODs) in Zonal Headquarter prepares Budget Estimates for their department and send it to AFA/Budget of Zonal Headquarter for Consolidation.
- 26. AA (Revenue)/Budget:- AA(R)/Budget is responsible for preparation of Budget Estimates, Budget Proportion at Headquarter. Each AA is assigned one or more demands for entry of Budget Estimate/Proportionate Data.
- 27. SSO (Revenue) Budget:- SSO (R)/Budget is responsible for preparation of Budget Estimates and distribution of Budget Grant. AFA/Budget in units prepares the Budget Estimates for his units and sends it to Headquarter for consolidation. Estimates received from Each accounting units and each department of Headquarter are consolidated, modified and sent to Board for projecting the estimates of the Zonal Railway.
- 28. AA (Capital)/Budget:- AA(C)/Budget is responsible for preparation of Capital Budget Estimates at Headquarter.
- 29. SSO (Capital) Budget:- SSO (Capital)/Budget is responsible for preparation of Budget Estimates and distribution of Budget Grant. AFA/Budget in units prepares the Budget Estimates for his units and sends it to Headquarter for consolidation. Estimates received from Each accounting units and each department of Headquarter are consolidated, modified and sent to Board for projecting the estimates of the Zonal Railway.
- 30. SSO (Works):- SSO (Works)/Budget is responsible for preparation of Budget Estimates and distribution of Budget Grant for all the works under Demand 16.
- 31. Exchequer :- An official who controls Exchequer of the Accounting Unit. The cheques are issued by the units within the ceiling (known as Cash Authorisation) as decided by Excheque control authority every month.
- 32. Suspense User: AFA/Suspense maintains Suspense of their accounting unit. One official handles one or more suspense heads. He also reconciles the suspense Transactions and Financial Transactions for each month.
- 33. e-Suspense User: AFA/e-Suspense maintains Suspense (Establishment) of their accounting unit. One official handles one or more e-suspense heads. He also reconciles the e-suspense Transactions and Financial Transactions for each month.
- 34. Management :- Railway Management can view all the standard reports generated by the system. He can analyse the data and generate statistics available in IPAS. However, access of the data is permitted to his/her jurisdiction only. An official of management level at Zonal

Headquarter can view the data of entire Railway whereas other accounting units can access the data pertaining to their accounting unit only. Users of Railway Board will be able to see/analyse the data of all Indian Railways whenever IPAS is implemented in all the Zonal Railways.

35. Administrator :- Railway has to nominate an administrator in each of the Accounting Units including Headquarter. The loginids for such administrators have been created as admin<divisioncode> such as 'adminjp', 'adminju', 'adminbkn', 'adminaii', 'adminhqr', 'adminjuws', 'adminbknws', 'adminaiiws','adminjpcon' etc.

Zonal Administrator accounts for entire Railway has also been created. Zonal Administrator will manage the Administrator accounts of all the units. Loginid of Zonal Administrator has been created as admin<rly> such as 'adminnwr'.

In addition, Administrator accounts have been created for IT Centre personnel also. The functional role of Administrators have been detailed in chapter "Administration of IPAS".

#### **Chapter 8: Administration of IPAS**

Railway has to nominate administrators in each of the Accounting Units including Headquarter. The loginids for such administrators has been created as admin<divisioncode> such as 'adminljn', 'adminnerhq', 'adminbsb' etc.

One Zonal Administrator for entire Railway has been created by CRIS and the same may be used by nominated officer of the Zone. Zonal Administrator will manage the Administrator accounts of all the units. CRIS will create loginid of Zonal Administrator as admin<rly> such as 'adminner'.

Addition to above, Administrator Logins for IT Centre Staff (Zones & units both) and Personal/Accounts department (in each Accounting unit) has also been created. The same may be activated by Zonal Administrator/Unit Administrators by updating their employee number and mobile numbers. The summary of the administrative users is as under:-

ACTIVITY	ZOI	NAL	UNIT / DIVISION			
	Administrator	IT Centre Administrator	Administrator	IT Centre Administrator	Personnel Administrator	Accounts Administrator
Admin Level	2	3	4	5	6	7
Maximum No. of Login IDs	1	6	1	2	4	2
Login ID Sample	ADMINER	ADMINER01, ADMINER02,	ADMINMLDT	ADMINMLDT01, ADMINMLDT02	ADMINMLDTP01, ADMINMLDTP02,	ADMINMLDTA01, ADMINMLDTA02
Purpose	For IPAS implementation head (CIO/NWR, SR EDPM/NER, SMIT/ER	Persons working on behalf of IPAS implementation head	For IPAS implementation head in units (Sr. DFM)	Persons working on behalf of Administrator	For Payroll related Modules	For Accounts related modules
Login ID Activator	CRIS (Admin Level 1)	ADMINER (Admin Level 2)	ADMINER (Admin Level 2)	ADMINMLDT (Admin Level 4)	ADMINMLDT (Admin Level 4)	ADMINMLDT (Admin Level 4)
User Management						
Permission of Bill Units						
Change of Section						
Bill Return						
Transfer In						
Bank Master						
Admin Activation						
Employee Data Update						
Employee No. Update						
Treasury Change / Paymode						
Change in Allocation						
CO7 Unconfirm (Return from Books)						
Extraction of data through Oracle SQL						

#### Cheque Reconciliation

Cheque Reconciliation process is used to compare credit and debit side of Cheques to ensure figures are in agreement and accurate. Credit side entry in the system comes from cheque issued through the Books module of IPAS.

To start implementation of cheque reconciliation modules, the data of all the outstanding cheques issued prior to implementation of Books module is required to be ported into the system. The format of the cheque details is as under :

COLUMN	PURPOSE
CHEQUENO	Cheque Number
CHEQUE DATE	Cheque Issuing Date
CHEQUEAMOUNT	Cheque Amount
TREASURY	Treasury of Issued Cheque
UNIT	Accounting Unit

The data needs to be provided in Microsoft Excel format.

#### **RIB** Reconciliation

Off days (Bank Holiday) Master to be provided, which is used for Penal interest calculation. Penal Interest rules to be provided.

#### Cash & Pay

The purpose of this module is to capture earning of railway from miscellaneous and station earning.

This module is divided in two parts.

MCR (Miscellaneous Cash Receipt) for Miscellaneous Earning CRN

(Cash Remittance Note) for Station Earning

#### Pre-requisite:

To start the implementation of these modules, the following data needs to be provided:-

i) List of Locations where shroff offices are situated and its accountal is captured with which Accounting unit

ii) Opening Balance on a particular date

iii) List of Stations (Station Code, Station Name, Section Code) from which CRN are received to the cash office

iv) Station wise Bank Details (Station Code, Bank Name, Bank IFSC) if the Cash/cheque is remitted in the bank by stations.

- v) Details of Shroffs (Emp No, Name, Mobile No, Accounting Unit) working in the cash office
- vi) Details of Cashiers (Emp No, Name, Mobile No, Accounting Unit, Cashier Type) working in the Pay office. Following codes should be indicated in cashier type for cashiers dealing with the type of cheques
  - NRB -> if cashier deals with only Non Railway Body Cheques
  - RB -> if cashier deals with only Railway Body Cheques
  - ALL-> if cashier deals with both the types of cheques

#### e-Suspense

The objective of E-Suspense is to maintain e-suspense ledgers for each employee. Debits are made when a loan is drawn and credits are made through deductions of Installments through salary. An employee can credit to suspense allocation through MCR also.

The opening balance for a particular month will be generated by the system and the same can be verified by the staff dealing with the suspense allocation.

Debits and Credits will continue to be posted in e-suspense ledger automatically. It can be run as a trial/parallel run till 1 month after live run of Payroll and Loans/Advances Modules before it is made live.

If Interest calculation is to be performed by the system, then all the transactions are required to be posted/ported. The format of the transaction is as under:

Employee Number* Accounting Unit*	(AU through which amount was recovered or loan was paid)			
Allocation*				
ED Code	(Earning/Deduction Code e.g. RA001)			
Financial Year	(e.g. 2012-2013)			
Transaction Date*	(Abstract Date)			
Transaction Mode	(CO7, MCR or JV)			
Debit/Credit*	(Debit or Credit)			
Amount*				
Reference Number (specific CO7 Number/MCR No./JV No) Reference Date (specific CO7 Date/MCR Date./JV Date)				

\* Denotes mandatory

#### **G-Suspense**

To start the implementation of this module, List of General Suspense Allocation needs to be provided. The posting under each suspense allocation will be made by the concerned staff online.

#### **Budget**

Budget Grant should be ready to start implementation of Budget Module.

# CHAPTER 10 CONCLUSION

At the end, I got to know about the functioning of Indian Railways Accounts and Finances.IPAS was implemented to provide real time access to financial transaction data in addition to bringing financial and fiscal discipline.

The integrity, completeness and consistency of data in IPAS plays a pivotal role in generating several Management Information System (MIS) reports for decision making.

1. Sr. Divisional Financial Manager/ Asansol

2. Assistant Divisional Financial Manager/ Asansol

# Bibliography

# Website: -

- https://aims.indianrailways.gov.in/
- https://en.m.wikipedia.org/wiki/Indian Railways



# **PROJECT SYNOPSIS**:

#### Introduction:

A student report card management system is a software tool designed to streamline the process of generating, storing, and managing academic report cards. It automates tasks such as inputting grades, calculating averages, and generating printable report cards, making the process more efficient for schools and educational institutions. This system typically includes features like grade entry, report generation, student record management, and sometimes even analytics to track student performance over time. Overall, it aims to simplify administrative tasks related to student assessment and reporting.

#### <u>NEED OF THE PROJECT STUDENT REPORT CARD</u> <u>MANAGEMENT SYSTEM</u> :

The need for a student report card management system arises from the inefficiencies of manual report card generation and management processes. These systems streamline tasks such as grade entry, calculation, and report generation, reducing human error and saving time for teachers and administrators. Additionally, they provide a centralized platform for storing and accessing student records, facilitating better organization and data management. Ultimately, the project addresses the need for efficiency, accuracy, and improved administration in educational institutions.

### How the project should works :

The student report card management system works by digitizing the process of creating, storing, and managing academic report cards. Here's a brief overview of how it functions:

1. **Data Input\*\*:** Teachers input student grades and other relevant academic information into the system through an intuitive interface.

2. *Calculation\*\**: The system automatically calculates averages, generates grades, and computes other necessary metrics based on the input data.

3. **\*\*Report Generation\*\*:** Once all data is entered, the system generates report cards for each student, typically in a printable format. These report cards can include grades, attendance records, comments, and other relevant information.

4. **\*\*Storage and Access \*\*:** The generated report cards are stored securely within the system, allowing authorized users such as administrators, teachers, and parents to access them as needed.

5. **\*\*Analytics (Optional)\*\*:** Some systems offer analytics features, allowing users to analyse student performance trends, identify areas for improvement, and track progress over time.

#### Services this project can provide :

In a student report card management system, the following services are typically provided:

**<u>1.</u> \*\*Grade Entry**\*\*: Teachers can input student grades and other academic data.

**2. \*\*Calculation \*\***: Automated calculation of averages, grades, and other metrics based on the entered data.

**<u>3. \*\*Report Generation \*\*:</u>** Generation of printable report cards for each student.

**4. \*\*Student Record Management\*\*:** Storage and organization of student academic records.

**5.** \*\*Access Control\*\*: Authorization mechanisms to control who can view and edit student data.

**7. \*\*Communication \*\***: Integration with communication channels for sending report cards to parents or guardians.

### Nature of the project:

The nature of the project student report card management system can be appbased, web- based. or utilize other platform depending on the specific requirements and preferences of the educational institute.

#### Software used to development :

JAVA for backend.

HTML for frontend.

#### **DEVELOPERS OS:**

WINDOWS 10,11

#### USERS OS:

WINDOWS 10

### STUDENT REPORT CARD MANAGEMENT SYSTEM:

#### **INTRODUCTION:**

The student report card management app is an innovative solution designed to streamline the process of managing academic records in educational institutions. With the increasing complexity of educational systems and the growing emphasis on data-driven decision-making, there's a pressing need for efficient tools to manage student performance data effectively. This app aims to address these challenges by providing a user-friendly platform for teachers, administrators, students, and parents to access and manage academic information securely.

By leveraging modern technologies such as web and mobile applications, cloud computing, and database management systems, the student report card management app offers a comprehensive set of features to meet the diverse needs of educational stakeholders. From grade entry and calculation to report generation and analytics, the app provides a seamless experience for managing student academic records.

**<u>1. \*\*User Authentication and Authorization \*\*</u>:** Secure login mechanisms ensure that only authorized users can access sensitive student information.

**2. \*\*Student Information Management\*\*:** Easily add, update, and delete student profiles, including basic information such as name, class, and contact details.

**<u>3.</u>** \*\*Grade Entry and Calculation \*\*: Teachers can input grades for various subjects, with the app automatically calculating averages and generating overall grades.

**<u>4.</u> \*\*Report Generation \*\*:** Generate printable report cards for each student, customizable to include grades, attendance records, and teacher comments.

**<u>5.</u> \*\*Communication\*\*:** Integration with communication channels enables seamless communication between teachers, students, and parents, with notifications for new report cards or updates.

#### **OBJECTIVES:**

The objective of the student report card management project is to create a comprehensive and efficient system for managing academic records in educational institutions. The primary goals of this project include:

**1. \*\*Streamlining Administrative Tasks\*\*:** Simplify and automate the process of generating, storing, and managing student report cards. By digitizing these tasks, the project aims to reduce administrative workload and increase efficiency.

**2. \*\*Enhancing Accuracy and Consistency**\*\*: Minimize errors and inconsistencies in grading and reporting by automating calculations and standardizing report card formats. This ensures that academic information is accurate and reliable.

**3. \*\*Improving Accessibility and Communication \*\*:** Provide easy access to student academic records for teachers, administrators, students, and parents. Facilitate communication between stakeholders by enabling\_timely notifications and updates regarding academic progress.

**4. \*\*Enabling Data-Driven Decision-Making\*\*:** Empower educators and administrators with insights into student performance trends and patterns. By

analysing academic data, the project aims to identify areas for improvement and tailor educational interventions to meet student needs effectively.

**5. \*\*Ensuring Data Security and Privacy\*\*:** Implement robust security measures to safeguard sensitive student information and comply with data protection regulations. Protecting the confidentiality and integrity of academic records is a paramount objective of the project.

#### 6. \*\*Promoting Transparency and Accountability\*\*: Foster

transparency in the assessment and reporting process by providing stakeholders with clear visibility into grading criteria and academic outcomes. Enhance accountability by tracking changes and ensuring audit trails for all actions performed within the system.

Overall, the objective of the student report card management project is to modernize and optimize the management of academic records, ultimately contributing to improved educational outcomes and a more efficient learning environment.

# SCOPE:

The scope of the student report card management project includes developing a user-friendly system for automating grade management, report generation, user authentication, student information management, communication integration, analytics, data security, scalability, usability, and documentation/training.

#### **BENEFITS OF THIS PROJECT:**

The benefits of the student report card management project include:

**1. \*\*Efficiency\*\*:** Streamlining administrative tasks, reducing manual effort, and saving time in generating and managing report cards.

#### 2. \*\*Accuracy\*\*:

Minimizing errors and inconsistencies in grading and reporting through automated calculations and standardized processes.

#### 3. \*\*Accessibility\*\*:

Providing easy access to student academic records for teachers, administrators, students, and parents, enhancing transparency and communication.

#### 5. \*\*Security\*\*:

Safeguarding sensitive student information and ensuring compliance with data protection regulations, enhancing data security and privacy.

#### 6. \*\*Transparency\*\*:

Promoting transparency in the assessment and reporting process, fostering accountability and trust among stakeholders.

#### 7. \*\*Scalability\*\*:

Designing the system to accommodate future growth and changes in requirements, ensuring scalability and flexibility.

#### 8. \*\*Usability\*\*:

Prioritizing user-friendly interfaces and intuitive navigation, enhancing usability for all stakeholders.

#### 9. \*\*Productivity\*\*:

Increasing productivity by automating repetitive tasks and enabling efficient collaboration among educators and administrators.

#### 10. \*\*Improved Educational Outcomes\*\*:

Ultimately contributing to improved educational outcomes by providing educators with the tools and insights needed to support student success.

# CATEGORY OF THE PROJECT:

The Student Report Card Management System project falls under the category of educational technology or educational software. It's a system designed to efficiently manage and organize student academic data, including grades, attendance, and other related information. This type of project aims to streamline administrative tasks for educators and provide insights into student performance for parents and school administrators.

The Student Report Card Management System is typically designed as a multiuser system. Designing the Student Report Card Management System as a webbased application offers several advantages:

**<u>1.</u>** \*\***Accessibility**\*\*: Web-based applications can be accessed from any device with an internet connection, making it convenient for teachers, students, and parents to access the system from anywhere, anytime.

**2. \*\*Scalability\*\*:** Web-based applications can easily scale to accommodate a growing number of users and data. As the number of students and faculty members increases, the system can expand without significant changes to the infrastructure.

**3. \*\*Cross-platform Compatibility\*\*:** Since web applications run in a web browser, they are compatible with various operating systems and devices, including desktop computers, laptops, tablets, and smartphones.

**4. \*\*Centralized Data Management\*\*:** Web-based applications allow for centralized data storage and management, ensuring that all users have access to the most up-to-date information.

**5. \*\*Easy Updates and Maintenance \*\*:** Updates and maintenance can be performed centrally, without requiring users to download or install anything locally. This ensures that all users are using the latest version of the application.

**<u>6.</u> \*\*Collaboration\*\*:** Web-based applications facilitate collaboration among users by allowing them to share information and communicate within the system.

Overall designing the Student Report Card Management System as a web-based application provides flexibility, accessibility, and ease of use for all stakeholders involved in the education process.

#### BACKGROUND:

Here's an overview of the theoretical background and architectural considerations for a Student Report Card Management System project:

#### Theoretical Background:

**1. \*\*Educational Administration \*\*:** Understanding the administrative processes within educational institutions, including grading policies, attendance tracking, and student record management.

**2. \*\*Data Management\*\*:** Principles of database design and management, including data normalization, indexing, and relational database management systems (RDBMS).

**3. \*\*Information Systems Theory\*\*:** Concepts related to the collection, storage, processing, and dissemination of information within an organization.

**4. \*\*User Experience (UX) Design \*\*:** Designing interfaces and interactions that are intuitive, user-friendly, and accessible for teachers, students, parents, and administrators.

**5. \*\*Security and Privacy\*\*:** Ensuring the security and privacy of sensitive student data through authentication mechanisms, encryption, access controls, and compliance with relevant regulations (e.g., FERPA).

**6. \*\*Software Engineering \*\*:** Principles of software development methodologies, such as agile or iterative development, to manage the project lifecycle effectively.

#### Architecture of the Software:

**<u>1.</u>** \*\*Client-Server Architecture \*\*: The system likely follows a client-server architecture, where clients (web browsers or mobile apps) interact with a central server to access and manipulate data.

**2. \*\*Three-Tier Architecture \*\*:** Dividing the application into three layers: presentation (user interface), application logic (business rules and processing), and data storage (database management). This separation of concerns enhances scalability and maintainability.

**3. \*\*Web-Based Technology Stack \*\*:** Utilizing technologies such as HTML, CSS, JavaScript for the frontend, and server-side scripting languages (e.g., PHP, Python, Node.js) for the backend. Frameworks like React.js or AngularJS may be used for frontend development, while frameworks like Django or Laravel could be employed for backend development.

**4. \*\*Database Management System (DBMS)\*\*:** Selecting an appropriate DBMS (e.g., MySQL, PostgreSQL, MongoDB) to store and manage student data securely. The choice depends on factors such as scalability, data structure, and ACID compliance.

**5. \*\*RESTful API\*\*:** Implementing a RESTful API to enable communication between the frontend and backend components. This allows for seamless integration with different client applications and platforms.

**6. \*\*Scalability and Performance\*\*:** Designing the system to handle a large number of concurrent users and data transactions efficiently. This may involve techniques such as load balancing, caching, and database optimization.

**7. \*\*Security Measures\*\*:** Incorporating security best practices, including encryption for data transmission, secure authentication mechanisms (e.g., OAuth, JWT), input validation, and protection against common web vulnerabilities (e.g., XSS, CSRF).

By incorporating these theoretical concepts and architectural considerations, the Student Report Card Management System can be developed as a robust, scalable, and secure solution to meet the needs of educational institutions, teachers, students, and parents.

# \*\*Problem Statement:\*\*

Here's a clear definition of the problem that the Student Report Card Management System aims to address

In traditional educational institutions, managing student academic records, including grades, attendance, and other related information, can be a complex and time-consuming task. This manual process often leads to inefficiencies, errors, and delays in accessing important information for teachers, students, parents, and administrators. There is a need for a more streamlined and efficient solution to manage student academic data effectively.

# \*\*Key Challenges:\*\*

**1. \*\*Data Disorganization \*\*:** Student academic data is often scattered across various documents and systems, making it difficult to access and update in a timely manner.

**2. \*\*Inconsistent Reporting\*\*:** Manual grading processes can result in inconsistencies in how grades are recorded and reported, leading to confusion and inaccuracies.

**3.** \*\*Limited Accessibility \*\*: Paper-based or localized systems restrict access to student information, making it challenging for stakeholders to access data when needed, especially outside of school premises.

**4. \*\*Communication Gap\*\*:** Lack of a centralized platform for communication and collaboration between teachers, students, parents, and administrators hinders effective communication regarding student progress and performance.

**5. \*\*Security Risks\*\*:** Paper-based systems pose security risks, as sensitive student data can be lost, stolen, or accessed by unauthorized individuals. Additionally, digital systems may lack adequate security measures to protect against data breaches and cyber threats.

The Student Report Card Management System aims to address these challenges by providing a centralized, secure, and user-friendly platform for managing student academic records. The system will streamline the process of recording, organizing, and accessing student data, while also facilitating communication and collaboration among stakeholders. Key objectives include:

- Centralizing student academic data in a secure digital platform.

- Automating grading processes to ensure accuracy and consistency.

- Improving accessibility to student information for teachers, students, parents, and administrators.

- Enhancing communication and collaboration through features such as messaging and notifications.

- Implementing robust security measures to protect sensitive student data from unauthorized access and breaches.

By developing and implementing the Student Report Card Management System, educational institutions can overcome the limitations of traditional paper-based

or localized systems, leading to improved efficiency, transparency, and communication in managing student academic records.

#### SYSTEM REQUIREMENT SPECIFICATION:

Here's a System Requirements Specification (SRS) outline for the Student Report Card Management System:

#### 1. Introduction

# 1.1 Purpose:

The purpose of this document is to define the requirements for the development of the Student Report Card Management System, an online platform to manage student academic records efficiently.

# **1.2 Scope:**

The system will include features for managing student grades, attendance, personal information, and communication between teachers, students, parents, and administrators.

# 1.3 Definitions, Acronyms, and Abbreviations:

- SRS: System Requirements Specification

- RDBMS: Relational Database Management System
- API: Application Programming Interface

# 2. System Overview

# 2.1 System Description:

The Student Report Card Management System is a web-based application that allows users to manage student academic records securely and efficiently.

### 2.2 System Architecture:

The system will follow a three-tier architecture, with a frontend interface, backend application logic, and a relational database management system for data storage.

# **3. Functional Requirements**

#### 3.1 User Management:

- \*\*Registration \*\*: Users can register with the system as teachers,

students, parents, or administrators.

- \*\*Authentication \*\*: Users can log in securely using their gradentials

credentials.

# 3.2 Student Management:

- \*\*Add/Edit/Delete Students \*\*: Administrators can add, edit,

and delete student profiles, including personal information and contact details.

- \*\*View Student Profiles \*\*: Users can view student profiles to access academic records and other relevant information.

# 3.3 Grade Management:

- \*\*Enter Grades \*\*: Teachers can enter and update student grades for various subjects and assessments.

- \*\*Grade Calculation \*\*: The system will calculate overall grades based on weighted scores and grading criteria specified by teachers.

#### 3.4 Attendance Management:

- \*\*Record Attendance \*\*: Teachers can record student attendance for classes and other activities.

- \*\*View Attendance Reports reports for individual students and classes.

### 3.5 Communication:

- **\*\*Messaging**\*\*: Users can send and receive messages within the system to communicate with teachers, students, and parents.

- \*\*Notifications \*\*: Users receive notifications for important events such as grade updates, attendance records, and messages.

# 4. Non-Functional Requirements:

# 4.1 Performance:

- \*\*Response Time\*\*: The system should respond to user actions

within 2 seconds

- \*\*Scalability \*\*: The system should accommodate a minimum of 1000 concurrent users.

# 4.2 Security:

- \*\*Authentication \*\*: User authentication should be secure, utilizing encryption and strong password hashing techniques.

- \*\*Data Encryption \*\*: Sensitive data, such as grades and personal information, should be encrypted to prevent unauthorized access.

- \*\*Access Control\*\*: Role-based access control should be implemented to restrict access to sensitive features and data.

# 4.3 Usability:

- \*\*User Interface \*\*: The user interface should be intuitive and easy to navigate for users of all technical levels.

- \*\*Accessibility \*\*: The system should be accessible to users with disabilities, adhering to WCAG guidelines.

# 5. System Constraints

#### 5.1 Technology Constraints:

- \*\*Web-Based\*\*: The system must be accessible via web browsers on desktop and mobile devices.

- \*\*Frameworks \*\*: The system will be developed using HTML, CSS, JavaScript for the frontend, and a backend framework such as Django or Laravel.

# 5.2 Compliance:

- \*\*Regulatory Compliance \*\*: The system must comply with relevant regulations such as FERPA for handling student data.

#### SYSTEM PLANNING:

### **GANTT CHART:**

A Gantt chart is a visual representation of a project schedule that shows the start and finish dates of various elements of the project. Here's how we can create a Gantt chart for the Student Report Card Management System project:

Activity	Start Date   Duration (days)   End Date		
Initiate Project	2024-04-15   5	2024-04-19	
Gather Requirements	2024-04-20   10	2024-04-30	
Design System	2024-05-01   15	2024-05-15	
Develop Frontend	2024-05-16   20	2024-06-04	
Develop Backend	2024-05-23   20	2024-06-11	
Set up Database	2024-06-05   10	2024-06-15	
Testing	2024-06-12   15	2024-06-26	
Deployment	2024-06-27   5	2024-07-01	
Maintenance & Support	2024-07-02  5	2024_07-07	

Here's a detailed project plan represented by a Gantt chart:

- 1. *Initiate Project*: Define project scope, objectives, and stakeholders.
- 2. *Gather Requirements*: Collect and document system requirements from stakeholders.
- 3. **Design System**: Create system architecture, wireframes, and database schema.
- 4. **Develop Frontend**: Implement frontend interfaces using HTML, CSS, and JavaScript.
- 5. **Develop Backend:** Develop backend application logic using a chosen framework.

- 6. **Set up Database**: Create and configure the database, implement data models.
- 7. **Testing:** Conduct unit testing, integration testing, and user acceptance testing.
- 8. **Deployment**: Prepare deployment environment and deploy the system to production.
- 9. *Maintenance & Support*: Provide ongoing maintenance and support for the system.

#### **METHODLOGY:**

For the implementation of the Student Report Card Management System project, the Agile methodology can be adopted. Agile is well-suited for software development projects that require flexibility, collaboration, and incremental delivery. Here's how Agile can be applied to the system implementation:

# Agile Methodology for System Implementation:

#### 1. \*\*Sprint Planning\*\*:

Prioritize tasks based on their importance and dependencies. Select a subset of tasks to be completed during each sprint, typically last Break down the project into smaller, manageable tasks or user stories. in 1-4 weeks.

#### 2. \*\*Daily Stand-up Meetings\*\*:

Conduct daily stand-up meetings to discuss progress, challenges, and plans for the day. Each team member provides updates on what they accomplished yesterday, what they plan to do today, and any blockers they are facing.

#### 3. \*\*Iterative Development\*\*:

Implement features in short iterations or sprints, with a focus on

delivering working software at the end of each iteration.

- Gather feedback from stakeholders at the end of each sprint to inform subsequent iterations.
# 4. \*\*Continuous Integration and Testing\*\*:

Integrate code changes frequently to ensure that new features are compatible

with the existing codebase Conduct automated and manual testing throughout

the development process to identify and fix bugs early.

# 5. \*\*Collaboration and Communication\*\*:

Foster collaboration among team members, stakeholders, and end-users throughout the project.Maintain open communication channels to address issues, gather feedback, and make decisions collaboratively.

# 6. \*\*Adaptability and Flexibility\*\*:

Embrace changes to requirements and priorities as they arise, responding quickly to feedback and evolving needs. Continuously improve processes and practices based on lessons learned from each sprint.

# 7. \*\*Product Increment\*\*:

At the end of each sprint, deliver a potentially shippable product increment that adds value to the system. Review and prioritize the backlog based on feedback and changing priorities to determine the scope of the next sprint.

# Benefits of Agile Methodology:

**- \*\*Flexibility\*\*:** Agile allows for changes to be accommodated throughout the project, enabling the system to adapt to evolving requirements and feedback.

**- \*\*Transparency\*\*:** Regular meetings and progress updates provide transparency into the project's status and allow stakeholders to track progress.

- \*\*Customer Satisfaction \*\*: Continuous delivery of working software and frequent feedback cycles ensure that the system meets the needs and expectations of stakeholders.

- \*\*Risk Mitigation \*\*: By delivering functionality incrementally, risks associated with large-scale deployment are reduced, and issues can be identified and addressed early in the development process.

By adopting Agile methodology for system implementation, the Student Report Card Management System project can achieve efficient development, effective collaboration, and successful delivery of a highquality product that meets the needs of users and stakeholders.

# HARDWARE AND SOFTWARE REQUIRMENTS:

using Java for the development of the Student Report Card Management System project, here are the details of the hardware and software you'll typically need:

### • Hardware:

#### 1. \*\*Development Machine\*\*:

- A modern computer with sufficient processing power, RAM, and storage capacity to support Java development tasks efficiently.

- Specifications may vary based on individual preferences, but typically a multi-core processor, 8GB or more of RAM, and SSD storage are recommended.

### 2. \*\*Server\*\* (for deployment):

- A server for hosting the web application in a production environment.

- Specifications depend on factors such as expected traffic, concurrent users, and scalability requirements.

- Cloud-based solutions such as AWS EC2, Google Cloud Compute Engine, or Azure Virtual Machines can be used.

### 3. \*\*Database Server\*\*:

- A separate server or database instance to host the database management system (DBMS).

- The choice of database server depends on the selected DBMS (e.g., MySQL, PostgreSQL).

#### • SOFTWARE:

**1. \*\*Integrated Development Environment (IDE)\*\*:** - Use an IDE for Java development that provides features like code editing, debugging, and project management.

- Popular choices include IntelliJ IDEA, Eclipse, and NetBeans.

### 2. \*\*Java Development Kit (JDK)\*\*:

- Install the JDK, which includes the Java compiler (javac), runtime environment (JRE), and other tools necessary for Java development.

- Ensure that you have the appropriate JDK version for your project (e.g., JDK 11, JDK 15).

### 3. \*\*Java Frameworks\*\*:

Choose Java frameworks or libraries to build the backend of your application.
 Frameworks like Spring Boot, Jakarta EE (formerly Java EE), or Apache Struts can be used for building web applications.

### 4. \*\*Database Management System (DBMS)\*\*:

- Choose a DBMS for storing and managing student data.

- Java provides database connectivity through JDBC (Java Database Connectivity), allowing you to interact with databases such as MySQL, PostgreSQL, Oracle, or SQLite.

#### 5. \*\*Web Server\*\*:

- Use a web server software for hosting the Java web application.

- Apache Tomcat is a popular choice for deploying Java web applications, but other options like Jetty or WildFly (formerly JBoss) can also be considered.

### 6. \*\*Testing Tools\*\*:

- Utilize testing frameworks and libraries for automated testing of Java components.

- JUnit is a widely used framework for unit testing Java code, while tools like Selenium can be used for automated testing of web applications.

### 7. \*\*Build Tools\*\*:

- Use build tools to automate the compilation, packaging, and deployment of Java applications. Apache Maven and Gradle are popular build automation tools for Java projects.

#### • Development Environment Setup:

Set up your development environment by installing the necessary software components on your development machine. Configure your IDE to work with

Java and your chosen frameworks. Use version control (e.g., Git) to manage code changes and collaborate with team members.

- Continuously test and debug your Java application during development to ensure functionality and performance.

By leveraging Java and the appropriate hardware and software components, you can effectively develop the Student Report Card Management System, meeting the project's requirements and objectives.

# JUSTIFICATION OF SOFTWARE:

justification for the choice of software for the front end, back end, and report designer components of the Student Report Card Management System project:

### • Front End:

### \*\*Justification\*\*:

**1. \*\*Ease of Development\*\*:** React.js is a popular JavaScript library for building user interfaces, known for its simplicity and reusability of components. Its component-based architecture allows for efficient development and maintenance of complex UIs.

**2. \*\*Performance\*\*:** React.js utilizes a virtual DOM and efficient rendering algorithms, resulting in fast and responsive user interfaces. This is crucial for an application where users expect real-time updates and interactions.

**<u>3.</u>** \*\*Community Support\*\*: React.js has a large and active community of developers, providing a wealth of resources, tutorials, and third-party libraries to accelerate development and address common challenges.

**4. \*\*Scalability\*\***: React.js is well-suited for scalable applications, enabling developers to build modular and scalable UI components that can be easily extended and reused as the project grows.

• Back End:

### Choice (Java)

### \*\*Justification\*\*:

**<u>1.</u> \*\*Java Ecosystem \*\*:** Java is a widely-used programming language with a mature ecosystem and robust libraries for enterprise application development. Spring Boot, as a Java framework, offers extensive features for building scalable and secure web applications.

2. \*\*Ease of Development\*\*: Spring Boot simplifies the development of Java-based web applications by providing auto-configuration, dependency injection, and out-of-the-box support for common tasks such as database access, security, and RESTful APIs.

3**. \*\*Security \*\*:** Spring Boot offers robust security features, including authentication, authorization, and encryption, which are essential for protecting sensitive student data in the application.

**<u>4.\*\*Integration</u>\*\*:** Spring Boot seamlessly integrates with other technologies commonly used in Java development, such as Hibernate for ORM (Object-Relational Mapping) and Spring Security for authentication and authorization.

### Report Designer:

Justification:

**1. \*\*Feature-Rich**\*\*: Jasper Reports is a powerful open-source reporting tool with comprehensive features for designing, generating, and exporting reports in various formats (e.g., PDF, Excel, HTML).

**2.** \*\*Ease of Use \*\*: Jasper Reports provides a user-friendly graphical interface for designing reports, allowing developers to create complex report layouts with drag-and-drop functionality and WYSIWYG editing.

**<u>3. \*\*Integration \*\*</u>**: Jasper Reports can be easily integrated into Java applications, including Spring Boot, using its Java API. This allows for seamless generation and embedding of reports within the Student Report Card Management System.

**4. \*\*Community Support \*\*:** Jasper Reports has a large community of users and contributors, providing extensive documentation, tutorials, and forums for support and troubleshooting.

### > **Overall Justification**:

The chosen software tools for the front end, back end, and report designer components of the Student Report Card Management System project were selected based on their suitability for the project requirements, ease of development, scalability, security, and community support. By leveraging React.js for the front end, Spring Boot for the back end, and Jasper Reports for report generation, the project can benefit from robust, scalable, and featurerich solutions that meet the needs of users.

### HARDWARE AND SOFTWARE REQUIRMENTS OF USER SIDE:

To run the Student Report Card Management System project at the user end, both hardware and software requirements must be met. Here's an overview of the hardware and software needed:

### Hardware Requirements:

### 1. \*\*Computer\*\*:

- A desktop, laptop, or tablet device with a modern web browser installed.

### 2. \*\*Internet Connection\*\*:

A stable internet connection is required to access the web-based application.

### Software Requirements:

### 1. \*\*Web Browser\*\*:

- The application should be compatible with modern web browsers such as:

- Google Chrome
- Mozilla Firefox
- Safari
- Microsoft Edge
- Opera

### 2. \*\*Operating System\*\*:

The application should be platform-independent and accessible from any operating system, including:

- Windows
- macOS
- Linux

### 3. \*\*Java Runtime Environment (JRE)\*\* (if applicable):

If the project utilizes Java for the front end or back end, the user may need to have the appropriate version of the JRE installed.

### 4. \*\*PDF Viewer\*\*:

To view and print generated reports, users may need a PDF viewer application installed on their device. Most modern web browsers have built-in PDF viewers, but standalone PDF viewer software can also be used.

### > Optional Requirements:

### 1. \*\*Mobile App\*\*:

If the project includes a mobile application component, users may need to download and install the corresponding mobile app from the relevant app store (e.g., Google Play Store for Android, Apple App Store for iOS).

### 2. \*\*Authentication Credentials\*\*:

- Users may need to create an account and log in to access certain features or data within the application. In this case, they will need valid authentication credentials (username and password).

By ensuring that users have the necessary hardware and software requirements, the Student Report Card Management System project can be accessed and utilized effectively, providing a seamless user experience for teachers, students, parents, and administrators.

# SECURITY ISSUES:

Let's delve to deeper into each of these specific areas:

### 1. \*\*Operating System (OS) Level Security\*\*:

- Ensure that the operating system hosting the student report card management system is properly hardened and regularly updated with security patches.

- Implement strong access controls at the OS level to restrict unauthorized access to system files and directories.

- Utilize firewalls and intrusion detection/prevention systems to monitor and control network traffic to and from the system.

### 2. \*\*Database Security\*\*:

Apply the principle of least privilege when configuring database access permissions, granting users only the minimum privileges necessary to perform their tasks.

Encrypt sensitive data stored in the database to prevent unauthorized access in case of a breach.

Implement database auditing to track and monitor access to sensitive data and database activities.

### 3. \*\*Access Permissions\*\*:

Enforce strict access controls within the application to ensure that users can only access data and perform actions that they are authorized to. - Implement role-based access control (RBAC) to manage user permissions effectively, assigning roles based on job responsibilities and privileges.

- Regularly review and update access permissions to revoke unnecessary privileges and mitigate the risk of privilege escalation attacks.

### 4. \*\*Form/Web Page Security\*\*:

- Apply input validation and sanitization techniques to all web forms and pages to prevent common vulnerabilities such as XSS, SQL injection, and CSRF attacks.

- Implement measures such as CAPTCHA or reCAPTCHA to protect against automated form submissions and spam.

- Regularly test the security of web pages and forms using vulnerability scanners and penetration testing tools to identify and remediate potential security issues.

### 5. \*\*Authorization\*\*:

Implement granular authorization mechanisms to control access to different parts of the application based on user roles and permissions.

Enforce access controls at both the application level and the server level to prevent unauthorized access to sensitive resources and functionality.

Utilize secure session management techniques to maintain user authentication and authorization state securely throughout the user session.

### 6. \*\*Security of User ID and Password\*\*:

- Store user passwords securely using strong cryptographic hashing algorithms (e.g., b crypt, Argon2) with salt to protect against password cracking attacks.

- Enforce password policies such as minimum length, complexity requirements, and regular password expiration to enhance password security.

Implement secure password recovery mechanisms, such as email-based password reset with verification codes, to prevent unauthorized password resets.

By addressing these security considerations at each level of the student report card management system, you can establish a robust security posture and mitigate the risk of security breaches and unauthorized access. Regular security assessments and audits should also be conducted to identify and remediate any new security vulnerabilities that may arise over time.

### SCOPE SYSTEM MAINTENANCE & EVOLUTION:

The scope of system maintenance and evolution for a student report card management system project encompasses various activities aimed at ensuring the system's ongoing functionality, security, and alignment with evolving user needs. Here's a detailed breakdown of the scope:

### 1. \*\*Bug Fixes and Issue Resolution\*\*:

- Regularly monitor the system for bugs, errors, and anomalies reported by users or detected through system monitoring tools.

- Prioritize and address reported issues promptly to maintain system reliability and user satisfaction.

### 2. \*\*Software Updates and Upgrades\*\*:

Stay abreast of updates and new releases for the system's underlying software components, including operating systems, databases, web servers, and programming frameworks.

Plan and execute software updates and upgrades in a controlled manner to leverage new features, performance improvements, and security patches.

### 3. \*\*Performance Optimization\*\*:

Continuously assess and optimize the system's performance to ensure responsive user experience and efficient resource utilization.Identify and address performance bottlenecks through code optimizations, database tuning, caching strategies, and infrastructure scaling as needed.

### 4. \*\*Security Enhancements\*\*:

Implement proactive security measures to protect the system against potential threats and vulnerabilities.

Conduct regular security audits, vulnerability assessments, and penetration testing to identify and remediate security weaknesses.

Enhance access controls, encryption mechanisms, and security protocols to safeguard sensitive data and prevent unauthorized access.

### 5. \*\*Feature Enhancements and Functional Updates\*\*:

Prioritize and implement feature enhancements based on user needs, business requirements, and strategic objectives. Leverage agile development methodologies to iteratively introduce new features and updates in response to changing demands.

### 6. \*\*Data Management and Governance\*\*:

Implement data management policies and procedures to ensure the integrity, availability, and confidentiality of student records and academic data.

### 7. \*\*User Training and Support\*\*:

Provide comprehensive user training materials, documentation, and support resources to empower users to effectively utilize the system's features and functionalities.

### 8\*\*Continuous Monitoring and Feedback\*\*:

Establish mechanisms for continuous monitoring of system performance, user engagement, and feedback channels to identify areas for improvement.

# COST AND BENEFIT ANALYSIS:

Performing a cost and benefit analysis of a student report card management system project involving development implementation, and maintenance anticipated benefits and returns on investment (ROI).

### ≻ \*\*Costs \*\*:

# a. \*\*Development Costs\*\*:

Include expenses related to software development, such as: Salaries and wages of developers, designers, and project managers. Software licenses and development tools. Outsourced development services, if applicable.

# b. \*\*Infrastructure Costs\*\*:

Account for expenses associated with hardware, software, and network infrastructure: Servers, computers, and networking equipment. database licenses and hosting fees.

### c. **\*\*Implementation Costs**\*\*:

Consider expenses related to system deployment and integration:

Training and onboarding of users and administrators. Data migration and integration with existing systems.

### d. \*\*Maintenance and Support Costs\*\*

Include ongoing expenses for system maintenance, updates, and support Software maintenance fees. IT support and helpdesk service Security updates and patches.

# e. \*\*Operational Costs\*\*:

Factor in ongoing operational expenses, such as:

Electricity and utilities.

System backups and disaster recovery.

Regulatory compliance costs.

> 2. \*\*Benefits\*\*:

### a. \*\*Efficiency Gains\*\*:

Evaluate the potential time and cost savings achieved through automation and streamlining of administrative tasks related to report card management.

# b. \*\*Improved Accuracy\*\*:

Consider the reduction in errors and inaccuracies in report generation and data management, leading to improved data quality and reliability.

# c. \*\*Enhanced Visibility and Access\*\*:

Assess the benefits of improved access to student data for teachers, administrators, parents, and students themselves, enabling better decisionmaking and collaboration.

### d. \*\*Time Savings\*\*:

\_Estimate the time saved by teachers and administrators in preparing, distributing, and managing report cards, allowing them to focus more on teaching and student support.

# 3. \*\*ROI Calculation\*\*:

ROI = ( NET BENEFIT / TOTAL COST) × 100%

Where, Net Benefits = Total Benefits - Total Costs

# 4. \*\*Qualitative Analysis\*\*:

In addition to quantitative metrics, consider qualitative factors such as:

- Improved student outcomes and academic performance.

- Increased teacher satisfaction and morale.
- Enhanced reputation and competitiveness of the educational institution.

- Future scalability and adaptability of the system to evolving needs and technologies.

# 5. \*\*Sensitivity Analysis\*\*:

Conduct sensitivity analysis to assess the impact of variations in key assumptions and variables (e.g., adoption rate, cost of resources) on the project's financial viability and ROI.

# SYSTEM DESIGN:

### DFD (DATA FLOW DIAGRAM):

DFD stands for Data Flow Diagram. It's a graphical representation of the flow of data through a system, illustrating how data is input into the system, processed, and output from the system. DFDs are commonly used in software engineering and systems analysis to visualize and understand the structure and behaviour of a system.

# There are several symbols used in DFDs to represent different elements and processes within the system:

# External Entity:

External entities represent sources or destinations of data outside the system. They are typically depicted as rectangles. Examples of external entities include users, other systems, or data sources.

### Process:

Processes represent the transformations or actions that occur within the system. They are typically depicted as circles or rectangles with rounded corners. Processes take input data, perform some processing, and produce output data.

### Data Flow:

Data flows represent the movement of data between various elements of the system. They are depicted as arrows, indicating the direction of data flow. Data flows show how data is passed between processes, external entities, and data stores.

**Data Store:** Data stores represent repositories of data within the system. They can be files, databases, or any\_other storage mechanism.Data stores are depicted as two parallel horizontal lines.

# DFD level 0 (context level diagram):



### DFD LEVEL 1:

+	+	
1	Student Report Card	
1	Management	
+	+	
	I	
	V	
+	-+ +	+ ++
Administrator	System	Report Card
l I	Interface	Database
+	-+ +	+ ++
l	I	I
V	v	v
++	+	+ ++
Add Student	Generate Report	Update Report
Information	ds	Cards
++	+	.+ ++

# ER- DIAGRAM:

An Entity-Relationship Diagram (ERD) is a visual representation of the data model that describes how different entities are related to each other within a system. It's commonly used in database design to illustrate the structure of a database and the relationships between entities.

Let's break down the key components of an ERD:

#### 1. *Entity:*

An entity is a real-world object or concept that has attributes and can be uniquely identified. In the context of a database, an entity typically corresponds to a table. For example, in a student report card management system, entities could include Student, Subject, ReportCard, etc.

### 2. Attributes:

Attributes are properties or characteristics of an entity that describe it. Each entity has one or more attributes that represent its data. For instance, a Student entity may have attributes like Student ID, Name, Class, etc. Attributes are represented as columns in a database table.

#### 3. **Relationship**:

A relationship defines how entities are related to each other. It describes how data from one entity is linked to data in another entity. Relationships can be one-to-one, one-to-many, or many-to-many. In an ERD, relationships are represented by lines connecting entities, with labels indicating the nature of the relationship.

### ENTITY RELATIONSHIP DIAGRAM:

This diagram illustrates the entities (Student, ReportCard, Subject, and Grade) and their relationships in the student report card management system. Each entity has its attributes, and the relationships between them are represented by lines connecting them.

an Entity-Relationship Diagram (ERD) for the student report card management system based on the provided requirements.

### Entities:

#### 1. Student

• Attributes: StudentID (Primary Key), Name, Class

#### 2. Subject

• Attributes: SubjectID (Primary Key), Name

#### 3. ReportCard

 Attributes: ReportCardID (Primary Key), StudentID (Foreign Key), Semester

#### 4. Grade

• Attributes: GradeID (Primary Key), ReportCardID (Foreign Key), SubjectID (Foreign Key), Grade

#### **Relationships:**

- 1. Each Student can have multiple ReportCards.
  - One-to-Many relationship between Student and ReportCard.
- 2. Each ReportCard belongs to one Student.
  - Many-to-One relationship between ReportCard and Student.
- 3. Each ReportCard contains grades for multiple Subjects.
  - One-to-Many relationship between ReportCard and Grade.
- 4. Each Grade belongs to one ReportCard.
  - Many-to-One relationship between Grade and ReportCard.
- 5. Each Grade is associated with one Subject.





This Photo by Unknown Author is licensed under <u>CC BY-SA</u>

### TABLES DESIGN:

CREATE TABLE Student (

StudentID INT PRIMARY KEY,

Name VARCHAR(100),

Class VARCHAR(50)

);

CREATE TABLE Subject (

SubjectID INT PRIMARY KEY,

Name VARCHAR(100)

);

```
CREATE TABLE ReportCard (

ReportCardID INT PRIMARY KEY,

StudentID INT,

Semester VARCHAR(20),

FOREIGN KEY (StudentID) REFERENCES Student(StudentID)

);

CREATE TABLE Grade (

GradeID INT PRIMARY KEY,

ReportCardID INT,

SubjectID INT,

Grade VARCHAR(5),

FOREIGN KEY (ReportCardID) REFERENCES ReportCard(ReportCardID),

FOREIGN KEY (SubjectID) REFERENCES Subject(SubjectID)

);
```

### OUTPUT:

Stude	nt ID Name Subject 1	Subject	t 2 Subje	ect 3 Subj	ect 4 Total Perce	ntage Grac	1e
001	John Doe  85	90	78	92	345   86.25	A	
002	Jane Smith   92	88	95	87	362   90.5	A	
003	Alice Lee   78	85	80	82	325   81.25	B	

# SOFTWARE ENGINEERING PROCESS:

The development of a Student Report Card Management System would typically involve several stages of the software engineering process. Here's a breakdown of the key stages and their involvement in the project:

#### 1. \*\*Requirement Analysis:\*\*

Understanding the needs and requirements of the system from stakeholders (teachers, administrators, students, etc.).Identifying functional and non-functional requirements such as user authentication, data security, and report generation.

#### 2. \*\*System Design:\*\*

Designing the overall system architecture, including database design, user interface design, and system modules. Creating Entity-Relationship Diagrams (ERDs) to model the database schema. Defining the structure of the user interface and interactions.

#### 3. **\*\*Implementation:\*\***

Writing code to implement the system based on the design specifications. Developing modules for functionalities such as user authentication, data input, calculation of grades, and report generation. Integrating different components of the system and ensuring they work together seamlessly.

#### 4. \*\*Testing:\*\*

Performing unit testing to ensure individual modules function correctly. Conducting integration testing to verify the interaction between different modules. Carrying out system testing to validate that the system meets the specified requirements. Performing user acceptance testing (UAT) to gather feedback from end-users and make necessary adjustments.

#### 5. \*\*Deployment:\*\*

Deploying the system to the production environment, which may involve setting up servers, databases, and other infrastructure.

Ensuring that the system is accessible to users and meets performance requirements. Providing necessary training to users on how to use the system effectively.

### 6. \*\*Maintenance and Support:\*\*

Providing ongoing support for the system, including bug fixes, updates, and enhancements. Monitoring system performance and addressing any issues that arise. Incorporating feedback from users to improve the system over time.

Throughout these stages, it's crucial to follow software engineering best practices such as version control, documentation, and collaboration among team members to ensure the successful development and deployment of the Student Report Card Management System.



This Photo by Unknown Author is licensed under CC BY-SA

# CODING:

```
1. HTML Form (index.html):
  <!DOCTYPE html>
  <html>
  <head>
     <title>Simple Form</title>
  <l><B><h3>REGISTRATION FORM FOR THE SESSION OF:2023-
  2024</h3></B></l>
  <title>REGISTRATION FORM </title>
  </head>
  <body bgcolor="lightskyblue">
     < form
  method="post"action="mailto:susomsanyal1972@gmail.com">
       FIRST NAME:</first><br>
   <input type="text"name="First name"><br>
   LAST NAME:</last><br>
   <input type="text"name="last name"><br>
  FATHER NAME: < br>
  <input type="text"name="father name="><br>
  ADDRESS:<br>
  <textarea name="adress"cols="80"row="5"></textarea><br>
  GENDER:<br>br>
     <input type="radio" name="Gender"value="Male">Male<br>
     <input type="radio"
  name="Gender"value="female">female<br>
     <input type="radio" name="Gender"value="other">other<br>
    DATE OF BIRTH: < br>
   <input type="text"name="date of birth"><br>
    AADDHAR NUMBER: < br>
    <input type="text"name="Aaddhar number"><br>
    PHONE NUMBER: < br>
   <input type="text"name="country code"value=+91><br>
   STUDYING in: < br>
   <select>
```

```
<option value="course">course</option>
<option value="BCA">BCA</option>
<option value="BBA">BBA</option>
 <Option value="B.SC">B.SC</option>
<option value="BENGALI">BENGALI</option>
<option value="OTHER">OTHER</option>
<option value="MCA">MCA</option>
<option value="B.TECH">B.TECH</option>
<option value="M.TECH">M.TECH</option>
</select><br>
COLLEGE NAME:<BR>
<select>
<option value="college">college</option>
<option value="BB COLLEGE">BB COLLEGE</option>
<option value="BC COLLEGE">BC COLLEGE</option>
<option value="TDB COLLEGE">TDB COLLEGE</option>
<option value="JADAVPUR">JADAVPUR</option>
<option value="ASANSOL ENGINEERING COLLEGE">ASANSOL
ENGINEERING COLLEGE </ option>
</select><br>
PASSWORD: < BR>
<input type="password" id="pass"name="pass"><br>
RE-TYPE PASSWORD: < br>
<input type="password" id="repass"name="repass"><br>
<input type="button"value="submit"><br>
<input type="button"value="reset"><br>
</form>
</body>
</html>
</head>
<body>
  <h2>Simple Form</h2>
  <form action="FormHandlerServlet" method="post">
    <label for="name">Name:</label>
    <input type="text" id="name" name="name"
required><br><br>
```

```
<label for="email">Email:</label>
<input type="email" id="email" name="email"
required><br><br>
```

```
<label for="message">Message:</label><br></label><br></label><br></label><br></label><br></label></label></label></label></label></label></label></label></label></label>
```

```
<input type="submit" value="Submit">
</form>
</body>
</html>
```

#### 2. Java Servlet (FormHandlerServlet.java):

import java.io.\*; import javax.servlet.\*; import javax.servlet.http.\*;

```
public class ReportCardServlet extends HttpServlet {
    public void doPost(HttpServletRequest request, HttpServletResponse
    response)
```

```
throws ServletException, IOException {
response.setContentType("text/html");
PrintWriter out = response.getWriter();
```

```
// Retrieve grades from form submission
int mathGrade = Integer.parseInt(request.getParameter("math"));
int scienceGrade =
Integer.parseInt(request.getParameter("science"));
int englishGrade =
Integer.parseInt(request.getParameter("english"));
```

```
// Calculate average grade
double averageGrade = (mathGrade + scienceGrade + englishGrade)
/ 3.0;
```

```
// Display report card
out.println("<!DOCTYPE html>");
```

```
out.println("<html><head><title>Report
Card</title></head><body>");
out.println("<h2>Report Card</h2>");
out.println("Math Grade: " + mathGrade + "");
out.println("Science Grade: " + scienceGrade + "");
out.println("English Grade: " + englishGrade + "");
out.println("Average Grade: " + averageGrade + "");
out.println("</body></html>");
out.close();
}
```

# **SCREENSHOTS:**

> LOG IN PAGE OF THE STUDENT:

Username username	
Password ******	
Remember Me Login Register	

### > <u>REGISTRATION PAGE (FOR WHO HAVE NOT REGISTERED):</u>

<b>REGISTRATION FO</b>	RM FOR THE SESSION OF:2023-2024
FIRST NAME:	
LAST NAME:	
FATHER NAME:	
ADDRESS:	
	4
GENDER:	
<sup>O</sup> Male	
O female	
O other	
DATE OF BIKIN.	
AADDHAR NUMBER:	
PLIONE NILIMPER	
+91	
STUDYING in:	
course 🗸	
COLLEGE NAME:	
college	V
PASSWORD:	
RE-TYPE PASSWORD:	
submit	
Tesel	

### HOME PAGE:

StudentManagement	<u>e</u>						A411
🛞 · · · ·	Student Mana	aement com	of particle				A APPERT OF ADDRESS
Destinant	5		4	5	R	2	Int
🗑 Russes	Man mit O		Marc 141 O		Marrient D	-	kon mb O
€ Units	🛗 Galendar			(annanana)			
• Abertance Nexand	1.1		-	February 2015	-	*	4
LP Marks				2			
CE ACTIONS 4		1777		21 28		20	24
							<u> </u>
	Bupport Tear	w.C.				Arrivate Whith	0.00

### **GRADES OF STUDENT:**

Navig	gation	Grad	as	a	nd	A	tte	n	da	n	ce												
<b>E</b>	Grades and Attendance	oruu				~							214	W Here to see a list of all your students past assign	monte	for th	e torr	n					
6	Grade History	Grades	and	Att	enda	nce		Sta	Indai	rds	Gra	des		A nore to see a list of all your students past assign	mente		15 1011						
¥.	Report Card													Attendance By Class									
Po	Attendance	Exp		La	st W	eek		This Week						Course	Q1	02	<b>S1</b>	03	04	52	¥1	Absences	Tardies
-		Link	М	Т	W	H	F	M	Т	۷	V	f F	F										Turtere
	Email Notification	1(A)												HR Attendance KDG Email Keller, Anne - Rm: 134 Keller	[i]	[1]		0	[1]		0	0	0
R	Teacher Comments	2(A)												English Language Arts B Email Keller, Anne - Rm: 134 Keller	[i]	[1]		[1]	[1]		[1]	0	0
	School Bulletin	3(A)												Math	[1]	[1]		0	[1]		[1]	0	0
	My Schedule	4(A)												Science Email Keller, Anne - Rm: 134 Keller	[1]	[1]		[1]	[1]		[1]	0	0
	School Information	5(A)												Social Studies Email Keller, Anne - Rm: 134 Keller	[1]	(1)		(1)	(1)		[1]	0	0
· · ·	Account Preferences	6(A)												Music Brail Kadow, Angela - Rm: 134 Keller	[1]	[1]		[1]	[1]		[1]	0	0
*	Registration 2016-2017	7(A)												Art Kdg	[1]	[1]		[1]	(1)		[1]	0	0
	Test Scores	8(A)												Physical Education Email Gaug, Andrew - Rm: 134 Keller	[1]	[1]		[1]	m		0	0	0

### SOFTWARE TESTING METHODOLOGY:

In a student report card management system project, testing is crucial to ensure the system functions correctly, securely, and efficiently. Here's a methodology you could use for testing:

### 1. \*\*Requirement Analysis\*\*:

Understand the project requirements thoroughly. This includes functional requirements (what the system should do) and non-functional requirements (performance, security, usability, etc.).

### 2. \*\*Test Planning\*\*:

Develop a test plan outlining the testing approach, scope, objectives, resources, and timelines. Identify the types of testing to be conducted, such as functional testing, performance testing, security testing, etc.

### 3. \*\*Test Case Design\*\*:

Create test cases based on the requirements. Test cases should cover both positive and negative scenarios, boundary conditions, and user interactions. Each test case should have clear steps, expected results, and criteria for pass/fail.

# \*\*Functional Testing\*\*:

### - \*\*Unit Testing\*\*:

Test individual components/modules of the system to ensure they function correctly in isolation.

### - \*\*Integration Testing \*\*:

Test the integration of different modules to ensure they work together as expected.

### - \*\*System Testing\*\*:

Test the entire system to ensure it meets the functional requirements.

# > NON FUNCTIONAL TESTING:

### - \*\*Performance Testing\*\*:

Evaluate the system's performance under different load conditions to ensure it can handle multiple users and concurrent operations.

### - \*\*Security Testing\*\*:

Identify and address security vulnerabilities such as data breaches, unauthorized access, etc.

#### - \*\*Usability Testing\*\*:

Assess the user interface for ease of use, intuitiveness, and accessibility.

**6. \*\*Regression Testing\*\*:** After making any changes or enhancements to the system, rerun the test cases to ensure that existing functionalities are not affected.

**7. \*\*User Acceptance Testing (UAT)\*\*:** Involve end-users (administrators, teachers, students) to validate whether the system meets their requirements and expectations.

**8. \*\*Bug Tracking and Reporting \*\*:** Document any defects or issues encountered during testing, including steps to reproduce them and their severity.

**<u>9.</u>** \*\***Test Automation** \*\*: Consider automating repetitive test cases to streamline the testing process and improve efficiency.

**10. \*\*Documentation\*\*:** Maintain comprehensive documentation of the testing process, including test plans, test cases, test results, and any identified issues or enhancements.

**<u>11. \*\*Feedback and Iteration \*\*</u>**: Gather feedback from stakeholders and incorporate any necessary changes or improvements into the system.

# • TEST REPORT OF THIS PROJECT:

Creating a test report for a student report card management system project involves documenting the testing process, results, and any issues encountered. Here's a template you can follow:

Test Report: Student Report Card Management System Project a unit testing report might look, f ocusing on scenarios such as wrong date format and character input instead of numbers:

#### **\*\*Unit Testing Report: Student Report Card Management System\*\***

\*\*Date:\*\* [Date of Testing]

\*\*Testers:\*\* [List of Testers]

\*\*Test Environment:\*\*

- Operating System: Windows 10
- Development Environment: Visual Studio Code
- Programming Language: Python
- Framework: Django

#### \*\*Summary:\*\*

This unit testing report focuses on testing various functionalities of the Student Report Card Management System at the unit level. The testing primarily includes scenarios related to date format validation and input validation for numerical fields.

```
**Test Cases Executed:**
```

- \*\*Total Test Cases:\*\* [Total Number of Test Cases]

- \*\*Pass:\*\* [Number of Test Cases Passed]

- \*\*Fail:\*\* [Number of Test Cases Failed]

- \*\*Pending:\*\* [Number of Test Cases Pending]

#### \*\*Test Cases:\*\*

1. \*\*Date Format Validation:\*\*

- \*\*Test Case ID:\*\* UT001

- \*\*Test Description:\*\* Verify that the system correctly validates the date format entered by the user.

- \*\*Preconditions:\*\* The system is accessible.

- \*\*Test Steps:\*\*

1. Enter a date in an incorrect format (e.g., "April 15, 2024").

2. Attempt to save the date.

- \*\*Expected Result:\*\* The system should display an error message indicating that the date format is incorrect.

- \*\*Actual Result:\*\* [Pass/Fail]

2. \*\*Input Validation - Numerical Fields:\*\*

- \*\*Test Case ID:\*\* UT002

- \*\*Test Description:\*\* Verify that the system properly handles character input in numerical fields.

- \*\*Preconditions:\*\* The system is accessible.

- \*\*Test Steps:\*\*

1. Enter a character (e.g., "a") in a numerical field (e.g., "Grade").

2. Attempt to save the form.

- \*\*Expected Result:\*\* The system should display an error message indicating that only numerical input is allowed.

- \*\*Actual Result:\*\* [Pass/Fail]

#### \*\*Multi-User Testing:\*\*

- \*\*Test Description:\*\* The system was tested in a multi-user environment to ensure that it can handle concurrent operations by multiple users without data corruption or inconsistency.

- \*\*Test Results:\*\* [Summary of Multi-User Testing Results]

### **\*\*Conclusion:\*\*:**

The unit testing process identified issues related to date format validation and input validation for numerical fields. These issues need to be addressed to ensure the system's reliability and data integrity. Overall, the system performed satisfactorily in a multi-user environment, with no significant issues observed.

### **PERFORMANCE AND EFFICIENCY:**

Performance and Efficiency Issues:

#### 1. \*\*Slow Response Times:\*\*

Operations like login and report generation are sluggish.

### 2. \*\*Resource Overconsumption:\*\*

\_The system uses excessive CPU, memory, or network resources.

### 3. \*\*Database Bottlenecks:\*\*

4. Slow database queries affect overall system performance.

### 5. \*\*Inefficient Algorithms:\*\*

6. Some operations are inefficient, impacting system speed.

# 6.\*\*UI Responsiveness:\*\*

The user interface is unresponsive at times.

### Addressing these issues requires:

- Performance Testing
- Monitoring and Profiling
- Code Optimization
- Database Optimization
- Caching Mechanisms
- Load Balancing
- Scalability Planning
- Continuous Improvement

# CONCLUSION:

The student report card management system project has successfully delivered a robust and user-friendly platform for managing academic records. While achieving its objectives, there's room for ongoing improvement in performance, efficiency, and user experience. Overall, the project represents a significant step towards modernizing academic administration and facilitating a more efficient learning environment.

# FUTURE SCOPE :

### **1. \*\*Integration with Learning Management Systems (LMS**):\*\*

Explore integration with existing Learning Management Systems to streamline data exchange and provide a seamless experience for students and instructors.
#### 2. \*\*Mobile Application Development:

Develop a mobile application version of the system to enhance accessibility and allow users to access key features on the go.

#### 4. \*\*Advanced Analytics and Insights:\*\*

Implement advanced analytics capabilities to analyze student performance trends, identify areas for improvement, and provide personalized recommendations for students and instructors.

#### 5. \*\*Enhanced Communication Features:\*\*

**6.** Introduce features such as in-app messaging, notifications, and alerts to improve communication between students, parents, teachers, and administrators.

#### 6. \*\*Accessibility Improvements:\*\*

Ensure compliance with accessibility standards and guidelines to make the system usable by all users, including those with disabilities.

#### 10. **\*\*Expansion to Other Educational Institutions:\*\***

Extend the system's capabilities to cater to other educational institutions such as colleges, universities, and vocational schools, adapting features to suit their specific requirements.

By embracing these future opportunities, the student report card management system can evolve into a comprehensive platform that not only manages academic records but also enhances the overall learning experience and contributes to student success and institutional effectiveness.

#### • **REFERENCES**:

#### **BIBLIOGRAPHY:**

1. Smith, A., & Jones, B. (Year). "Best Practices in Educational Software Development." Journal of Educational Technology, 10(2), 123-136. 2.Brown, C. (Year). "Improving User Experience in Student Information Systems." Proceedings of the International Conference on Human-Computer Interaction, 345-356.

2. Educational Testing Service. (Year). "Principles for the Validation and Use of Educational Testing and Assessment." Retrieved from [URL]

Doe, J. (Year). "Enhancing Student Engagement through Mobile Applications." International Journal of Educational Technology, 5(3), 210-225.

5.National Center for Education Statistics. (Year). "Student Data Privacy: Best Practices for Educational Institutions." Retrieved from [URL]

#### **WEBSITES:**

- WWW.Google.co.in
- WWW.geeksforgeeks.com
- www.tutorialspoint.com
- WWW.Stackoverflow.com

**YOUTUBE :** 

- Code with harry
- Edureka
- cs dojo

#### **CERTIFICATE FROM PROJECT GUIDE:**

This is is to certify that this project entitled student report card management system" submitted in partial fulfillment of the degree of BCA, Kazi Nazrul University, done by Mr. *Suranjan Sanyal*, Roll No. *1032105125010019* is an is an authentic work carried out by him at *Bidhan chandra college* under my guidance. The matter embodied in this project work has not been submitted earlier for award of any degree or diploma to the best of my knowledge and belief and project report is developed according to the "BCA PROJECT & PROJECT REPORT STANDARD 2023, KAZI NAZRUL UNIVERSITY".

Signature of the student

Signature of the Guide

#### **CERTIFICATE FROM PROJECT GUIDE:**

This is to certify that this project entitled student report card management system" submitted in partial fulfillment of the degree of BCA, Kazi Nazrul University, done by Mrs. *pratima patwa* Roll No. *1032105125010013* is an is an authentic work carried out by her at *Bidhan chandra college* under my guidance. The matter embodied in this project work has not been submitted earlier for award of any degree or diploma to the best of my knowledge and belief and project report is developed according to the "BCA PROJECT & PROJECT REPORT STANDARD 2023, KAZI NAZRUL UNIVERSITY".

Signature of the student

Signature of the Guide

### **CERTIFICATE:**

The foregoing project report entitled "**Student report card management system**" is hereby approved as a creditable project and has been presented in a satisfactory manner to warrant its acceptance as prerequisite to the degree for which it was submitted.

It is understood that by this approval, the undersigned do not necessarily endorse any conclusion drawn or opinion expressed therein, but approve the project for the purpose for which it is submitted.

Head of the Institution

### **SELF CERTIFICATE:**

This is to certify that the dissertation/project report entitled "*Student report card management system*" is done by me is an authentic work carried out for the partial fulfilment of the requirements for the award of the degree of BCA under the guidance of MR. *Rajdip Chatterjee*. I also certify that that I am aware of the "BCA PROJECT & PROJECT REPORT STANDARD 2024, KAZI NAZRUL UNIVERSITY" issued by Kazi Nazrul University and this project report is based on that standard. The matter embodied in this project work has not been submitted earlier for award of any degree or diploma to the best of my knowledge and belief.

Signature of the student

Name: Suranjan Sanyal Reg No: 103211250004 Roll No: 1032105125010019

College Name:

Bidhan chandra college, Asansol

### **SELF CERTIFICATE:**

This is to certify that the dissertation/project report entitled "*Student report card management system*" is done by me is an authentic work carried out for the partial fulfilment of the requirements for the award of the degree of BCA under the guidance of MR. *Rajdip Chatterjee*. I also certify that that I am aware of the "BCA PROJECT & PROJECT REPORT STANDARD 2024, KAZI NAZRUL UNIVERSITY" issued by Kazi Nazrul University and this project report is based on that standard. The matter embodied in this project work has not been submitted earlier for award of any degree or diploma to the best of my knowledge and belief.

Signature of the student

Name: pratima patwa

Reg No: 103211250006

Roll No: 1032105125010013

College Name:

Bidhan chandra college, Asansol

### ACKNOWLEDGEMENT :

We had a great experience workings on this project and we got to learn a plethora of new skills through this project .however, it would not have been possible without the kind of support and help of many indivisuals. We would like to extend our sincere thanks to all of them.we are hihhly indebeted to the teachersand specially Mr. *Rajdip Chatterjee* for their guidance and constant supervision as well as providing necessary informationregarding yhe project and alsofor their supporting in completing the project .

We would like to express our gratitude towards our parents for their cooperation and encouragement which help us in the completion of the project.

### ENDORSEMENT CERTIFICATE FROM THE INTERNAL PROJECT GUIDE:

I, The *Rajdip Chatterjee, Bidhan Chandra College*, being the internal guide of the project *"Student report card management system*", have understood the project problem and endorsing this project for final approval from the University, as the problem seems (on the prima-facie) to be good enough for the partial fulfilment of the BCA final year project (Course Code: BCAC605). I shall monitor the project development constantly and shall guide the students to develop the project as well as the project report according the BCA project & Project Report Standard 2023 with best of my efforts. Following is the list of the Students engaged in the current project.

#### Name and Registration No of the students:

1)
Suranjan Sanyal
Reg No: 103211250004
2)
Pratima Patwa
Reg No: 103211250006

Signature of the Guide

#### • **DECLARATION:**

We do hereby declare that we are aware of **BCA PROJECT & PROJECT REPORT STANDARD 2023, KAZI NAZRUL UNIVERSITY** and we shall develop the project and prepare the project report according to the guideline with best of our efforts.

Name & Registration No. of the students

1) Name: Suranjan sanyal

Reg No : 103211250004

2) Name: pratima Patwa Reg No: 103211250006 Signature of the Students

## KAZI NAZRUL UNIVERSITY

A Project submitted in partial fulfilment of

The requirement for the Degree of

Bachelor of Computer Applications

### STUDENT REPORT CARD MANAGEMENT SYSTEM

Course code:- BCAC605

Year of Examination:- 2023-24

Submitted by

NAME: SURANJAN SANYAL REG.NO: 103211250004

NAME: PRATIMA PATWA REG.NO: 103211250006

Of

### BIDHAN CHANDRA COLLEGE (ASANSOL)



Sr. No	Contents	Page No
1	Introduction	4
	1.1 objective	5
	1.2 scope	6
	1.3 benefit and	6-8
	category of project	
	1.4 background	<u>9</u>
2	Architecture of software	10
3	Problem statement	11
4	Software requirement	13
	specification	
	4.1 system planning with	18
	Gantt chart	
	4.2methodology	19

5	Harware and software	21
	requirement (developer)	
	5.1 Front end	23
	5.2 Backend	24
	Hardware and software	
	requirement(user)	26
	5.3 security issues	28
	5.4 Scope system	
	maintenance	30
	5.5 Cost and Benefit	32
6	System design	35
	6.1 DFD(Data flow	35
	diagram)	
	6.2 ERD	37
	6.3 TABLES	39
7	Software engineering	41
	process	
	Coding	43
	Screenshots	48
	• Software testing	52
	• Test report	54
	• Performance and	
	efficiency	56
	Conclusion	57
	• Future scope	58
	• Reference and bibliography	58-60

# **ECONOMICS**



# BIDHAN CHANDRA COLLEGE ASANSOL



### TOPIC: IMPACT OF COVID 19 ON INDIAN ECONOMY

NAME	:	PRIYANKA CHOUDHURY
SESSION	:	2021 : 2024
UNIVERSITY ROLL NUMBER	:	103210612.2012014
UNIVERSITY REGISTRATION NO	:	103211220143
COURSE NAME	:	PROJECT OF SOCIO ECONOMIC ASPECTS
COURSE CODE	:	BSCHECODSE604

Vear of Examination:-2024 Academic Year.-2021-22

Student's Name:-ARPITA PONDA Award Name:-BSc Honours Program Name:- Bachelor of Science (Honours) in Economics

Registration Number.-103211220023

Student Sessions Roll Number:-1032106122012004 Course Name:-Project on Socio Economics Aspects

Course Code:-BSCHECODSE604 Semester:-VI

Phone No:-7363011039

Email Id:- pondapuchi@gmail.com Teacher's Name :-Sanchita Basak

# **Environmental Studies**



# **BIDHAN CHANDRA COLLEGE**





SUBJECT PROJECT TOPIC NAME REGISTRATION NO. DEPARTMENT NAME

ENVIRONMENTAL POLIUTION AND MANAGEMENT
ENVIRONMENTAL POLIUTION AND MANAGEMENT
ANISHA GHOSH
103231220053
GEOGRAPHY

# ACKNOWLEDGEMENT

3

The Co

The P

3

3

3

3

3

3

3

13

3

3

- 3

>>

>

-

>>

>>

3

))

))

3

5

Encouragement matinates a person tawards his aim, while gudiomce helps him to achieve his goal. Thus, nerging both the characters takes a person towards success in his work. I would like to praise and thank and express gratitude to all those who have extended theirs co-operation and support thraghout by my project. with an overwhelming conseal ana-

uith an overwhelming sense of gratitude, I am indebted to my callege and university and out respected prionciple sin <u>Dr. Fatiguni muchopad hay</u> for getting on oppontunity to be a part of this esteened institution. It is my privilege to express my protound gatitude to my subject teaches and all other teachers for concerte suggestions 2 sincere, valuable and painstaling give ance and uilful inspiration throughout the preparation of this project.

It is my privilege to express my gratitude to my department

A special value of thanks gaes to all my friends, for their eff ective cooperation invalued le help and mental support. Above all I am very much thankful to my parents for the support and affection.

TOPIC NAME	PAGE NO.
Introduction of Environmental pullution and management, Types of Environmental pollution	1
Introduction of Air pollution	2 - 3
Causes of Air pollution	3-4
Effects of Ain pollution	4-6
Control Measures of Air pollution	6-8
Introduction of water pollution	9
causes of mater pollution	9-12
Effects of water pallution	12-13
control mensures of mater pallution	14-15
Introduction soil pallution	16
causes of soil pollution	16 - 18
Effects of Soil Pollution	18-20
Introduction of Noise pollution	23
causes of Noise pollution	24-26
Effects of Noise pollution	26-27
control measures of Noise pollution	27-29
Conclusion	30
Bibliography	31

### ENVIRONMENTAL POLLUTION AND MANAGEMENT

Pallution: - Environmental pollution refers to the informable alteration of our Sourroundings, caused by human activities, that results in charges in energy patterns, radiation levels, and the chemical and physical constitution of organisms. It is a gobal problem with severe organisms, long term come quences, leading to the lars of negletion, bid diversity, and the presence of hermful chemicals in the atmosphere and food. Pollution can take various very hemful borns, such as airs, nat or, cail, noise, radioactive, and thermal pollution, but airs po-Mution is the most significant threat to the environment and all living organisms. Environmental popullation is one the greatest challenges that the norldi's facing today. It began Since industrial revolution, increaseing day by day and cause effects and solutions. Looving into these will help you identity the causes and what steps you can take to mitigate Those effects. Broadly, environmental population cornists of sex basic types of pallution. Environmental pollution is causing a lat of distness not only to numans but aboamimals, driving many animal species to endangerment and even extinction.

Types of Environmental Pallution: - These are some major categories of environmental pallution - (1) Ain, (2) water, (3) Sail, (4) Noise.

# AIR POLLUTION

٧

Introduction: Air populion is contamination of the indoor on outdoon environment by any chemical, physical on biological agent that modifies the enatural characteristics of athe atmosphere. House hold combustion devices, motor vehicales industrial factilities and tonest plares are common sources of ain popullation. Poultants af major public health concern include particulate matter, carbon monoxide, ozone, nitrozen dioxide and sulfur dioxide. outdoon and indoon ain pollution cause respiratory and ather diseases and are important sources and morbidity and mortality wHO Datashow that almost all of the geobal population breatheain that exceeds who guideline limits, and contains high levels of pallutarts, with low and middle - income countries suffering from the highest exposures. Airo quality is closely linked to the earth's climate and ecosystems globally. Many of the durivers of aim population are also sources of greenhouse gas emmissions. Polices to reduce air population, therfore, affer a win win strategy for both climate and health, lowering the burden of disease attributable to air pollution, as well as contributing to the near and long-term mitigation of clinete charge. The combustion of fossil (coal, all, and natural gas) is the principle source of ain pollution in all urbern areas, along with the burning of biomans such as finewood, agricultural weastes and ami mal wastes in rual airears and some cilies. Most of the combusition of fossil fuels take place in industries, homes, for transportation of the generation of electricity. However, in the nart nor

Ain pollution Through toxic gases inited from industrial plants

Jority of Asian cities, transportation is the largest sources of also po-Multion.

<u>Cause:</u> - The main causes of air pollution are \_\_\_\_

03

**1** 

-

N and

100

100

3

100

-

-----

~

5

-

<->

5

4

计

e

6

63

(a) Burning of foxill fuels: - fussil fuel enrites hearonful gases such as sulfur dioxide and carbon monoxide into the air. One of the biggest causes of air pollution is sulfur dioxide, which is emitted through the combustion of fossil fuels such as coal, petroleman for energy in power paints, plants and others industry combastibles.
(2) <u>Automobiles:</u> - The emmission of hearonful gases is caused by the excessive uses of otomobiles.

(3) Agricultural Activities: - various processes take place during agricultural activities such as the emission of ammonia, overwe af inxitieïdes, pertidies, and fertilizeris. Ammonia is a typical byproduct of agriculture and one of the most dangerous gaves in the atmosphere. Insecticides, pestidies, and fertilizers have all become increasingly common in agricultural paratices They release hazardous chemicals and can pollute waters, formeres also set fire to the fields and ald crops to dear them up for the new cycle of souring. According to reports, buring to delan up fields pallutes the ain by emitting toxic pollutionts. (4) <u>Factories and Industries</u>:- Emission of normful games and chemicals into the airs by the increasing industrical activities. reanufactuaing companies emit à significent amount af carbon monoxide, hydrocarbons, organic compunds and chemicals into the air, lowering air quality. Manufacturing industries nay be found in every corner of the globe, and no region has escaped theirs influence. petroleum refinezies also emit hydro

3



carbons and a variety of other pollutionts which demage the airs

(5) <u>Mining Activities</u>: Increasing emission of harmful subtanees through mining activities. Mining is the extraction of minerals from under the earth's surface utilizing heavy machinery. Dust and chemicals are relaxed into the air throughout the Process, resulting is significant air pallution. This is one of the factors contributing to the depterioraling health of workers and inhabitants in the area.

(6) <u>Domestic Resources</u>: - Effects of domestic sources such as the use of chemical paints and overuse of air conditioners, Houscheld cleaning products and painting supplies products and painting hazardous chemicals into the airs, polluting the environment. Another source of Air population.

(7) <u>Vehicle pollution</u>:- vehicle pollution is underiably the most Significant source of air pollution, particularly source of air pollution in urban areas. when an automobile consumes gave When, catamoinants are relaxed into the air that areas domgorous as smoking ten agavettes per day. carbon monoxide, hydrocarbons, nitrogen onide, and particulate matter are all relaxed by your relates. when can pallution lends are high in the atmosphere, it causes a hole in the ozone layer, resulting in sneg and a variety of health problems.

<u>Effects</u>: - The consequences of air pollution are dire, like -(1) <u>Aeart and Respiratory Issues</u>: The consequences of airs pallultution are Sereiaus. They have been einhed to a variety of respiratory and cardiovarcular diseases, including asthma, chronie bronchitis, emphysema, heurt attacks, strokes, as well

as cancer. Several million people are thought to nave died as a result of our pollution, either directly on indirectly. (2) <u>Ir lobal Warming:</u> Another disect result of global warming is the current changes that the planet is expericencing. Increased go bal marming, tempatures, nising sea levels due to melting ice torm calder places and icebarges, relocation, and habbitats less have already toneshadowed an oncoming cruisis if preservation and normalisation measures are not done quickley. B) Impact on wildlife: - Animals, line himans, are subject. ed to the harmful effects of airs palultion - Toxic substances in the aim can compel wildlife species to relocated and madity their environment. Toxic contaminants sel-the on the water's surface, posing a threat to sea life. (4) <u>Ozone layer Depletion:</u> - Ozone is found in the stratosphere of the earth and protectshimmens from hearinful ultravialet (UV) rays. The presence of choro fluoro carbons in the atmosphere is degrading the ozone layer on earth. As the ozone layer this, d'amaging rays are emitted back to Earth, patentically causing shin and eye problems. Wrays have the pauve to harm crops as well? (5) <u>problem's with children's health:</u> Even defore you take

your first breath, ain pallution is harmful to your heath. premature disorden, autism, austhma, and spectroom disorden in early childhood are all caused by exposure to high anounts of ain pallution during pregency. It also has the potential to norm a child's cerety breain development and cause pneumonia, which wills almost a million children under the age of five. In regions where ain pollution are present. children are more lively to dove p short-term respiratory infections and pulmonary il lness.

(6) <u>Smog</u>:- <u>Smog</u> is the deady combination of <u>Smog</u> and <u>Fog</u>. It is the gravish tog that is caused when the pallutants in the aim, such as carbon particles, condense, and mix with the tog. <u>Sonnag</u> is extremely hearmful to himans and the entire environment. It can lead to diseases such as cold, flu, irrietation of the eye. asthma and in the long term ever how lung cancer.

(7) <u>Acid Rain</u>:- Acid oain is caused when a chemical reation occurs between aim pollutants and water and oregen very high in the atmosphere. fallutants such as sulphuz dioxide and nitrozon oxide are water saluble and nix with the waters in the atmosphere and precipitate of this and reain. The acidic nature of this rain causes servere damage to the plants, animals and the sail.

(8) <u>Climete change:</u> reany of the nesponse strategies of addressing global alimate change are also effective for reducing the traditional'ain pollutants South as particulates and sulphur dionide. The adoption of strateigies, penimarily invalving impronements it effection of energy use, and grater use of energy Sources about them coal, atomutatically result in indoned the couvering the emissions of carbon dioxide the largest contributors to climate change. <u>Control Measures:</u> - It is not easy to control ain pollution, but

it will require some simple steps like -

(1) <u>Avoid Using vehicles</u>: - Prefers Using public toansport as it will reduce the emission of co into air. The availability of coro pools can help in the reduction of vehicles which in turn reduces pallution. Prefers walking or cycling to nearsby places and many Such.

(2) <u>energy Conservation</u>: - Use energy - efficient electrical de-Vices at the markshop and home place. you can keep your light is switched aff when not in use. The electrical a pperanees should be checked on a regular notice period so that it won't offect the conservation.

(3) <u>Vse of renewable Resources</u>: - It will help to reduce the pallution lovel. Istead of using forsill fuels, we can use natural resources to produce energy live Solar energy, wind energy etc. By decraseing and eliminating the usage of fire and tire related items. Because industrial envisions are one of the ileading causes of air pollution, the pollutants can be reduced by controling or treating themat the sources. If a given row material's reations produce a pollutant, for example, the row materials can be replaced with less harmfulneterials.

(4) <u>Recycling and Reuse of products</u> Some of the products which are thrown away after use can be vecycled and reused for a to cleaner environment. It takes less energy to recycle than manufacturing the come products and thereby reducing the Chemical emissions.

(5) <u>Avoid Buring of plastics</u>:- Burning of plastics and ather Similar materials relaxe poisonous gases in the atmosphere which

armful altravialet rays form reading the hearth. N 1 1 2 3 3 1 to avoid global marming. 5 9 pertodum and déesel. 2 9 ク

worsens the condition of the airs. Make use of the waste monagement plans by the government to dispose of plantic materials. (6) Avoid ain conditionars and use Fors: - The heat relaxed by The aim conditioner into the atmosphere for greeters than the heat it absorbs forom the room. This greater heat related into the aimbecause global memoring. The freen goes which is used as a refrigenant causes the depletion of ozone layors which prevents the ho

(7) Use filters in chimneys! - The smoke released from chim neys contains air pallutants that worsen the quelity of air. Has even, using filtens in chimneys can prevent airs pollutants torm reaching the earth's atmosphere to a greater extent. (8) Avoid crackers and fi'rearonks: The burning of earliers and and firewooks causes ain pallution. During festivals, the use of large amounts of fireworks, and crackers woorsen the quality of airs and can cause poor résidility.

(9) planting more trees: - The plants can purify the own by taking in carbon dioreick and releasing orgen during the time of photosynthesis. This reduces the greenhouse effect and thereby decrases air pollution again. Planting more tresss also helps

(10) Uses of green fuel: - Creen fuel refers to biogradable fuel derived from natural gas that can be used to veplace

(11) Installation of Scrubbers: - Installing Scrubbers in the engines af cares will squester the oxides of suitur and nitrogen. Thus they will not be relaxed into the environments

# WATER POLLUTION

J

3

2

3

3

Þ

p

-0

P

0

<u>Introduction</u>: - maten poullution occurs when harmful Subtonnee - often chemicals on microorgoinisms \_ contaminate a stream, oriver, lake, ocean, aquifer orother body of water, degroding aquifen malor quality and neudering it tonic to humans on the environment. The midepread problem of mater po-Mution is jeopardizing aur heath. Unsafe water nillsmore people each year than war and all over other forms of violence combined. Leanachile, our disonkable maten sources are finete: Less than 1 percent of the earth's freashouster is actually accessible to us. without action, the challenges will only-inevase by 2050, when global domand for foreashwaters is expected to be one - third greater than it is now . when wellers' palluted, it ordnersely affects all lifeforms that direct My or indirectly depend on this sources. The effects of mater contamination car be felt for years to come. mater pollution is the contamination of arater bodies asually caused due to human ælinities. meiten pallution is any change in the physiced, chemical or biological properties of maters that will have a detrimental consequence of any living organism. causes of mater follution: - nater is one of the most importanted elements on earth when it comes to sustaining life. Unfortunately, it is also extremely susceptible to pullution. This is largely because water is a universal solvent that can diss alvenieny subtomces. There are causes of autor pallution. Below, are will focus on scren of the major ways the meter

e e

AAAAA

500

50

5

5

Spo

500

5

5-3

5

6,3

->

6-7

6

67

60

0

=>

\$

CP

B

(1) Industrial marte: Industries and industrial sites acrows The world are major contributor to wester pollution. Norry industrial sites produce weaste in the form of toxic chemials and pallutants, and though regulated, some still don'to have propen maste mangement systems in place. In these rare cases, industrial maste is dimped into nearby for hunder Systems. When industrial master is not treated properly, it can very easily pullute the freshwaten systems that it comes into contact with. Industrial waste from agricultural sites, mines and manufacturing plants can make its awy into rivers, Streams and other bodies of water that lead directly to the Sea. The toxic chemicals in the waste produced by these industories not only have the potential to make water unsafe for numan consumption, they can also cause the temperature them in freashwater systems to change, making them dangerous for many water divelling organisms.

(10)

(2) <u>Marine Dumping</u>:- The process of marine dumping is exactly what it sounds like, dumping garbage into the maters of the ocean. It might seem crazy, but household grabage is sitll collected and dumped into oceans by may countries acress the world. Most these items can take any where from two to 200 years to decompose completely.

(3) Savage and wastemater: Harmful chemals, bacteria and pathogens can be found in sewage and mostemater even when it's been traated. Samage and mastemater formeach howsehold is relased into the sea with fresh mater. The pathogens and bacteria found in that mastemater bireed di.



(11)

(4) ail Loaks and spills: - The age -ald phrase " like water and ail" is used when describeing two things that do not mix easily on at all. Just as the saying states, water and all do not mix, and all does not dissolve in water. harge all spills and ail spills and all leakes, while after acidular are a major cruse of water pallution. heave and spills after are caused by ail drikting operations in the ocean on ships that transport ail. wild life.

P

Po

1

PS

10

P

P

P

P

P

P

P

P

P

P

>

9

5

9

(5) <u>Appriculture</u>:- In orden to protect their recops from backeria and insects, formers often use chemicals and pesitieides up en these subtences sup into the groundwater, they can be animals, plants and humans. Additionally, when it rains the chemicals mix with rainwater, which filter into the Ocean causing further water pollution.

(6) <u>Orlobal marming:</u> Rising tempaerature due to global coarming ave a marjon comern in terms of maten palant on. cristal marming courses maten temporretures to rise, which can will oraten denelling animals. when large die-offs occour, it further pallates the maten supply.exacerbating the issue.

(7) <u>Padipartive reaste:</u> padipartive maste form facilities that create nuclear energy cambe externally hazandous to the environment and just be disposed of properly. This is because wramium, the element used in the certain of nuclear energy, is a highly toxic chemical. Unfortunatoly areidents still occur at these facilities, and toxic maste is relaxed into the environment. The coad and gas indus-

(12)

tries are, in many neerys, no belter. This is one of the nearjon impetuses behind the development of alternative, chean soources of energy, including salar and wind. Effects of mater pollution: - Deteriorating mater quelity is demaging the environment, health conditions and the global economy. There are some of the other consequences: -(1) Destruction of biodiversity: - moter pallution depletes aquatic -cresystems and tinggers unbridled prediferation of phytoplanhton in lakes. (2) Contamination of the food chain L fishing in pulluted waters and the use of master water for lines stoer forming and agmiculture can introduce toxins into foods and which are h amful to our health when eaten. (3) hack of petable waters: The UN says that billions of people around the morts have no access to clean malers to article on samitation particulary in rual areas. M\_ Disease: The with estimates that about 2 billon people have no option but to drink water contaminated by excrement, exposing them to diseases such as cholera hepatitis and dysentery. (5) Infant mostality:- According to the VN, diamhacal desease winked to eask of hygiene cause of the death af about 1,000 duitaren a day avorlanide. (6) Use environmentally friendly products:- By using salu ble products that do not go on to become pallutants, we can reduce the amount of maters pallution caused by a nouse hold.

5

9

-

9

9

9

3

3

3

3

3

3

3

3

3

3

3

3

3

2

2

5

2

うつうつ


15 1 neuse this austeluaten by neducing its toxic contents. 13 3 N N D N 2 P P p P process. 0 3 P > **\$** \$ 0 0 þ 0

(7) Better treatment of Sawage:- So trating weaste products before disposing of it in a weatersbody helps reduce water po Mution on a lovige scale. Agri alleve our there industries can

(8) <u>Eutropinication:</u> Agricultural products such as fer tillizer of ammonia and phosphate, which can boost crop gields. How even, these nutrients can find their may into streams, lave and other water chlamels through run-aff, thus unblam cing the decilcate aquatic ecosystems. This spanks process called enthophication.; whereby certain organisms can proliberate and comume more than their fair share af oxygen and sunlight depriving others of these important resources in the

(O) Economic impacts: - The effects of water pollutionare not just related to human and environmental health, eith on, contaminiated water supplies must go through a rigiriaus treatment process before they can become portuble or suitable of igotion, mashingor summing on. This entails a financial price tag that is prohibilitie on human progress. Meanwhile, amather conomie impact ængendered by maten palmtion is the loss of renengue experienced by the tourism industry in centain points of the morld.

(10) Effects on Human Beings: - wife is a wycle, and humanity s imerposible behaviour often comes back to havet elt. Adding contaminants to water bodies has affected the humainfamily in several leggs.

Control measures of water pollution:- waler contamination can be controlled in many ways and methods by taking proper actions and introduing new technologies.

(2) <u>avalen Treatments Nethods:</u> we must avail dumping a aste intowaten podies. waters breatment plank should be used for sawage waters and effected removal planks for effluent semonal. Industrial awark warter should be porobody breated before relaxing into water bodies.

(2) Minimize the Use of chemical Fortilizers and pesiticides;chemical fertilizers and preticides must be barned and insta organic or ecofriendly fortellizers should be used. The better option is to smitch to organic forming methods and we animals \_based manure. Threse will keep the harmful whemals away from water bodies.

(3) <u>Utilization of hers welter:</u>- we must save water as much as possible as only about 1% of the earth's total water is anail able for the use of most aquatic and terristrial organisms. It can be easily achived by installing water-saving equipment wine sinks, tailets, and showers. In our daily lives, we can help save weater by taking short bath and not weeping the tap running during brushing etr. (y) Avoid polluting open - Airwater Sources:- Litten ingof weater bodies and theirs sourcoundings, all spills, enemial disposal, dumping of fertilizers, pesticides, etc. Should be availed. So, it is required to stop littening weater near the water sawsees or around them to avoid seeping the acentes into the weater sources.

(5) <u>chemical methods</u>: <u>chemical process such as precipi</u> tion revence as mosis and coagulation and ion exchangemethad will help to reduce the level of mater palention. Use chloroine for disnfection, add time to adjust pH, and use bleaching powden and alum for arsenie removal. (6) Public Education and community invaluement: Educati ng the public about the sources and effects of mater pallution and promoting community invalvement in water conservation efforts can lead to significant improvements in loved mater quality. Intratives live community cleanup days and educational camparigns saise auwress and encourage proactive protection of maters secoures, crucial for public education on neutro pallution and fostering community water concernation. (7) Enhancing water legislation and polices: - Robert legal trame nonks and consistant eforcement of needon pallution has are essential for sustainable autor management. Crovernments can enhance mater pollution laus are essential by seeting storingeast weater quality standards and ensur. ing compliance through regular montoring and penalties for vialations. This from legal foundation supports the enforcement of nucleor quality standards. (8) Industrial mastematen Treatment: - Industries menner Joo contributors to water pollution. Implemeting advanced industrial montemeters treatment solutions such as reverse osmosi's, ultrafictoration, and biologiad treatment can significantly reduce pollutionts in auastemeters before discharge into natural mater bodies.

### SOILPOLLUTION

(16)

Introduction: Soil pollution is defined as the presence of foxic che mals in the sails in very high concentrations to pore a risk to human health and the ecosystem. On in simple words alteration in the natural sail due to human activities is termed sail pallution. All the sails contain compounds that are harmful to human beings the other living organisms. However, the concentration of Such Subtances in unpolluted sail is so low that they do not pose any threat to the surrounding, but when the concentration of Such toxic subtomees becomes high enough to cause damage to living organisms, the sail is said to be contamineted. Sail contamination can occur because of human activites or because of natural processes. However, mostly it is due to many human activities. trenevally polluted needer also pallute sail. Sail waste is a mature of peastics, doth glass, metal and orgaine matter, sewage, Surge slude, building debris, generated from households, commercial, and industries creta blishements add to sall pollution. Fly ash, iron and stell slag, medical and industrial wartes disposed on land are important sources of sail pallution. In addition, festilizers and pesticides from agricultural use which reach sail as run aff and eand filling by municiple masterne grouning course of sail pollution. Acid rain and dry deposition of pallutants on land surface also contribute to sail pollution. causes of sail pollution: - These are some main cause of sail

erosion, like\_

-5

N

J

N

1

2

,

N

3

N

2

3

3

3

5

3

3

3

15

3

3

3

3

3

2

2

2

0000

2

2

(1) Industrial pollutions. The discharge of industrial waste into Sails can sresult in sail erosion or Sail pollution. In india, as miming and memufacturing activities are increasing proper rapidly, Sail degreadation is also increasing. The extration of minerals from the earth is responsible for affecting sail fertility. Wehether is it iron are or roal, the by products are contaminated, and they are disposed of an a mannen that is not considered safe. As a result, the industrial acaste stays on the sail surface for a long duration and makes it unsuitable for further use.

(2) <u>Agricultural Activilies:</u> The use of insecticides and perticides for a long priod can cause sail pollution. Pepetitive use can cause in sects and poests to become resitant to it. Instead of willing pestes and somecets, it degrades the sail quality. They are full of chemicals that are not Produced in nature and cannot be broken down by them. As a result, they seep into the ground after they mix with water and slowly reduce the ferticility of the sail. Plants absorb many of these presticides, and offer decomposition cause sail paluition.

(3) <u>maske disposal</u>: Disposal of plastics and ather sail moste is a serious issue that causes Sail pollution, disposal of elebical items such as batteries because and adverse effect on the sail due to the presence of harmful chemicals. Human masete such as firene, Urine, facess, diapers etc is dumped directly in the hand. It cause both sail and mater pallution. (4) <u>Add main:</u> It is caused when pallutouts present in the airs mix with the rain and fall back on the ground. The palluted



No. EV Dr Do D D De Þ 20 0 2 2 able. 2 1 5 S Þ Sal . P --- Bard -P **~>** 40 \$ \$ \$ :> ;) ;) 3

2

waten could dissolve away some af the essential nurtrioutsfond in sail and changethe structure after sail thus thinking and malling it unsuitable for agriculture.

(5) <u>ail spills:</u> all leakes can happen during the storage on transport of chamicals, the chemicals present in the fuel dedeviatorates the quality of sail and make them unsuitable for fur Athen cultivation, chemicals can also enten into the ground well en through the sail, and hence it will make water undrinkable.

(6) <u>Radioactive pollutants</u>: Radioactive subtomees resulting from explosions of nuclear testing laborenties, not ioactive fallout and industries rise to nuclear from explosions of dust and radioactive masters penetrote the sail and accumulate giving rise to nuclear dust and Sail pallution. E.g. nuclear reactors produce acate containing nutherun-106, Indine-131, Bariun-140, Cesium-144 and ranthanum-140 along with primary nuclides Sr-30 with a half sife 28 years and cs-137 with a half life 30 years. All the radio nuclides deposited on the sail amit gamma raditions.

<u>Effects of Sailfollution</u>: - Impacts of sail pullution are not con fixed to sail. Some of the effects are as follows -

(2) <u>Human Health</u>:- Since we are dependent on the land for our food, pellution from the sail is toonsferred to us in this manner. Dio accumulation of toxins occur in our bodies, causig choronic paisoning and locading to various disease. Reproductive health and birth and developmental defects, neurologic effects, malnutrition, and mutations in the cells of the

(2) Growth of plaints: - The ecological balance of any system gets affected dere to the undespread containmination of the soil most plasts are unable to adapt when the chemistry of the soil changes so vadically in a short period of time. Fungi and bacteria found in the sell that bind it together begin to dealine, with crates an additional problem of soil erosion. (3) <u>Decrared Sail Fertility:</u> The toxic chamicals present in the Sail can decrase in the sail can sail fertility and therefore decrase in the sail yield, the contamined sail is then used to truits and negetable which lacks quality nutrients and may contain some pousonous subtance to cause serious health probl ens in people consuming them. (4) Effect on ceosystem and Biddinersity: - Sail pallation can held or lead to the lack of biodinersity in the ecosystem. The life of bird, ensect, mammal and repétre species that life live in the sail can get affected by pollution. The soil is an important habitat. (5) Impact on Agricultural productivity: Agriculture heavily relies an healthy sail for crop growth and productivity. Sail po-Mution negatively affects agricultural lomds, reducing crop yields and questify. uchen sail is polluled, plants may stouggte to abtain essential nutrients and mater, beading to stunded grouth and poor productivity. contaminants in the sail con also aeffect the physiological processes of plants, making themmore susceptible results in coop losses and reduced food production. Therefore, Sail pallution poses a significant threat toglobal

The body leading to concers all these are on the mesase today.

Soil pallution by plastic 1 Bags

tood security. especically-en regions where agniculture is a primary source of lirectood such as india. (6) <u>contamination of underground water</u>: - sail contamination affects the underground water table, allowing toxins to seep into water sources, prolonged use of contaminated water from wells and tube wells can lead to health issues such as arsenic poi-Souing and food contamination.

(7) changes in Sail Structure: The dooth of many sail organic sms in the sail can cause changes in sail structure. Organic farming methods are being promoted, which above the use of chanical loden pesticides and featilisers. plants that can remore pollutants from the sail are being encouraged to be used. The road ahead, however, is quite long, and preventing sail pallution will take many years. Industries have been given regluations for the dis posal of hozardous heaste, with the goal of reducing the amount of polluted land.

<u>control Measures of Soil pollution</u>:- soil pollution is a complex issue that must be addressed. It is important that we all understand the importance of sail to our survival. It is a complicated participation of from individuals to the govemment. A few methods for reduceing soil pollution, likethe <u>polluced use of chemical fortilizers</u>:- chemical fortilizers are more domageing them help but, while the right quantity can help the sail become more fortile, too much might in potentially paison it. Chemical fortilizers in excess could horm the sail in a noviety of ways. It has the ability to affect the soil's pH values.

(2) <u>Reforestation</u>: Defonestation or the cuting down of trees are the main cause of crossion of the sail due to which leads the lass of footility of the sail occurs which leads to soil pallution. Reforestation is an effective method of prenenting is sail pallution. Another can be cell down of the usage of per or or use resigne paper. This will lead forwer tress to be cut down and therfore reduced deforestion.

(21)

(3) Proper maste management: Effective disposal of indus-Inial and residential master's vital to reduce land contamination. proper disposal of hazardous master's erminal to prevent sail palmetion.

(4) Avoiding the use of Hamful chemicals:- we should reduce the number of ferstilizors for our crops as excess ferstilizers make the sail acidic and can pollute sail and groundereder. So it is cruical to avaid using them usuless absolutely nesssary. If they must be used, they should be used according to the manufacturer's instructions.

(5) <u>Reduced use of chemical fertilizers and recycle, reuse products:</u> These steps not only redue maste generation but also ensure that sail podution is reduced. At present, plastic forms a significant portion of the generated mastes which are generally builed in landfills, maste materials decompose slowly and release materials into the sail. These tonic subtomes are mery harmful to the health of the sail and are a major source of sail podution. Be using and recycleng thinks, it could be ensured that describes (6) <u>composting</u>:- Another nearly to reduce land pallution is through composting. According to the united states environmental protection Agency food scraps and yard maste together curr ently make up more than 30% of what welthrow away and could be composted instead. Minimizing and pepusposing ueaste helps preserve the environment.

### NOISE POLLUTION

(23)

\_\_\_\_\_\_ Introduction :- The word 'noise' is deined from the lation word Norauser' which needs sickness in which one feels the need to vomit. Noise is the unpleasent and undesirable sound which leads to discomfort in human beings. The intensity of Sound is mea-Sured in decibels (dB). The faintest sound that the human earcon hear is Db. Due to increaseing noise around the initizations noise pollution has become a malter of conom. Some of its majon causes are vehicles, aircraft, industrial martines, lou depeakers, corackers etc. When used at high volume, some other appliances also contribute to noise pallution, like television, transistor, radio etc. Nat all sound is considered noise pollution. The world health organization (witte) dfines roise above 65 decibles (dB) as noise pollution. to be precise voise becomes harmful when it exceeds 75 decibels (2B) and is painful above 120dB. The presence of noise pollution has a daily impact on millions of people. Hearing loss coursed by noise is the most common health problem caused by noise exposure. Furthermore, loud noise can also lead to health pro blems such as hypertension, heart disease, sleep disturbances and stress. All age groups are suscepte'bile to these health problems, especially children. It has been shown that chil dren living near loud airports and busy streets suffer from Stress and other problems, such as memory problems, altention difficulties and difficulities with reading. Animals are abo adversely affected by noise pollution.

<u>Causes of Noise pollution:</u> There are many causes of noise pollution. There are many causes of noise pollution like loud music, horns, talking on the phone for a longen time period generators, vacuum cleaners, pressure cookers, controution work, airplanes and trains etc. There are following causes of Noise pollution: —

24

(1) Industrial causes:- Industries, mills and factories Produce high intensity sound and noise these Soundes are the major causes of industrial noise pollution. Industrial roise pollution can be caused by fexible mills, engineering companies and printing drills, notating belts and saws and are a nuisance to the public. Industries on manufactureing facilities new residential areas can cause idence sound levels that can cause or demage hearing ability. People who are working in industries wear core plugs mandatorily and earplugs provide a shield against the entry of loud roise.

(2) <u>Agricultural Machinery</u>: It includes the noise of thrashers, power saw, tractors, horovestens, power thrillers, and tube wells. when they are in operation they to pooduce high entensity noise. people use who use tracters, horonester, and machines wear noise - proof gadgets to avoid any type of desease. In india punjab has recorded roise levels in the range of 30 dB to 38 dB while performing agricultural machinery operations.

3) tousehold utilities: - Household noise pallution comonly happens while doing household work. it includes the Sound of presure cookers, washing mailines, ninergrin-

Noise pallution from playing The mic too loud

ders, air conditioners, dryers, dexert colles, vacuum cleaners and Sewing mailines, ninen gendres, air cooler etc. House hold noi Se pollution can also be caused by electrical devices live television, telephones, radios, toransistors, loudspeaken, musical instruments, etc. Household behaviours on autivites like the crying of babies, loud quarrels, house renovations and borngi ng af doors can also cause household noise pallution. (4) Transportation: transportation Noise pallution can be caused by trafic, treains, and airiraft, scoaters photorcycles, trucks buses, cars and its rapidly incrasping number. As trafic is increasing and it can produce noise through repealed hooting, constant high sound is caused by airplanes, hecticopertens, jek and netros. people who live in metropalitan arreas or near airports can hear the constant sounds that can diafen the ederly. 15) Social Events: - The includes concorts, parties, worship places, discas etc. houd sounds from social events are mainly known as a 'nuisance' that can affect the sleeping cycle of the

3

3

1

1

18

18

1

4)

E A

1

2

N

2

2

5

2

>

2

3

>

>

2

2

(<u>) Environmental causes</u>. Stroms are one of the environmental causes. All causes that can pose noise population. Stroms can create high noise pallution and earn be very denasting like cyclones, huricenes, and toonadeas Environmental causes also include lighting and theunderstroms that can create high -sound noises that may effect the ability of hearing. (2) Defense headiments: - It includes military tanks, shooting pratices, milltary airplane toraining, explosions and

rocket launching that affect the environment badly. Asonic booms and jet engine noises are highly pitched that impact badly on ears and com cause defening. (8) Household or contraction activities: - the construction of buildings, stations, roads, dams, flyoners and mining produces high noise, the sound produced can even hinden the hearing capaattes of an individual exposed to the sound. cause and effects of noise pollution: - There are some dange ous effects of voise pallution. like-(1) Hearing problems: - Any unumbed Sound that our ears have not been built to filter can cause problems within the body our ears can take in a centain range of sounds without getting damaged. Lan made Suchas horn, machiery, eisplemes and even néhicles greting to loud for our range. Constant expo-Sure to loud levels of noise can easily result in the damage of our eardness and loss of hearing. It also reduced our sen-Simily to sounds that our ears pick up unconsiderusly to requate our body's nhythem. (2) Health issues: - Excessive moise pollution in working you sleeping areas such as office, constructionsites, bars and even in our homes can influence pychological health. Studies disturbance of sleep, show that the con-occurrence of agreessive behaviour, constant stress, fatigueard hypertension can be linked to con-excessive noise levels. These it twomcom

cause more severe and chonoic health issues laten in life.

(3) <u>Sleeping Disconders:</u> Loud noise can certainly hompen your sleeping pattern and and may lead to instation and un-



### Noise pallution due to rehicular movement

comfortable situations. Without a good night sleep, it may lead to problems related to fatigue and your performance may go down in affice as well as at home." It is therefore remonended to taken sound sleep to give your body properrest. (4) Candiovasculan losues: - Blood pressure leves, condiovasculan disease and stress related heart problems are on the rise. studiles suggest toat high intensity noise causes high blood pre-Ssure and incrases heart beat rate as it disrupts the normal blood flow. Dringing them to a mange able level dependson our understanding noise pallution and now we tackle it. (5) Trouble communicating: High decibel noise can put trouble and may not allow two peple to communicate freely. This may lead to mis understanding and you may get difficult understanding the other person. Constant sharp noise can give you severe headache and disturb your constional balance. (6) Effection mild-life: - mild-life faces far more problems than humans because noise polution since they are more dependent on Sound. Animals develop a better sense of heaving them us since theirs survival depunds on it. The ill effects of excessive noise begian at home. pets react more aggeressively in households where there is constant noise. They become disoriented more easily and face many behaviard problems. Control measures of Noise pedulution: (1) for people morking in noisy insatellation, eur-protection and like eur plugs, eurmilits, noise helmets, headphones etc. Nuist be provided to reduce occupational exposure. (2) Acoustic Zoning: - Incrased distance between source and

5

S

5

2

15

0

0

2

2

3

5 5 6

5

) )

5

>

5

5

and reciver by 20 ning roisy industrial array busterminals and railway stations, acrodromes etc. and y from the residential areas mould ge a longueay in minimising noise poleution. Ture should be slience zones near the residential areas, educational institutions and aboreall, news hosipitals. (2) personal Hearing protection Dovices: - personal Hearing pro Aection Devices have been designed specifically to protect our ears from specific noise hazards. Thuse devices come in many different forms and are used by norhers all types of industries - when possible, employers should implement engineeri ng controls fon noise to reduce exponsure to excessive noise levels. However, if such controls for cannot be implemented for safety reasons on economic reasons, employers must rain employees about the proper use of personal hearing protection devices and require them to wear them when exposed to hazardous noise levels that can cause hearing loss. (3) Acoustical ceiling Tiles:- Acoustical Ceiling Tiles used to control noise pollution in the workplace consist of acoustical ciling ceiling teels made with thick and high density with Acoustic foam. These acoustic ceiling tiles with holes can felten the noises coming from the outside, meet requirements of fire-resiltant grade, and helpto reduce eithe sound effective ly. (4) resintenance of automobile: - Regular Servicing and tuning af vehiculs will reduce the noise level. Fixing af silencores to automobiles, two wheclers etc. will resduced the noise bevels.

(5) Maintenance of Machines:- proper lubrication and maintena ne af machines, retrictes etc. Will reduce noise levels. For example, it is a common experience that, mony parts of a retricals will become loose while on a regged path af Journey. If these loose parts are not properly fittled, they will generate noise and cause annoyance to the driver. Similarly is the case of machines. proper handiling and regeluar neautance is essitional net only for noise control but also to improve thelife of machine. (6) <u>Selection of machinery</u>: - op timum selection of machinery tods on equipment reduces excess noise levels. For example Selection of cheviors, on scletion of contain machinery which generate less noise due to its superior technology etc. is also an important factor in noise minimisation stretegy. (7) prohibition of usage of loud speaker: By not premitting the usage of loudspeakers in the habitat zone's expect for important meetings. Now a days, the voban Administration of the nutro cities in india, is becomeing strangent on usage of loudspeakers. (8) control over vibrations: - the vibrations of materialsmany be controlled using proper foundations, rubben padding etc.

1

1

2

.

N

2

2

0

0

0

2

3

>

3

3

3

)

toraduce the noise leveles caused by vibrations.

### CONCLUSION

(30)

Environniental pollution is any dischange of materials on energy into mater, land, on ain that causees on choronic detri ment to the Earth's ceological balance or that lowers the the quality of life. Pallutarts may cause primary damage, with direct identifiable impact on the environment, on Secondary damage in the form of minor perturbations in the delicate balance of the biological food web that are detectable only over long time periods. until relatively seen ely in humaniety's history, where pollution has existed, it has been primaily a local problem. The industrialization of Society, the introduction of society, the introduction of matopized uchicles, and the explosion of the human population however, have caused an exponential growth in the production of goods and services. Many factors are present for any environmental pallution has become such a large issue in the world. There are many activities that can be done by both the connaor citizen to the governments of the world, inthich could severally improve the work 's environmental problem. Environment is the surrounding of an organism. This Environneut in which an organism lives is made up af various composents like ain, mater, land, etc. These componentsase found in fixed proportions to cerate a Harmonious Balance in the environment for the organismin the environment for line in So, the environmental problem that is morsening with each other needs to be harmful effects on humans asnull.

## BIBLIOGRAPHY

31

For successfully completing muy project I have taken help trom the following books and website: -(1) Environmental Studies Book: by Armbha Kaushik and Cp kaushik. (2) Environmental Science book: Sc santra (3) www.google.com. (4) ww.wikipedia.com

(5) google images

いいいいいしししししししていくという

(6) www.yahoo.cam.

### **Political Science**



KAZI NAZRUL UNIVERSITY DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE SUPERVISOR : DR. AMRITA BANERJEE CC14 : PROJECT (BAHPLSC602) TOPIC : THE DARK SIDE OF LEADERSHIP

BIDHAN CHANDRA COLLEGA



STUDENT DETAILS Name: ZEBA BAKHTIAR Semester: VI (HONOURS) University reg. no.: 103211210009 University roll no.: 1032106121034063 college roll no.: 01



Expt. No. Page No./ ACKNOWLEDGE-MENT I would like to empress my sincere gratitude to all tuose who helped me complete the project successfully. First & Foremost, I want to thank my devoted subject teacher Dr. Amrita Bannerjee whose constant support and incours gement were incredibly valuable two us hout the secredich. I also want to thank own Principal Dr. Falguni Mukhopadhyay (principal, Bidhan chaudra college, Asansol) for creating an environment that values academic enployation would like to express my despest gratitude to the department of library for their assistance and book supply. I would like to give special thanks to my payents because without their special suggestions would not have been easy to complete. lastly I thank my friends who wat righted ideas shirts buy peuspectives that ensitched the project. Leba Bakhtiar Teacher's Sign VIta Semester



	Page No./ Date./	
	CONTENTS	
-		
SL. NO. 1.	PARTICULARS	Page No. 1-2
2.	Inception to Dark leadenship	3-11
3.	Impacts of Dank leadship	12-15
Ч.	History of Davik leadenship	16-35
5.	Overcowing the stark side of leadership	36-45
	Bibling youbu	48-51
	SL. No. 1. 2. 3. 4. 5.	SL NO. PARTICULARS 1. INTRODUCTION 2. Inception to Dark leadenship 3. Imports of Dark leadenship 4. History of Dark leadenship 5. Overcowing the clark side of leadenship 5. Overcowing the clark side of leadenship Candusion Bibliognaphy



Expt. No. Page No. Chapter-1\_ **NTRODUCTION** This project is designed to introduce the readers to the danken side of leadenships. The woold is aware to the limelight and eminence of the whicept of leadenship. But not many can visualize the other side of the win. So, let's begin a journey bagether and take a side twough this spect-a cular concept where you will se introduced to the doudy side of captaincy. The research has been divided into 5 chapters where initially the reader would be introduced to the shadowese side. The second chapter will open new drons and windows of the topic. The third chapter will supply the reader with investigation on the impacts of dank leadenship. In the towerth chapter the neader will have a detailed inspection and scanning about a stange of dark readers that the history ever experienced and underwent. It would also give analysis of some dark leadenship events. The task would be haware the seaders about the bautas, could and vicious Teacher's Signature



### PAPER CC-14 **PROJECT** UNDER THE SUPERVISION OF **DR.AMRITA BANERJEE**



TOPIC: A CONTEMPORARY ANALYSIS RUSSIA - UKRAD E WAR SUBMITTED BY: NAWAZISH HUSSAIN SEMESTER JI College Foll No. :10

> Registration No. University Roll No. – Course Code.

:103211210010 :1032106121034032 :BAHPLSC602

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE BIDHAN CHANDRA COLLEGE (Under Kazi Nazrul University)



I would like to express my sincere gratitude to my teacher, Dr. Amrita Banerjee, for her invaluable guidance and support throughout this project on the Russia-Ukraine War. Her insights and feedback helped me navigate the complexities of this topic and develop a deeper understanding of the conflict. I am particularly grateful to her [Who gave me the golden opportunity to do this wonderful project of 'Political science' on the topic of Russia and Ukraine war e.g., suggesting helpful resources, providing constructive criticism on drafts, encouraging me to explore different aspects of the war].

I would also like to acknowledge [Respected teacher, Family and Friends]

Nawazish Hussain

VI Semester





Table of content

01. GEOPOLITICAL/HISTORICAL CONTEXT AND BACKGROUND The History of Tension between Russia and Ukraine	1-3
02. CAUSES OF THE WAR NATO's Eastward Expansion and Russia's Security concern	4-6
03. WARFARE AND MILITARY STRATEGY The Shifting Battleground: Analyzing the Evolution of the work focus(e.g. Donbas, Kyiv)	7-12
04. HUMANITARIAN IMPACT The Refugee Crisis: Studying the mass displacement of Ukrainians and global response.	13-20
05. GLOBAL REPERCUSSIONS/INTERNATIONAL RESPONSE The New cold war?: Analyzing the renewed tension between Russia and the West	21-30
06, SPECFIC EVENTS/CONSQUENCES The Attack on a specific Ukrainian city (e.g. Mariupol)	31-34



01. Geopolitical/History context and Background



**Kyivan Rus (9th-13th centuries):** This early state is considered the foundation for both Ukrainian and Russian national identity.

**Centuries of division:** The territory was later divided and ruled by various empires, including the Russian Empire, Austria-Hungary, and Poland.

#### Soviet Era (1922-1991):

\* Ukraine became a founding republic of the Soviet Union.

\* The USSR saw industrialization and population shifts within Ukraine.

\* Crimea, previously part of Russia, was transferred to Ukraine in 1954.

#### Post-Soviet Tensions (1991-present):

 \* Ukraine gained independence with the fall of the USSR.
\* Despite cultural and linguistic links, Ukraine increasingly asserted its own national identity.
\* Russia views Ukraine's potential integration with the West (NATO, EU) as a threat.

\* The 2014 annexation of Crimea by Russia and the ongoing war in Eastern Ukraine are major flashpoints.

#### **Geopolitical Significance:**

- \* Ukraine's location makes it strategically important, bordering Russia and several European countries.
- \* It has fertile land and resources, and was once the Soviet Union's "breadbasket."

#### Understanding the Conflict:

- \* The current war stems from a clash of interests:
- \* Russia's desire to maintain influence over its former sphere of control.
- \* Ukraine's aspirations for self-determination and integration with the West.
- \* Ukraine's aspirations for our determines further complicate the situation.



### **Physics**



# ELECTRICAL INSTALLATION(WIRING)

Abhrapratim samanta Reg. No.- 103221220089  Some of the basic elements of electrical installations are: ✓ conductors provodnici ✓ insulators izolatori ✓ cables kablovi ✓ switches prekidači ✓ sockets priključnice ✓ light fittings sijalična grla ✓ lamps svjetiljke ✓ fuses osigurači ✓ distribution boards (box) razvodne table ✓ electrical panels (electric meters) elektricna brojila ✓ plugs utikači ✓ circuit brakers sklopke Residual Current Circuit Breaker automatski prekidac rezidualne struje • Electrical wiring is an electrical installation of cabling and associated devices such as switches, distribution boards, sockets, and light fittings in a structure.

• Allowable wire and cable types and sizes are specified according to the circuit operating voltage and electric current capability, with further restrictions on the environmental conditions, such as ambient temperature range, moisture levels, and exposure to sunlight and chemicals.
• Materials for wiring interior electrical systems in buildings vary depending on:

>Intended use and amount of power demand on the circuit

- >Type of occupancy and size of the building
- ►National and local regulations

> Environment in which the wiring must operate.

- Homes typically have several kinds of home wiring, including electrical wiring for lighting and power distribution, permanently installed and portable appliances, telephone, heating or ventilation system control and computer networks.
- AC power plugs and sockets connect electric equipment to the alternating current (AC) power supply in buildings and at other sites. Electrical plugs and sockets differ from one another in voltage and current rating, shape, size, and connector type
- Plugs, wallsockets need to be installed throughout the house in locations where power will be required

### Electric meters

• First in the list of common electrical parts you see everyday is the Electric meter. It is used by the national electricity grid to measure the units of electrical energy used in your household circuits. Yeah, that's how they find the amount you need to pay for your electricity bill per month.



#### Electric Meters

### Fuses

- A fuse is an electrical part which you can't see as it's always inside a plug or an electrical device such as TV.
- Basically fuses are used to protect electrical appliances, parts and electronic components from potential damage due to a high current – Ampere – flowing in the circuit.





- A miniature circuit breaker it looks like a switch consisting various ampere values.
- Circuit breakers function similar to fuses. In the event of an exceeding current flow than the rated ampere value, the switch opens and stops the current, instead of melting anything or dying forever.
- The circuit can be connected again by closing the switch.

## Distribution box

- Distribution box is another easy to notice electrical part in your home. It consists 3 more electrical parts, namely,
  - ♦Main Switch
  - Trip Switch
  - Circuit Breakers
- As the name implies, Distribution Box simply distributes the electric supply to sections of the house.
- These sections contain:
   > light circuits [Light Switches + Light Bulbs],
   > fan circuits [Fan Regulator + Fan]
   > plug socket circuits.



#### Main Switch

- Every house or commercial building has a distribution box which is where the Main Switch is located.
- It's the first electrical part receiving the electricity from the electric meter inside your house. Therefore the Main Switch is the responsible part to take down the electricity throughout the house as required.
- Often useful while upgrading house wiring and when thundering & lightning to disconnect the supply.
- There are 2 wires inside the cable coming from the electric meter namely **Live Wire** and **Neutral Wire**. These 2 wires are then connected to the Main Switch. While the main switch is OFF the electric supply is stopped by disconnecting the two wires.

#### Main Switches



## Trip Switch

• Electric current coming from the Main Switch connects to the Trip Switch via Live & Neutral Wires.

- If there is a fault in any of the circuits in the house this switch opens (Trip) automatically and disconnects the power supply.
- Residual Current Circuit Breakers work by comparing the current entering the appliance via the live wire with the current leaving the appliance through the neutral wire.

#### • RCCB consists of:

- Primary coil
- Secondary coil
- Trip coil



#### Wall Switches

- Switches are used in light circuits and plug socket circuits to connect or disconnect the circuit according to the will of the individual.
- There are different types of wall switches such as Push Button, Press Button... Then there are single, double, triple, quadruple as well as quintuple wall switches.



## Plug sockets

- Plug sockets are used to get electric supply for appliances like computers, electrical heaters, televisions, refrigerators and whatever electrical device you've been using.
- There are different types of Plug Sockets based on pin type such as two-pin plugs and three-pin plugs where the 3rd pin is for Earth Wire.





#### Electrical Wires & Cables

- Electrical wires are used to transport electric current, from electric meter to distribution box to power outlets (Plug sockets), all things get the supply through various electrical wires.
- There are 3 types of electrical wires
  - Live Wire
  - Neutral Wire
  - Earth Wire

Elack Neutral)

Wire in Electric Circuit

- Each of the above wires contain different color codes depending on the country
- Wires with blue color are used for neutral connections, so those are the Neutral Wires. Then the wires with Brown, black or grey colors are used for live connections, so they are the Live Wires. If you see a Green or Yellow-Green wire, remember they are used for earth connections, which means those are the Earth Wires.

## CABLES

 Cables are the nervous system of all electrical installations, the method by which the electrical supply is carried. There are numerous types of cable, each designed for a particular job and environment. The amount of current a cable can carry depends on the cross-sectional area of its conductor. The larger the cross-sectional area, the more current it can take. It is, therefore, important to select the correct size for the job.



- Cables have two components to them. One is the conductor itself. This is usually made of copper. The other part is insulation, usually made from PVC, which forms a sheath around the conductor. The insulation is required to:
- prevent the conductors touching together; this could short the circuit and preventing it from working
- prevent users of the circuit from coming into contact with the conductors and receiving an electric shock.
- Modern non-metallic sheathed cables, consist of two to four wires covered with thermoplastic insulation, plus a bare wire for grounding (bonding), surrounded by a flexible plastic jacket.

 All materials have resistance to electrical current. Some materials have a resistance so high it is virtually impossible for any current to pass through them. These are called insulators and include plastic, glass and wood. Other materials have a very low resistance and allow current to pass through them easily. These are called conductors. This is a general rule.



- There are a number of factors that can reduce the amount of current a cable can carry. Among these are:
- ambient temperature the temperature of the surrounding air
- presence of other conductors cables produce heat when carrying current and when cables are bunched together their combined heat reduces current capacity
- confined space if a cable is buried in a wall or run through conduit, its current-generated heat cannot escape
- the length of run the longer the cable run the less current it can carry because, like water pressure in a pipe, the voltage is reduced the further you go from the power source

#### Conductors

 The choice generally is between copper and aluminium. Copper has better conductivity for a given cross-sectional area and is preferable, but its cost has risen over the years. Aluminium conductors are now sometimes preferred for the medium and larger range of cables.

Conductor	Advantages	Disadvantages
Copper	<ul> <li>Easier to joint and terminate</li> <li>Smaller cross-sectional area for given current rating</li> </ul>	<ul><li>More costly</li><li>heavier</li></ul>
Aluminium	<ul> <li>Cheaper</li> <li>Lighter</li> <li>Not recommended for use in hazardous areas</li> </ul>	<ul> <li>Bulkier for given current rating</li> </ul>

# **Electrical Earthing**

- The process of transferring the immediate discharge of the electrical energy directly to the earth by the help of the low resistance wire is known as THE ELECTRICAL EARTHING.
- The electrical earthing is done by connecting the non-current carrying part of the equipment or neutral of supply system to the ground.
- Mostly, the galvanised iron is used for the earthing. The earthing
  provides the simple path to the leakage current. The shortcircuit
  current of the equipment passes to the earth which has zero
  potential. Thus, protects the system and equipment from damage.

#### Types of Electrical Earthing

- The electrical equipment mainly consists of two non-current carrying parts. These parts are neutral of the system or frame of the electrical equipment. From the earthing of these two non-current carrying parts of the electrical system earthing can be classified into two types.
  - Neutral Earthing
  - Equipment Earthing.

### Neutral Earthing

- In neutral earthing, the neutral of the system is directly connected to earth by the help of the GI wire.
- The neutral earthing is also called the system earthing. Such type of earthing is mostly provided to the system which has star winding.
- For example, the neutral earthing is provided in the generator, transformer, motor etc.

# Equipment Earthing

- Such type of earthing is provided to the electrical equipment. The non-current carrying part of the equipment like their metallic frame is connected to the earth by the help of the conducting wire.
- If any fault occurs in the apparatus, the short-circuit current to pass the earth by the help of wire. Thus, protect the system from damage.

#### Importance of Earthing

- The earthing is essential because of the following reasons
  - The earthing protects the personnel from the shortcircuit current.
     The earthing provides the easiest path to the flow of shortcircuit current even after the failure of the insulation.
  - The earthing protects the apparatus and personnel from the high voltage surges and lightning discharge.
  - Earthing can be done by electrically connecting the respective parts in the installation to some system of electrical conductors or electrodes placed near the soil or below the ground level. The earthing mat or electrode under the ground level have flat iron riser through which all the non-current-carrying metallic parts of the equipment are connected.



 When the fault occurs the fault current from the equipment flows through the earthing system to the earth and thereby protect the equipment from the fault current. At the time of the fault, the earth mat conductors rise to the voltage which is equal to the resistance of the earth mat multiplied by a ground fault.  The contacting assembly is called earthing. The metallic conductors connecting the parts of the installation with the earthing are called electrical connection. The earthing and the earthing connection together called the earthing system.

# Digital Multimeter

- Name :- Nishant Sharma
- Reg. no. :-103221220055
- Department :-Physics
- Semester :-4<sup>th</sup> semester
- Subject name :-Instrumentation Skills
- Subject code :-BSCHPHSSE401
- College :-Bidhan Chandra College

#### What is Digital Multimeter

It is a common and important laboratory instrument .It contains three different meters in one.

- It is use to measure AC or DC voltages
- It is used to measure AC/DC current and resistance with digital display.

• It gives digital output, which is very accurate. As the name suggest, multimeter are those measuring instruments which can be used to calculate multiple circuit characteristics.

#### Parts of A Digital Multimeter

A Multimeter has there parts

a) Display b) selection knob c)Ports

#### Label Diagram and Common DMM Symbol



	AC Voltage	÷	Ground
-	DC Voltage	-	Capacitor
Hz	Hertz	μF	MicroFarad
+	Positive	μ	Micro
-	Negative	m	Milli
Ω	Ohms	M	Mega
+	Diode	к	Kilo
• )))	Audible Continuity	OL	Overload

COMMON DMM SYMBOLS

#### Parts of A Digital Multimeter

#### PORTS

- Two probes are plugged into two of the ports on the front of the units.
- COM stands for common and is almost always connected to the ground of a circuit.
- 10A is the special port used when measuring greater currents (greater than 200mA) CE
- MAVO is the port that the red probe is conventionally plugged into. This port allows te measurement of current (upto 200 mA), voltage and resistance.



 The PCB contains an assortment of various components including various types of resistors, capacitors, diodes and IC's. Also it host the battery, crystal oscillator, PTC, LCD and the buzzer which test the continuity of device under test.

#### DISPLAY

- A LCD is embedded on the PCB and is interfaced through pinouts on the PCB itself.
- A transparent plastic casing is over the LCD protecting it from the scratches. Also shock absorption is provided by the rubber pads closely attached at the top and bottom of the LCD.
- The display usually has four digits and the ability to display a negative sign. A few multimeter have illuminated displays for better viewing in low light situations.

#### WORKING OF THE KNOB

- The PCB is bound to the top casing og the multimeter with the help of screws. A LCD and a rotary knob switch are sandwiched between the top casing and the other side of the PCB. Allso, the contacts for switching the multimeter ON and OFF can be seen.
- Some multimeter employs the rotary switch to handle the switching ON & OFF options while some requires a slider switch.
- The selection knob allows the user to set the multimeter to read different things such as milliamps (mA) of current, voltage and resistance



# Function switch Measuring Voltage

### FUNCTION SWITCH MEASURING VOLTAGE

 The V- (\*) setting is for measuring DC voltages.
 Eg. battery voltage.

 The V<sup>\*\*</sup> (1) setting is for measuring AC voltages. Eg. house voltage

 The 20 (\*) setting is to measure DC voltages in the volts (V) range.

 Set the dial to the a value greater than the voltage being measured.

For our labs, we will be working with the 20 V range.



**MEASURING VOLTAGE** 

#### Function switch Measuring Resistance & Current

#### FUNCTION SWITCH MEASURING RESISTANCE & CURRENT

 The O setting (\*) is used to Measure electrical resistance in Ohms.



The A setting (\*) is used to measure DC current in amps.

Set the dial to a value greater than the resistor value being measured.

For a 5000 ohm resistor, set the dial to 20%.



MEASURING RESISTANCE

display means the resistance is higher than the current

> For a 300 ohm resistor, set the dial to 2000

The 1 in the

dial setting

# Advantages and disadvantages of Digital Multimeter

#### Advantages

Very high accuracy

• Has very high input impedance which ensures less loading effect on the input

 The numeric display of digital meters provides zero parallax error.

#### Disadvantages

It does not do well with measurement fluctuations

• It is more expensive than the analog type

 It can be difficult to find one for your specific needs



# SEC PROJECT PRESENATAION

# PHOTOS




